राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार 15 जनवरी 2024 वर्ष-6,अंक-351 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आज का सुविचार

सवाल ये नहीं रफ्तार किसकी कितनी है, सवाल ये है के सलीके से कौन चलता है।

पोंगल उत्सव में शामिल हुए पीएम

पीएम मोदी दिल्ली में केंद्रीय मंत्री के घर पहुंचे, कहा- कुछ वक्त तमिल पल जीने को मिलेंगे

नई दिल्ली। पोंगल उत्सव के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को दिल्ली में राज्य मंत्री एल मुरुगन के आवास पर पहुंचे। इस दौरान पीएम मोदी ने पोंगल उत्सव के विधि-विधानों में हिस्सा लिया। पीएम मोदी के अलावा पुडुचेरी की उपराज्यपाल और तेलंगाना की राज्यपाल तमिलिसाई सौंदर्यराजन भी मुरुगन के आवास में मौजूद रहे। इससे पहले, पीएम मोदी ने देशवासियों को मकर संक्रांति और माघ बिहू उत्सव की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा, 'देश ने कल लोहड़ी का त्योहार मनाया। कुछ लोग आज मकर संक्रांति मना रहे हैं और कुछ लोग कल मनाएंगे, माघ बिहू भी आ रहा है, मैं देशवासियों को इन त्योहारों की शुभकामनाएं देता हूं।' मोदी ने कहा कि मुझे यहां कई परिचित चेहरे नजर आ रहे हैं। यहां आकर ऐसा लग रहा है कि कुछ पल हमें तमिल पल जीने को मिलेंगे। मोदी ने यहां कुछ पारंपरिक रस्में भी निभाई।

भाजपा और एनडीए की सोच व राजनीति सकारात्मक : राजनाथ

कानपुर । केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार शाम कहा कि भाजपा और एनडीए गठबंधन की सोच सकारात्मक है और वे इसी सकारात्मक सोच के आधार पर राजनीति करते हैं। एक सवाल के जवाब में बोले कि इंडिया गठबंधन के दलों का यह अपना फैसला है कि वे मिलकर चुनाव लड़ते हैं या अलग-अलग लड़ना चाहते हैं। इस पर टिप्पणी की कोई आवश्यकता नहीं है। रक्षामंत्री चकेरी श्यामनगर स्थित अपने गुरु संतोष कुमार द्विवेदी के घर आए थे। इस मौके पर जुटी लोगों की भीड़ का उन्होंने हाथ हिलाकर अभिवादन किया और मीडियाकर्मियों से भी बात की। यहां करीब एक घंटे तक रुके। इस दौरान उन्होंने पूजा-अर्चना भी की। नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन का संयोजक न बनने संबंधी सवाल पर रक्षामंत्री ने कहा कि यह उनका आंतरिक मामला है। वहीं राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर शंकराचार्य के मामले को लेकर उन्होंने कहा कि सभी लोगों से विचार-विमर्श करने के बाद मुहूर्त के आधार पर ही निर्णय लिया गया है। पश्चिम बंगाल में साधु संतों पर हुए हमले के संबंध में बोले कि मामले में जो आवश्यक कदम हैं, वे उठाए जा रहे हैं। इस दौरान पूर्व विधायक रघुनंदन भदौरिया, बिल्हौर विधायक राहुल बच्चा सोनकर, पूनम द्विवेदी, पार्षद निर्देश सिंह चौहान, पार्षद वेद प्रकाश तथा अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और उनके पुत्र व भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष, महानगर प्रभारी पंकज सिंह लंबे समय बाद शनिवार को शहर में रहे।

महिला सीईओ का पुलिस स्टेशन में पति से आमना-सामना

पणजी। बेंगलुरु की महिला उएड सूचना सेठ और उसके पति वेंकट रमन का गोवा के कैलंगुट पुलिस स्टेशन में शनिवार (13 जनवरी) को आमना-सामना हुआ। सूचना और उसके पति ने एक-दूसरे से मिलने की इच्छा जताई थी। पुलिस ने उन्हें 15 मिनट मिलने की इजाजत दी। इस दौरान सूचना ने कहा- जब तक मैं पुलिस कस्टडी में हूं, तुम आजाद हो। तुम्हारी वजह से आज मेरी ये हालत हुई है। सूचना ने 4 साल के बेटे की हत्या के आरोपों से भी इनकार किया। पति वेंकट ने भी अपनी भड़ास निकाली और पूछा कि जब तुमने बच्चे को नहीं मारा तो उसकी मौत कैसे हुई। वेंकट शनिवार को अपना बयान दर्ज कराने के लिए अपने वकील के साथ गोवा के कैलंगुट पुलिस स्टेशन पहुंचे थे। बेटे के मर्डर के वक्त वे इंडोनेशिया में थे। पुलिस से बेटे की मौत की खबर मिलने के बाद वे 9 जनवरी को भारत आए और 10 जनवरी को बेंगलुरु में बेटे का अंतिम संस्कार किया। गोवा पुलिस ने बताया कि सूचना सेठ के स्टेटमेंट के आधार पर शुक्रवार (12 जनवरी) को डेढ़ घंटे तक क्राइम सीन रीक्रिएट किया गया। पुलिस सूचना को होटल के उस कमरे में ले गई, जहां वह अपने बेटे के साथ ठहरी थी। क्राइम सीन रीक्रिएशन के वक्त सूचना ने अपने चार साल के बेटे के मर्डर से जुड़ी कुछ बातें पुलिस के साथ शेयर कीं।

राहुल की न्याय-यात्रा से पहले मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस छोड़ी

शिवसेना शिंदे गुट में शामिल होंगे; जयराम रमेश बोले- इस्तीफे की टाइमिंग मोदी ने तय की

मुम्बई। राहुल गांधी की न्याय यात्रा से पहले रविवार 14 जनवरी को महाराष्ट्र कांग्रेस के दिग्गज नेता मिलिंद देवड़ा ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। मिलिंद कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे दिवंगत मुरली देवड़ा के बेटे हैं। मिलिंद ने इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया पर दी। वे शिवसेना शिंदे गुट में शामिल होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- आज मेरे राजनीतिक सफर का एक महत्वपूर्ण अध्याय खत्म हुआ। मैंने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। इसी के साथ पार्टी के साथ मेरे परिवार का 55 साल पुराना रिश्ता खत्म हो गया। शनिवार को जब मिलिंद के पार्टी छोड़ने की खबर मीडिया में आई तो उन्होंने कहा था कि वे ऐसा कुछ नहीं कर रहे हैं। मिलिंद देवड़ा के पार्टी छोड़ने पर कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि इस्तीफे की टाइमिंग पीएम मोदी ने तय की है। उनके पिता मुरली देवड़ा कांग्रेस के बड़े नेता थे। उनकी दोस्ती सभी पार्टियों से थी, लेकिन वे कांग्रेस के अटल और दृढ़ नेता थे। कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद मिलिंद सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की। मिलिंद देवड़ा महाराष्ट्र कांग्रेस के सीनियर लीडर रहे मुरली देवड़ा के बेटे हैं। मुरली देवड़ा केंद्र सरकार में मंत्री रहे थे। मुंबई दक्षिण सीट से हमेशा से ही कांग्रेस जीतती आई है और देवड़ा परिवार कई साल से इस संसदीय क्षेत्र से जुड़ा हुआ है। लेकिन इस सीट से सांसद उद्धव गुट के नेता अरविंद सावंत हैं। सावंत इस सीट से दो बार चुने जा चुके हैं। लोकसभा चुनाव से पहले विपक्षी गठबंधन I.N.D.I.A में सीट शेयरिंग को लेकर चर्चा हो रही है। इस गठबंधन में उद्धव गुट की पार्टी शिवसेना (यूबीटी) भी शामिल है। उनके नेता अरविंद सावंत दो बार इस सीट को जीत चुके हैं। ऐसे में उद्धव कांग्रेस को ये सीट नहीं देना चाह रहे थे। रणनीतिकारों का मानना है कि गठबंधन की वजह से मिलिंद देवड़ा को कांग्रेस से टिकट नहीं मिलेगा। शुक्रवार 12 जनवरी को गरवारे क्लब और मुंबई कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठकें हुईं थीं। देवड़ा ने इन दोनों मीटिंग में नहीं गए थे। पार्टी के कई नेताओं ने उनसे संपर्क कर बैठक में शामिल होने को कहा, लेकिन उनकी ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

करंट से देवरानी-जेठानी की मौत

उन्नाव। जिले में सफीपुर कस्बे के मोहल्ला गढ़ा किला बाजार में टुल्लू पंप का तार लगाने के दौरान जेठानी करंट की चपेट में आ गई। उसकी चीख सुन बचाने पहुंची देवरानी को भी करंट ने अपनी चपेट में ले लिया। इससे दोनों की मौत हो गई। घटना के समय दोनों घर पर अकेली थीं। खेत से घर आए जेठानी के पति में दरवाजा खटखटाया। दरवाजा न खुलने पर वह बाहर से सीढ़ी लगाकर घर के अंदर पंहुचा। दोनों को मृत हालत में देखा, तो बेहाल हो गया। घर में कोहराम मचने के साथ भीड़ लग गई। पुलिस ने भी घटनास्थल की जांच की और शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे हैं। कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला गढ़ा किलाबाजार निवासी संतोष रैदास की पत्नी नीलम (28) और छोटे भाई गोविंद की पत्नी प्रियांशी (24) रविवार को घर पर अकेली थी। संतोष खेत पर गया था। वही, छोटा भाई गोविंद मां सुमित्रा को छोड़ने अपने ननिहाल गंजमुरादाबाद गया था। सुबह करीब आठ बजे नगर पंचायत से पानी की सप्लाई आने पर जेठानी नीलम पानी भरने के लिए टुल्लू पंप का तार लगाने लगी।

आत्मनिर्भरता व स्वदेशीकरण पर जोर: एयरचीफ मार्शल

वायुसेना के 60 हजार से अधिक उपकरण अब भारत निर्मित

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना स्वदेशी तकनीक पर जोर दे रही है। वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने कहा कि आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों का बेहतरीन परिणाम भी सामने आ रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले दो-तीन साल के दौरान कई ऐसे सैन्य उपकरण हैं, जिन्हें भारत में डेवलप किया गया है। वायुसेना प्रमुख ने बताया कि भारत में बनाए गए उपकरणों को वायुसेना ने हर कसौटी पर खरा पाया उसके बाद इसे वायुसेना के बेड़े में शामिल भी किया गया। उन्होंने बताया कि पिछले दो-तीन साल में विकसित ऐसे स्वदेशी उपकरणों की संख्या लगभग 60 हजार है। पिछले दो से तीन वर्षों में 60,000 से अधिक उपकरणों घटकों का स्वदेशीकरण करने के संबंध में एयर चीफ मार्शल ने यह भी कहा कि वायु सेना मरम्मत और ओवरहॉल रखरखाव के लिए हमेशा विदेशी कंपनियों पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। उन्होंने यह टिप्पणी नागपुर के भोंसला मिलिट्री स्कूल में कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान की। वायुसेना प्रमुख के मुताबिक विदेशी ओईएम यानी ऐसी कंपनी जो उपकरणों की मूल निमार्ता हैं, उन पर भारत हमेशा के लिए भरोसा नहीं कर सकता। बदलती परिस्थितियों में वायुसेना का मानना है कि मरम्मत और ओवरहॉल मेंटेनेंस जैसी कई चीजों के मामले में आत्मनिर्भर बनना होगा। बेस रिपेयर डिपो (बीआरडी) के स्वदेशीकरण से जुड़े एक सवाल पर वायुसेना प्रमुख ने कहा, अब सभी बीआरडी में उद्योग जगत की अधिकांश कंपनियां काम कर सकेंगी। उन्हें आकर देखने का मौका मिल सकेगा कि वायुसेना के लिए औद्योगिक जगत कहां योगदान दे सकता है। बीआरडी के आलावा वायु सेना की सभी इकाइयों में योगदान करने के काबिल कंपनियों के लिए दरवाजे खुले हैं।एयरचीफ मार्शल के मुताबिक पिछले दो-तीन वर्षों की अवधि में 60 हजार से अधिक घटकों का स्वदेशीकरण करने में सफलता मिली है। वायुसेना ने मरम्मत और ओवरहॉल रखरखाव के मामले में आत्मनिर्भरता की जरूरत को महसूस किया है।

मुख्यमंत्री योगी ने अयोध्या में लगाई झाड़ू

ब्रजेश पाठक ने पोछा लगाया: डिप्टी सीएम केशव ने गोबर उठाया

अयोध्या। 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पहले रविवार को बीजेपी ने यूपी के सभी मंदिरों पर विशेष सफाई अभियान शुरू किया। अयोध्या के लता मंगेशकर चौक पर सीएम योगी ने झाड़ू लगाई, कूड़ा उठाया। लखनऊ के निराला नगर में बालकेश्वर हनुमान मंदिर में डिप्टी उट केशव प्रसाद मौर्य ने सफाई की। मंदिर के आसपास झाड़ू लगाई। गोशाला में गोबर उठाया। गायों को हरा चारा खिलाया।

वहीं, लखनऊ के हजरतगंज स्थित पंचमुखी हनुमान मंदिर में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने पोछा लगाया। आसपास गलियों में झाड़ू लगाई। नाली से कूड़ा निकालकर डस्टबिन में रखा। ब्रजेश ने कहा- ढट मोदी की इस अनूठी मुहिम में हम सभी को बढ़-चढ़ कर आगे आना चाहिए। सफाई के मामले में हमें उत्तर प्रदेश को पहले पायदान पर लाना है। यूपी के हर जिले में मंदिरों में साफ सफाई अभियान स्वच्छता अभियान में सभी को अलग-अलग जिलों में जिम्मा मिला है। रविवार को सीएम योगी आदित्यनाथ अयोध्या, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी लखनऊ, डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य लखनऊ, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक लखनऊ, प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह को अलीगढ़ के मंदिरों में सफाई का जिम्मा मिला। योगी सरकार के सभी मंत्रियों को अपने प्रभार वाले जिले में रहने का आदेश है। केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय वाराणसी, संजीव कुमार बालियान मुजफ्फरनगर, सत्यपाल सिंह बघेल आगरा, बीएल वर्मा बदायूं, सूर्य प्रताप शाही अयोध्या, स्वतंत्र देव सिंह प्रतापगढ़, लक्ष्मी नारायण चौधरी मथुरा, जयवीर सिंह फिरोजाबाद, अनिल राजभर वाराणसी, अरविंद कुमार शर्मा आगरा, संदीप सिंह अलीगढ़, गिरीश चंद्र यादव जौनपुर, धर्मवीर प्रजापति आगरा, असीम अरुण हाथरस, दयाशंकर मिश्र दयालु बलिया, मयंकेश्वर शरण सिंह अमेठी, जसवंत सैनी बागपत, रामकेश निषाद बांदा, संजय गंगवार पीलीभीत, बृजेश सिंह गौतमबुद्ध नगर, केपी मलिक मेरठ, प्रतिभा शुक्ला अकबरपुर कानपुर, राकेश राठौर गुरु सीतापुर, सतीश शर्मा बाराबंकी, विजयलक्ष्मी गौतम देवरिया में स्वच्छता अभियान में शामिल हुए हैं।

अंगीठी जलाकर सो रहे 6 की मौत

नई दिल्ली। उत्तर भारत के राज्यों में रविवार (14 जनवरी) की सुबह घने कोहरे के साथ हुई। दिल्ली में अंगीठी जलाकर सोए 6 लोगों की मौत हो गई। इसमें 4 एक ही परिवार के हैं। कई इलाकों में जीरो विजिबिलिटी दर्ज की गई। मिनिमम टेम्परेचर 3.5°C रहा। कोहरे के कारण दिल्ली आने वाली 22 ट्रेनें देरी से चल रही हैं। सुबह 4.30 से 7 बजे के बीच 7 फ्लाइट्स को जयपुर और एक फ्लाइट को मुंबई डाइवर्ट किया गया। चेन्नई में भी तीन इंटरनेशनल फ्लाइट डाइवर्ट की गईं। इस सीजन में पहली बार दिल्ली के पालम, सफदरजंग, राजस्थान के श्रीगंगानगर, पंजाब के पटियाला, हरियाणा के अंबाला, चंडीगढ़, यूपी के बरेली, लखनऊ, बहराइच, वाराणसी, प्रयागराज और असम के तेजपुर में जीरो विजिबिलिटी रही। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश में आने वाले 3 दिनों तक शीतलहर के कारण कड़ाके की ठंड रहेगी। यूपी के 19 जिलों में सीवियर कोल्ड डे, 54 जिलों में घना कोहरा और 33 जिलों में बफीर्ली हवाएं चलने और पाला पड़ने का अलर्ट जारी है। मेरठ में पारा 3त्ड रिकॉर्ड किया गया। मध्य प्रदेश में दोपहर के तापमान में वृद्धि देखी गई है। 13 जनवरी को राज्य के 13 शहरों में टेम्परेचर 28 डिग्री सेल्सियस के पार रहा। हालांकि रातें ठंडी हैं। पारा 10°C से नीचे है। बिहार में ठंड को देखते हुए पटना में 8वीं तक के सभी स्कूलों में 16 जनवरी तक छुट्टी कर दी गई है।

सांसद बृजभूषण और निलंबित कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह को जान से मारने की धमकी, मुकदमा दर्ज

वाराणसी। निलंबित भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष संजय सिंह बबलू को फोन कर जान से मारने की धमकी दी गई है। फोन करने वाले ने भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की भी हत्या की धमकी संजय सिंह बबलू को दी है। प्रकरण को लेकर वाराणसी के कबीर नगर, दुगाकुंड निवासी संजय सिंह बबलू की तहरीर के आधार पर भेलूपुर थाने में अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। संजय सिंह बबलू ने पुलिस को बताया कि बीते 12 जनवरी की रात एक अनजान नंबर से उनके मोबाइल पर दो बार कॉल आई। अनजान नंबर होने के कारण उन्होंने कॉल नहीं रिसीव की। 13 जनवरी को उसी नंबर से फिर फोन आने लगा। तीसरी बार में उन्होंने कॉल रिसीव कर पूछा कि क्या बात है। इस पर कॉल करने वाले ने कैसरगंज के भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उन्हें गाली देते हुए जान से मारने की धमकी दी। इस पर उन्होंने डर के मारे फोन काट दिया। मगर, उस नंबर से लगातार फोन आ रहा है, इससे वह और उनका पूरा परिवार सहमा हुआ है। संजय सिंह बबलू की तहरीर के आधार पर भेलूपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। प्रकरण की जांच सब इंस्पेक्टर अनुराग कुमार मिश्र को सौंपी गई है।

राजौरी-पुंछ सेक्टर में सेना का ऑपरेशन सर्वशक्ति

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी गतिविधियां बढ़ाने के पाकिस्तान के मंसूबों को विफल करने के मकसद से भारतीय सेना ने ऑपरेशन सर्वशक्ति की शुरूआत की है। इसमें भारतीय सेना पीर पांजाल माउंटेन रेंज के दोनों साइड सक्रिय आतंकियों का खात्मा करेगी। इस ऑपरेशन को उधमपुर में सेना हेडक्वार्टर और सेना की उत्तरी कमान की कड़ी निगरानी में शुरू किया गया है। हाल ही के दिनों में पाकिस्तान के प्रॉक्सी आतंकी ग्रुप्स (पाकिस्तानी आतंकी संगठनों की तरफ से संचालित होने वाले आंतकी ग्रुप) ने पीर पंजाल रेंज के दक्षिण में विशेष रूप से राजौरी-पुंछ सेक्टर में आतंकवाद को फिर से जिंदा करने की कोशिश की है। पीर पंजाल में बीते पांच महीने में हुए आतंकी हमलों में करीब 20 भारतीय सैनिकों की जान गई है। सबसे हालिया हमला 21 दिसंबर 2023 को डेरा की गली इलाके में हुआ था, जिसमें 4 जवान शहीद हुए थे। सुरक्षा बलों के सूत्रों ने बताया कि ऑपरेशन सर्वशक्ति पीर पंजाल रेंज के दोनों तरफ आतंकियों का सफाया करने के लिए चलाया जाएगा, जहां श्रीनगर का चिनार कॉर्प्स और नगरोटा के व्हाइट नाइट कॉर्प्स भी अपने-अपने ऑपरेशंस को अंजाम देंगे। सूत्रों ने ये भी बताया कि इस ऑपरेशन के तहत जम्मू-कश्मीर पुलिस, उफ्द्धत्र्क्ष् स्पेशल ऑपरेशंस ग्रुप और खुफिया एजेंसियां आपस में मिलकर काम करेंगी। क्षेत्र में खुफिया तंत्र को भी मजबूत करने की दिशा में कदम उठाए गए हैं। खासकर राजौरी-पुंछ सेक्टर में आतंकवादी गतिविधियों को पुनर्जीवित करने के पाकिस्तानी मंसूबों को विफल किया जाएगा। राजौरी-पुंछ सेक्टर में और अधिक सैनिकों को भेजा जा रहा है। ये ऑपरेशन सर्पविनाश की तर्ज पर होने की उम्मीद है। ऑपरेशन सर्पविनाश 2003 में आतंकवादी गतिविधियों को खत्म करने के लिए शुरू किया गया था। इस दौरान क्षेत्र में आतंकवादी गतिविधियां लगभग खत्म हो गई थीं। पिछले दिनों सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने उत्तरी कमान के साथ कोर कमांडरों के साथ आतंकी खतरे से निपटने के तरीकों पर बातचीत की थी।सुरक्षा बलों ने एजेंसी को बताया ऑपरेशन सर्वशर्वक्ति पीर पंजाल माउंटेन रेंज के दोनों सिरों से होगा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह,राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल,सेना, खुफिया एजेंसियों की एक सुरक्षा बैठक के तुरंत बाद ऑपरेशन की योजना बनाई गई थी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सामाजिक-पारिवारिक मूल्यों के रखवाले हैं श्रीराम

डॉ. राकेश राणा

श्रीराम का यह पारिवारिक व्यवहारिक जीवन-दर्शन भारतीय समाज की रग-रग में रमता है। उनके आदर्श उत्तर से दक्षिण तक सम्पूर्ण भारतवर्ष के जनमानस में जमें हुए है। श्रीराम का तेजस्वी और पराक्रमी स्वरूप भारत राष्ट्र को रक्षित रखता है। असीम क्षमता और अपार शक्ति वाले श्रीराम संयमित और मर्यादित जीवन जीते हैं। सामाजिक, पारिवारिक, लोकतांत्रिक और आध्यात्मिक आह्वान के साथ लोक कल्याण में रत श्रीराम मानवीय करुणा वाले कर्मवीर हैं। तभी तो मानते हैं- 'परहित सरिस धर्म नहीं भाई।'

भगवान श्रीराम का अतीत इतना व्यापक और विस्तारित है कि उस पर समझ और संज्ञान की सीमाएं हैं। उन्हें चिह्नित करना बहुत दूर की कौड़ी है। भारतीय समाज में श्रीराम उस वट वृक्ष की तरह हैं जिसकी छत्रछाया में भक्त, आलोचक, आम, खास, आराधक, विरोधी, संबोधक सबके सब न जाने कितने सालों से एक साथ चले आ रहे हैं। 'श्रीराम' भारतीय चिंतन परंपरा का सबसे चहेता चेहरा हैं। उनमें निगुर्णों व सगुणों सब ही का समान हिस्सा है। ब्रह्मवादी उनमें ब्रह्मस्वरूप देखते है। निर्गुणवादियों के लिए आत्मा ही श्रीराम है। अवतारवादियों के वे अवतार हैं।

वैदिक साहित्य में उनका विचित्र रूप है। बौद्ध कथाएं उनके करुणा रूप से कसी हुई हैं। वाल्मीकि के श्रीराम कितने निरपेक्ष हैं देखते ही बनता है। तुलसी के श्रीराम भारतीय जनमानस में बसे श्रीराम हैं, यहां सबके घट-घट में सजे श्रीराम हैं। श्रीराम ही हैं, जो भारत को उत्तर से दक्षिण तक और पूरब से पश्चिम तक एक सूत्र में पिरोए हुए हैं। भारतीय समाज के लिए तो मान-सम्मान का सम्बोधन ही 'राम-राम' हो जाता है। यह अकारण नहीं है जो सब कुछ राममय हो गया है। यहां हर घर का बड़ा बेटा राम हो जाता है जो आज्ञाकारी है, त्यागी है, सेवाभाव वाला है। आदर्श शासक सबको राम सरीखा नजर आता है। यहां तक कि रामराज्य आदर्श व्यवस्थाओं के आग्रह का आवश्यक आधार बन जाता है।

श्रीराम भारतीय परम्परा का अभिन्न हिस्सा हैं। तुलसी के श्रीराम मयार्दा पुरुषोत्तम हैं और वाल्मीकि के राम मानवीय भावनाओं से ओत-प्रोत संतुलित राम हैं। मयार्दा पुरुषोत्तम राम ने अपने जीवन में एक-एक मयार्दा की पालना की, समाज के सम्मुख आदर्श रखे। पुत्र, पिता, भाई, पति, राजा, मित्र तमाम स्वरूपों में मानवीय भावनाओं के संतुलक राम सिर्फ भारत के ही आदर्श नहीं है बल्कि पूरे विश्व के लिए आदर्श रूप में अनुकरणीय हैं। प्रभु श्रीराम का जीवन आम जीवन से जुड़ा जीवन है, वह सबको चमत्कृत नहीं अपितु आकर्षित करता है। पत्नी के अपहरण पर भी समाज से सहयोग मांगा और संघर्ष किया। तो उसे वापस पाने के लिए मिल-बैठकर नीति बनाई। लंका जाने के लिए एक-एक पत्थर जोड़कर पुल बनाया। एक कुशल प्रबन्धक की तरह लौटे तो पूरी सेना के साथ लौटे, एक साम्राज्य निर्माण की आकांक्षा से लबरेज रामराज की कामना के साथ। राम अगम है सगुण हैं निर्गुण है। कहत कबीर 'निर्गुण राम जपहुं रे भाई।'

श्रीराम के चरित्र में पग-पग पर मयार्दा है, त्याग है, प्रेम है और लोक व्यवहार का साक्षात्कार है। राम मानवता में मथे महापुरुष हैं। राम लोकतंत्र के लोकपाल हैं, सबके प्रेरक हैं और समाज के सह-निमार्ता हैं। राम के आदर्शों का जनमानस पर इतना गहरा प्रभाव तब ही संभव हो भी पाया। श्रीराम से भारतीय समाज सदैव सार्थकता पाता रहा है। भारत का आम जन-जीवन युगों-युगों से राम के दृष्टिकोण के साथ जीवन के संदर्भों-स्थितियों-परिस्थितियों-मनःस्थितियों-घटनाओं और प्रघटनाओं को मूल्यांकित करता रहा है। श्रीराम भारतीय समाज की वैचारिक थाती हैं। श्रीराम भारतीय संस्कृति की सतत प्रवाहमान धारा हैं। उनके उग्र स्वरूप के चित्रण में वैसा प्रभाव नहीं है जैसा उनकी

सौम्यता में समाया हुआ है। राम बहुत सहज, सौम्य और सम्मोहक हैं। इसलिए वह सर्वत्र हैं। सबके हैं और सब उनके हैं। रहीम खान-ए-खाना कहते हैं कि ह्यरामचरित मानस हिन्दुओं के लिए ही नहीं मुस्लिमों के लिए भी आदर्श है। तभी उन्होंने लिखा- 'रामचरित मानस विमल, संतन जीवन प्रान, हिन्दुअन को वेद सम, तुरकहिं प्रगट कुरान।'

श्रीराम किसी धर्म, देश, दुनिया की सीमाओं में सीमित नहीं हैं, अपितु वह एक विलक्षण विचार हैं। साहित्य में खुसरो, रसखान, आलम रसलीन, हमीदुद्दीन नागौरी, ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती आदि सब ने राम की काव्य-पूजा की तो किसी ने राम की शक्ति-पूजा की है। तुलसी, कबीर, नानक और रैदास सब राम में रमे रहे। तुलसी कहत 'राम न सकहिं नाम गुन गाहीं।' अर्थात स्वयं 'राम' भी इतने समर्थ नहीं हैं कि वह अपने ही नाम के प्रभाव का गान कर सकें। कबीर कहते है-'राम गुण न्यारो न्यारो। अबुझा लोग कहांलों बूझे, बूझनहार विचारो।'

श्रीराम के गुण बेहद न्यारे हैं। नासमझ लोग उन्हें रटते रहते हैं, कोई समझने की कोशिश ही नहीं करता। गांधी के राम 'रघुपति राघव राजा राम' जब 22 जनवरी, 1921 को आज से लगभग एक सदी पूर्व 'यंग इंडिया' में उन्होंने लिखा, 'मेरे लिए राम, अल्लाह और गॉड सब एक ही हैं।' इसी चिंतनधारा में संत विनोबा भावे जी राम, कृष्ण, बुद्ध को अवतार घोषित किए जाने के प्रश्न पर कहते है 'दरअसल विचार का ही अवतार होता है। लोग समझते हैं कि राम, कृष्ण, बुद्ध, अवतार थे। हमने उन्हें अवतार बनाया है। अवतार व्यक्ति का नहीं विचार का होता है और विचार के वाहन के तौर पर मनुष्य काम करते हैं। युगानुकूल वैचारिकी खड़ी करते हैं। किसी युग में राम के रूप में सत्य की महिमा प्रकट हुई तो किसी में कृष्ण के रूप में प्रेम की, तो कभी बुद्ध के रूप में करुणा की।' भारत की हर एक भाषा में रामकथाएं कही गई हैं।

भारत के बाहर फिलीपाईन्स, थाईलैंड, लाओस, मंगोलिया, साइबेरिया, मलयेशिया, म्यांमार, स्याम, इंडोनेशिया, जावा, सुमात्रा, कम्बोडिया, चीन, जापान, श्रीलंका, वियतनाम सभी में रामकथा के ढेरों स्वरूप मौजूद हैं। इससे स्पष्ट है कि यदि श्रीराम केवल राजा होते, न्यायी होते, सदाचारी होते, धर्म प्रवर्तक होते तो शायद उनकी स्मृति भी कब की क्षीण हो चुकी होती और वह इतिहास बनकर रह गए होते। श्रीराम इतिहास नहीं हैं वह तो हर पल नए निवर्तमान हैं। अपना कोई धर्म-पंथ न चलाते हुए भी धर्म का आदि और अंत हैं। स्थूल रूप में अपने समय में नर-लीला करते हुए भी अतीत नहीं हुए वर्तमान हैं।

मौजूदा दौर का सवाल थोड़ा दुरुह है। क्या राम विचार का विश्राम हैं, तब जब राजनीति के राम जय श्रीराम हैं। इक्कीसवीं सदी की वैचारिक विमाओं में श्रीराम की भूमिका राष्ट्र निर्माण के किस रुप में अवतरित हो? आज यह यक्ष प्रश्न भारतीय चित्त की बड़ी चुनौती है। मौजूदा भारतीय नेतृत्व को नए राष्ट्र संगठक श्रीराम की तलाश है। श्रीराम की प्रतिष्ठा राजनीति से ज्यादा राष्ट्र नीति में निहित है। गंभीर सवाल यही है कि नई पीढ़ी के लिए श्रीराम कैसे हों? नयी सदी के नए दिमागों में श्रीराम की नयी उपमाएं कैसे उगें? मौजूदा चुनौतियों को मानस मंथन की नयी व्याख्याएं कैसे हल करें। जब विश्व मानवता और विज्ञान के विकास का क्रम इतना सहज न रहा हो? क्या नई पीढ़ी का वाल्मीकि के 'श्रीराम' से काम चल जायेगा? या तुलसी, कबीर और रसखान के 'श्रीराम' से सब काम बन जायेगा। आजाद भारत में गांधी, निराला और रामानंद सहित भारतीय राजनीति 'श्रीराम' को कितना भारतीयता के निकट ला पाती है। युवा पीढ़ी की आधुनिकता को कितना श्रीराम समर्थित बना पाती है। आधुनिक श्रीराम और आध्यात्मिक श्रीराम में संतुलन साधने का उद्यम तो नई पीढ़ी के लिए आज नहीं तो कल करना ही होगा। जो जय श्रीराम के जयकारे से आगे बढ़कर हर दिल के हलकारे तक श्रीराम के रंग बिखेर सके। देश का हर जवान उमंगित हो उठे, झूम उठे, गा उठे कि 'होली खेले रघुवीरा, अवध में...'।

नए भारत के ग्लोबल इंडिया के ये वे द्वंद्व हैं, जो नए मुहावरों में श्रीराम को रमना चाहते है। क्या नयी सदी का भूमंडलीय भारत नयी नैतिकताओं और नयी सामूहिकताओं की नयी सामाजिक संहिता की सैद्धांतिकी के साथ नए श्रीराम की रचना करने वाले नए नरेशन को राजनीति के बाहर विस्तारित कर पायेगा। यहीं वह सबसे मौजूं सवाल है जिसके जवाब में श्रीराम युगों-युगों तक भारत के भीतर प्राण संचार करने वाले जन-नायक रहे हैं। श्रीराम का जीवन चरित्र संघर्ष में भी धीरज देता है। घोर नैराश्य में भी साहस और संयम सिखाता है। श्रीराम एक आदर्श व्यक्तित्व के पूरक हैं। श्रीराम का पूरा जीवन ही संघर्षों और आदर्शों से लबालब है। श्रीराम एक आदर्श पुत्र, पति या भाई ही नहीं हैं अपितु भारतीय समाज के लिए मयार्दा हैं। विनय और विवेक के विनायक हैं। लोकतांत्रिक मूल्यों और संयम के संवाहक श्रीराम हैं। एक मर्यादित, संयमित और संस्कारित जीवन की जीवंत झांकी हैं मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम। श्रीराम का राज्य जन सेवा के लिए नीतिकुशल न्यायप्रिय राजा का है। पारिवारिक मूल्यों के लिए निष्ठावान पीढ़ी के संस्कार वाला जीवन श्रीराम का है। वैवाहिक आदर्शता की पराकाष्ठा को परोसते श्रीराम ने पिता के तीन विवाहों के वातावरण में भी सीता सी सती के लिए वियोगी जीवन संघर्ष जारी रखा। यह श्रीराम ही कर सकते हैं।

श्रीराम का यह पारिवारिक व्यवहारिक जीवन-दर्शन भारतीय समाज की रग-रग में रमता है। उनके आदर्श उत्तर से दक्षिण तक सम्पूर्ण भारतवर्ष के जनमानस में जमें हुए है। श्रीराम का तेजस्वी और पराक्रमी स्वरूप भारत राष्ट्र को रक्षित रखता है। असीम क्षमता और अपार शक्ति वाले श्रीराम संयमित और मर्यादित जीवन जीते हैं। सामाजिक, पारिवारिक, लोकतांत्रिक और आध्यात्मिक आह्वान के साथ लोक कल्याण में रत श्रीराम मानवीय करुणा वाले कर्मवीर हैं। तभी तो मानते हैं-'परहित सरिस धर्म नहीं भाई।'

राममनोहर लोहिया कहते हैं गांधी ने भारत को संबोधित करने के लिए श्रीराम का ही सहारा लिया, यह अकारण नहीं है। दरअसल श्रीराम इस राष्ट्र की एकता के प्रवर्तक हैं। गांधी ने श्रीराम को माध्यम बना हिन्दुस्तान के सामने एक मर्यादित तस्वीर रखी, क्योंकि गांधी के राम-राज्य की परिकल्पना में लोकहित सर्वोपरि हैं। भारत की हर नई पीढ़ी राम और रहीम की साझी परम्पराओं के सामाजिक, ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और वैज्ञानिक संदर्भ समझती आयी है। श्रीराम की यह थाती हमारी अमूल्य निधि है और असली ताकत भी। हमारी सामाजिक-राजनीतिक परम्पराओं के समावेशी चरित्र को बनाने में श्रीराम की अद्वितीय भूमिका है। श्रीराम भारत के जन-जीवन में समाए हुए सर्वग्राही नायक हैं। हिन्दू श्रीराम को अपनी उस आध्यात्मिक शक्ति का प्रकाश-पुंज मानते हैं, जिसके सहारे वह हर क्षेत्र में राम-राज्य की स्थापना के व्यावहारिक और अभिनव प्रयोग करते दिखते है। हर भारतवासी की श्रीराम में अगाध श्रद्धा है। श्रीराम भारतीय जीवन को शुरू से अंत तक अजस्र शक्ति स्रोत के रूप में ऊर्जित रखते हैं। श्रीराम उस ऊर्जा स्रोत की तरह भारतीय अस्तित्व मे समाये हुए हैं, जो इस समाज को बार-बार संभालता है और लोक-कल्याण की दिशा में प्रेरित रखता है। यहां हर घर में श्रीराम रमण करते है, घट-घट में श्रीराम बसते हैं।

(लेखक,स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

उसने मां की ममता को शर्मसार कर दिया

हिंसा से सराबोर मध्यपूर्व एशिया, अयोध्या में राममंदिर और धीरे-धीरे गर्मा रही लोकसभा चुनावों की राजनीति से जुड़ी खबरों के बीच एक खबर ऐसी भी आई जिसने सामाजिक मूल्यों के ताने-बाने को हिलाकर रख दिया। बैंगलोर की एक उच्च शिक्षित महिला आईटी प्रोफेशनल सूचना सेठ ने गोवा में अपने 4 साल के मासूम बच्चे की नृशंस हत्या कर दी। 39 वर्षीय हार्वर्ड शिक्षित डेटा साइंटिस्ट और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एथिक्स एक्सपर्ट सूचना सेठ बैंगलुरू स्थित स्टार्टअप कंपनी माइंडफुल एआई लैब की फाउंडर और सीईओ हैं। आरोप है कि वे अपने चार साल के बेटे को लेकर बेंगलुरू से गोवा पहुंचीं और वहां एक होटल में मासूम बेटे को मौत के घाट उतार दिया। हत्या के बाद रात करीब दस बजे सूचना ने होटल स्टाफ से तुरंत बेंगलुरु के लिए टैक्सी बुक कराने कहा। स्टाफ ने बताया कि टैक्सी न सिर्फ मंहगी पड़ेगी, वक्त भी ज्यादा लगेगा लिहाजा फ्लाइट बेहतर होगी। सूचना ने टैक्सी से जाने पर ही जोर दिया और पता भी नहीं चलने दिया कि उसने ऐसे किसी अपराध को अंजाम दिया है। वह सिर्फ एक बड़ा बैग लेकर चुपचाप होटल से चेकआउट कर गई। होटल स्टाफ ने बच्चे के बारे में पूछा, तो कह दिया कि वह एक रिश्तेदार के घर ठहरा है। अगले दिन रूम सर्विस स्टाफ को सफाई के दौरान खून की कुछ बूंदे दिखीं। घबराए होटल स्टाफ ने पुलिस को फोन कर अनहोनी की आशंका जताई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज चेक किए और साफ हो गया कि महिला के साथ बच्चा होटल में आया तो था, लेकिन बाहर नहीं गया। पुलिस ने सूचना को ले जाने वाली टैक्सी के ड्राइवर का नंबर हासिल किया और उससे कहा कि कार में बैठी मैडम से बात कराएं। पुलिस का पहला सवाल था, आपका बेटा कहां है? सूचना ने कहा कि वह गोवा में रिश्तेदार के घर पर है और बेझिझक एक पता भी पुलिस को बता दिया जो तस्दीक करने पर फर्जी निकला। बिना देर किए पुलिस ने जरूरी कार्यवाही की और महिला कर्नाटक के चित्रदुर्ग इलाके के पास गिरफ्तार कर ली गई। बैग की तलाशी बच्चे का शव भी बरामद हो गया। प्रथमदृष्टया इस जघन्य हत्या के पीछे का कारण तलाक से उपजा तनाव माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल की सूचना सेठ ने केरल के वेंकट रमन से 2010 में विवाह किया था। 2019 में बेटा हुआ। अगले साल ही पारिवारिक विवाद होने लगे। मामला कोर्ट पहुंचा और तलाक हो गया। मां को बच्चे की कस्टडी मिल गई मगर कोर्ट ने यह भी व्यवस्था दी कि पिता बच्चे से हर रविवार को मिल सकता है। कहा जाता है कि मां यह नहीं चाहती थी कि पति बच्चे से मिले। इसलिए वह तनाव में रहने लगी और बच्चे को पिता से मिलने से रोकने के तरीकों पर विचार करने लगी जिसकी परिणति इस जघन्य घटना में हुई। हम इस बात पर संतोष कर सकते हैं कि देश में तलाक की दर विश्व में न्यूनतम है। मगर इन मामलों में लगातार हो रही बढ़ोतरी चिंता का विषय है। फैमिली ला इन इंडिया विषय पर वकीलों की संस्था न्यायाश्रय द्वारा की गई पिछले 10 सालों के आंकड़ों की शोध बताती है तलाकों का आंकड़ा पहले के मुकाबले लगभग दुगनी तेजी से बढ़ रहा है । दिल्ली और मुंबई जैसे महानगरों में तलाक दर 30 प्रतिशत तक पहुंच रही है। मझोले और छोटे शहरों में भी यह समस्या तेजी से पैर पसार रही है। मुख्य कारणों में आधुनिकीकरण, मोबाइल इंटरनेट का अत्याधिक इस्तेमाल, व्यक्तिगत स्वतंत्रता, घटती निर्भरता, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक और पारिवारिक दुर्व्यवहार, बढ़ता मतभेद, वैचारिक मतभेद इत्यादि शामिल हैं। मां की ममता को शर्मसार करने वाली यह घटना सोचने पर मजबूर करती है कि हम कहां आ गए हैं ? एक मां द्वारा अपने मासूम बेटे की हत्या से बुरा और क्या हो सकता है? यह मां और शिशु के बीच सुरक्षा की भावना के सर्वथा प्रतिकूल व्यवहार है और हर सकारात्मक विचार का खंडन करता है। व्यक्तिगत समस्याएं, आर्थिक स्थिति, सामाजिक दशा, विपरीत परिस्थितियां बेशक तनाव बढ़ाते हैं मगर यह तनाव इस हद तक भी जा सकता है कि एक मां अपने मासूम बच्चे के लिए जानलेवा साबित हो जाए?

भारत न्याय यात्रा और देवड़ा का इस्तीफा

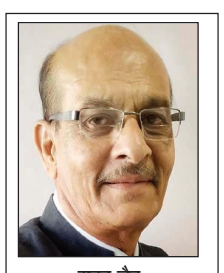

सनत जैन

भारत न्याय यात्रा शुरू होने के ठीक पहले कांग्रेसी नेता, मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। महाराष्ट्र मे 55 साल के वरिष्ठ कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस से इस्तीफा देकर शिवसेना के शिंदे गुट मैं शामिल होने का फैसला किया है। पूर्व सांसद मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस छोड़ दी है।कांग्रेस छोड़ने का कारण यह बताया जा रहा है, कि इंडिया गठबंधन मे सीटों के समझौते में मुंबई दक्षिण की सीट शिवसेना की खाते में जा रही थी। यहां से शिवसेना ठाकरे गुट के सांसद के पास है। पिछले चुनाव में मिलिंद देवड़ा उनसे चुनाव हार गए थे। देवड़ा को कांग्रेस से 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिल सकता था। जिसके कारण उन्होंने कांग्रेस और कांग्रेस की विचारधारा को छोड़कर, जिस राजनीतिक दल जिस व्यक्ति से अभी तक वह लड़ते हुए आ रहे थे। उसी के पास जाने का फैसला कर लिया। पिछले कई दिनों से आशंका व्यक्त की जा रही थी, कि मिलिंद देवड़ा कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जा सकते हैं। मिलिंद देवड़ा और कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के बीच बहुत अच्छे दोस्ताना संबंध भी थे। मिलिंद देवड़ा के पिताजी मुरली देवड़ा ताजीवन कांग्रेस में रहे। उनके निधन के पश्चात राहुल गांधी और सोनिया गांधी परिवार का स्नेह मिलिंद देवड़ा को मिलता रहा है। इस परिवार को कांग्रेस की विचारधारा का परिवार माना जाता है। मिलिंद देवड़ा दक्षिण मुंबई संसदीय सीट से सांसद भी रह चुके हैं। देवड़ा के स्तीफे से स्पष्ट है कि राजनीतिक दलों में अब विचारधारा का कोई स्थान नहीं रहा। सत्ता पाने के लिए नेता कपड़े की तरह राजनीतिक दलों और विचारधारा को बदलने मैं अब कोई परहेज नहीं करते हैं। राजनीतिक दलों का अस्तित्व अब मात्र लाभ और हानि के आधार पर देखा जाने लगा है मिलिंद देवड़ा के इस्तीफा से यह स्पष्ट हो गया है। 2024 में लोकसभा चुनाव होने जा रहा है। उसमें इंडिया गठबंधन की ओर से दक्षिण मुंबई की लोकसभा सीट शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट को मिलना तय था। वर्तमान सांसद शिवसेना ठाकरे गुट के हैं। ऐसी स्थिति में केवल टिकट के लिए मिलिंद देवड़ा ने कांग्रेस छोड़कर शिंदे गुट में जाने का फैसला किया है। शिवसेना में दो फाड़ होने के बाद एक गुट का नेतृत्व उद्धव ठाकरे कर रहे हैं। दूसरे गुट का नेतृत्व एकनाथ शिंदे कर रहे हैं। दक्षिण मुंबई की सीट भारतीय जनता पार्टी समझौते में एकनाथ शिंदे गुट को देने जा रही है। इसी कारण मिलिंद देवड़ा ने एकनाथ शिंदे की पार्टी को ज्वाइन करने का निर्णय लिया है। इसमें भाजपा की भी सहमति बताई जा रही है। मुंबई दक्षिण के मतदाता मिलिंद देवड़ा के कांग्रेस छोड़कर शिंदे गुट में आने को पसंद करते हैं,या नहीं। इसका पता तो लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद ही पता लगेगा। मिलिंद देवड़ा ने ऐसे समय पर कांग्रेस से इस्तीफा दिया है। जब राहुल गांधी मणिपुर से अपनी न्याय यात्रा की शुरू कर रहे थे। मिलिंद देवड़ा के भारतीय जनता पार्टी में जाने के कयास लगाए जा रहे थे। एकनाथ शिंदे का गुट एनडीए और भाजपा का घटक दल है। माना जा रहा है, कि सीटों के बंटवारे को देखते हुए उन्हें राहुल गांधी, जिस दिन से यात्रा शुरू करने जा रहे थे। उसी दिन इस्तीफा देने के लिए उन्हें कहा गया। ताकि राहुल गांधी की भारत न्याय यात्रा मैं पलीता लगाया जा सके। यह पलीता राहुल गांधी के मित्र मिलिंद देवड़ा ने लगा दिया है। जिसके कारण सारे देश में मिलिंद देवड़ा के इस्तीफा की चर्चा हो रही है। इस स्थिति पर इतना तो तय है, कि व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए अब नेता किसी भी हद तक जा सकते हैं। राजनीतिक विचारधारा एवं व्यक्तिगत संबंधों का कोई महत्व अब रिश्तो में नहीं रहा।

इस्लामोफोबिक पश्चिम बनाम भारत में मुसलमानों की स्थिति

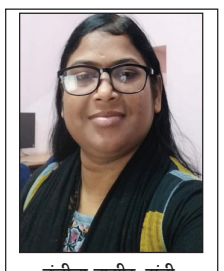

तंज़ीला तासीर-रांची

हाल के वर्षों में, पश्चिमी देशों में इस्लामोफोबिया का बढ़ना एक चिंताजनक प्रवृत्ति बन गया है, खासकर कुछ गुप्त उद्देश्यों वाले संगठनों के इशारे पर, जिससे मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव और पूर्वाग्रह को बढ़ावा मिल रहा है। यह आरोप लगाया गया है कि मुस्लिम व्यक्तियों को केवल उनकी धार्मिक पहचान के आधार पर नौकरी के अवसरों या पदोन्नति से वंचित किया गया था, जबकि अन्य लोगों को यात्रा प्रतिबंध (ट्रम्प प्रशासन द्वारा) और इस्लामोफोबिक बयानबाजी के कारण स्कूलों में बदमाशी और बहिष्कार का अनुभव हुआ। इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल (आई ए एम सी)जैसे पश्चिम आधारित संगठन अक्सर भारत पर इस्लामोफोबिक नीतियों को अपनाने का आरोप लगाते रहे हैं। इससे पश्चिम में इस्लामोफोबिया और भारत में मुसलमानों की स्थिति के बीच तुलना करना जरूरी हो गया है। जबकि भारत में भी सांप्रदायिक घटनाएं देखी गई हैं, पश्चिम में इस्लामोफोबिक भावनाओं और भारत में मुसलमानों के उपचार के बीच तुलना किसी भी औसत भारतीय मुस्लिम द्वारा प्राप्त सुरक्षा और समानता के स्तर को दशार्ती है।

इस्लामोफोबिक पश्चिम के विपरीत, यह तर्क दिया जा सकता है कि भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव संयुक्त राज्य अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों की तुलना में बहुत कम है। यह आंशिक रूप से भारत में मुसलमानों की ऐतिहासिक उपस्थिति और धार्मिक सह-अस्तित्व की लंबे समय से चली आ रही परंपरा के कारण है। इसके अतिरिक्त, भारतीय समाज के सांप्रदायिक सद्भाव और विविधता के प्रति सम्मान पर जोर ने इस्लामोफोबिया को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालाँकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि भेदभाव और पूर्वाग्रह अभी भी मौजूद हैं, जो स्वीकृति और समझ को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयासों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हैं। भारत के धार्मिक सहअस्तित्व का एक उदाहरण लखनऊ शहर है, जो अपनी समृद्ध इस्लामी विरासत और जीवंत हिंदू-मुस्लिम संस्कृति के लिए जाना जाता है। यह शहर कई ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों का घर है, जैसे कि बड़ा इमाम बाड़ा और भूल भुलैया, जो सभी धर्मों के आगंतुकों को आकर्षित करते हैं। स्थानीय लोगों ने इस विविधता को अपनाया है और एक-दूसरे के त्योहारों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं, जैसे हिंदू बिद मनाते हैं और मुस्लिम दिवाली उत्सव में भाग लेते हैं। इस समावेशी वातावरण ने मजबूत अंतर-धार्मिक संबंधों को बढ़ावा दिया है और यह सहिष्णुता और सद्भाव की शक्ति का प्रमाण रहा है।

भारतीय एक-दूसरे की मान्यताओं को समझने और उनका सम्मान करने लगे हैं, जिससे एक ऐसा माहौल बन गया है जहां व्यक्ति भेदभाव के डर के बिना अपनी धार्मिक प्रथाओं को स्वतंत्र रूप से व्यक्त कर सकते हैं। इस सह-अस्तित्व ने न केवल देश के सांस्कृतिक ताने-बाने को समृद्ध किया है, बल्कि शांतिपूर्ण धार्मिक एकीकरण के लिए प्रयास कर रहे दुनिया भर के अन्य समुदायों के लिए एक चमकदार उदाहरण के रूप में भी काम किया है। इस्लामोफोबिया से निपटने में शिक्षा महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, स्कूल और संस्थान इस्लाम और उसके अनुयायियों के बारे में सटीक और निष्पक्ष जानकारी को बढ़ावा देते हैं।

इसके अतिरिक्त, मीडिया आउटलेट्स को रूढ़िवादिता को चुनौती देते हुए और गलत धारणाओं को दूर करते हुए, मुसलमानों का निष्पक्ष और संतुलित चित्रण प्रस्तुत करने का प्रयास करना चाहिए। अंततः, इस्लामोफोबिया के खिलाफ लड़ाई में सभी के लिए अधिक समावेशी और स्वीकार्य समाज बनाने के लिए दुनिया भर में व्यक्तियों, समुदायों और सरकारों के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। जो संगठन भारत में इस्लामोफोबिया की मनगढ़ंत कहानी को प्रचारित करने के लिए पश्चिमी देशों की धरती का उपयोग कर रहे हैं, उन्हें दूसरों की ओर उंगली उठाने से पहले अपने भीतर आत्ममंथन करना चाहिए।

प्रस्तुत लेख मेरी निजी विचार है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऐसी 5 बीमारियां, जिनके कारण डिप्रेशन में आ जाती हैं महिलाएं

महिलाएं अक्सर जिन बीमारियों को चुपचाप सहन करती हैं, इनमें मेनरेजिया (असामान्य रूप से ज्यादा दिनों तक अत्यधिक रक्त स्राव वाला मासिक धर्म), गर्भनिरोधक गोलियों के सेवन से उपजा माइग्रेन और गर्भाशय में ट्यूमर (फाइब्रॉएड) प्रमुख रूप से शामिल हैं। गर्भाशय के ट्यूमर युवतियों या महिलाओं को किसी भी उम्र में हो सकते हैं। गर्भाशय के ट्यूमर निकालने के लिए अनुष्का को पहले मायोमेक्टॉमी नामक सर्जरी की जरूरत थी और बाद में हिस्टेरेक्टॉमी जैसी सर्जरी की।

मायमेक्टॉमी एक ऐसी सर्जरी है, जिसमें गर्भाशय के ट्यूमर को ऑपरेशन के जरिए निकाला जाता है। हिस्टेरेक्टॉमी एक ऐसा ऑपरेशन है, जिसमें महिला के यूट्रस या गर्भाशय को निकाल दिया जाता है। इस कारण से उनमें भविष्य में मां बनने की संभावना खत्म हो जाती है।

मेनरेजिया

लड़कियों या महिलाओं का जब मासिक धर्म सात या इससे ज्यादा दिन का होता है और जब अक्सर बहुत ज्यादा खून जाता है तो इस हालत को मेनरेजिया कहते हैं। स्त्रियों को मेनरेजिया रोग होने के कई कारण हैं, जिनमें एंडोमेट्रियोसिस, एडेनेमायोसिस और यूट्राइन फाएब्रॉइड शामिल हैं।

एंडोमेट्रियोसिस

एंडोमेट्रियोसिस दर्दनाक विकार है, जिसमें सामान्य रूप से किसी स्त्री के गर्भाशय के अंदर की रेखाएं (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय के बाहर बढ़ती है और वे गर्भाशय नलियों (फैलोपियन ट्यूब), अंडाशय (ओवरीज) और शरीर के अन्य अंगों पर विकसित होने लगती हैं। डॉक्टर अब तक यह नहीं जानते कि ऐसा क्यों होता है? भारत की 2.5 करोड़ महिलाएं एंडोमेट्रियोसिस से पीड़ित हैं। अंडाशय वह अंग है जहां पर औरत को मां बना सकने वाले अंडे बनते हैं। अंडे वह, जो स्पर्म (शुक्राणु) के साथ मिलकर बच्चा बना सकें।

एडेनोमायोसिस

इसमें गर्भाशय की सबसे अंदर की रेखाएं (एंडोमेट्रियम) गर्भाशय की भीतरी दीवार (मायोमेट्रियम) के साथ मिल जाती हैं, जिस कारण से पीरियड्स ज्यादा लंबे और तकलीफदेह हो जाते हैं।

यूट्राइन फाएब्रॉइड

गर्भाशय में पनपने वाले ट्यूमर को यूट्राइन फाएब्रॉइड कहते हैं। गर्भाशय फाएब्रॉइड, गर्भाशय में मांसपेशियों के ऊतकों से गैर-कैंसरजन्य वृद्धि है। कुछ महिलाओं के शरीर में गर्भाशय फाइब्रॉएड क्यों बनते हैं, इसका सटीक कारण मालूम नहीं है। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि शरीर में फाएब्रॉइड पनपने की वजह आनुवांशिक या हार्मोनल असंतुलन हो सकती है। डॉक्टर अक्सर मेनरेजिया और गर्भाशय फाएब्रॉइड दोनों को मैनेज करने के लिए जन्म रोकने वाली दवा-गोलियां देते हैं। इन गोलियों में मौजूद एस्ट्रोजन हार्मोन कुछ महिलाओं को तेज सरदर्द और माइग्रेन दे सकता है। अनुष्का शंकर को भी महीने में तीन से चार बार माइग्रेन होता था।

फाएब्रॉइड और मायोमेक्टोमी

गर्भाशय में मौजूद ट्यूमर को निकालने के लिए जो सर्जिकल प्रोसिजर या ऑपरेशन किए जाते हैं, उन्हें मायोमेक्टॉमी कहते हैं। इस ऑपरेशन के दौरान गर्भाशय को किसी प्रकार का नुकसान नहीं होता। अपने ट्वीट में, अनुष्का ने कहा कि 26 साल की उम्र में उनकी एक सफल मायोमेक्टोमी हुई थी। इस ऑपरेशन के बाद उसके दो बेटे पैदा हुए।

ऐसा बहुत कम है, जो हम फाएब्रॉइड के बारे में निश्चित तौर पर कह सकते हैं। पहली बात यो यह है कि शरीर में फाएब्रॉइड कहीं भी दिखाई दे सकते हैं। ये गर्भाशय की बाहरी सतह पर, इसकी दीवार के भीतर, या यह एक छोटे से तंतु के जरिए गर्भाशय की दीवार से जुड़ा होते हैं। फाइब्रॉइड धीरे-धीरे बढ़ सकते हैं या वे कई वर्षों तक छोटे रह सकते हैं और फिर अचानक बढ़ सकते हैं। फाएब्रॉइड की मौजूदगी के लक्षण भी अलग-अलग पेशेंट्स के लिए काफी अलग-अलग हो सकते हैं- बेहद तकलीफदेह पीरियड्स से लेकर रक्त की कमी वाली बीमारी एनीमिया, पीठ के निचले हिस्से में दर्द या तकलीफदेह संभोग जैसी भिन्नताएं देखी जा सकती हैं। हम ऐसी भिन्न स्थितियां बनने के कारणों के बारे में भी कुछ निश्चित कहने की स्थिति में नहीं हैं।

हिस्टेरेक्टॉमी और डिप्रेशन

अपनी सोशल मीडिया पोस्ट में अनुष्का ने लिखा कि हिस्टेरेक्टॉमी के विचार ने उन्हें शॉर्ट-टर्म डिप्रेशन यानी अल्पकालिक अवसाद की हालत में भेज दिया। इस खबर से मेरे मन में कई किस्म के डर थे। जैसे, अपने स्त्रीत्व को लेकर भय, भविष्य में और बच्चे पैदा करने की मेरी संभावित इच्छा, सर्जरी में मरने का डर, मेरे बच्चों को बिना मां के छोड़ने का भय, मेरी सेक्स लाइफ में बदलाव और असर का भय... और भी बहुत कुछ। शोध आधारित एक अनुमान के अनुसार, हिस्टेरेक्टॉमी के दौरान वैश्विक मृत्यु दर एक प्रतिशत है। आंत्र, मूत्राशय या मूत्रवाहिनी को नुकसान, रक्तस्राव, डिम्बग्रंथि विफलता और संक्रमण जैसी जटिलताओं की आशंका भी बनी रहती है। इस संबंध में प्रजनन संबंधी बीमारियों का सामना कर रही महिलाओं का उनके निदान के बारे में उदास महसूस करना आम है। उन्होंने आगे स्पष्ट किया, भारत ही नहीं, पूरी दुनिया में ही हिस्टेरेक्टोमी को लेकर ऐसी धारणा है। हमें यह समझना होगा कि यह एक चिकित्सा प्रक्रिया है, जो महिलाओं का जीवन बचा सकती है। महिलाओं पर निश्चित तरीके से रहने और एक निश्चित तरीके से चीजों को देखने के लिए बहुत दबाव है।

रेसिपी

शीर खुरमा

सामग्री

- सेंवई:100 ग्राम
- घी: 1 टेबलस्पून
- दूध: 3 लीटर
- शक्कर: 250 ग्राम
- पिसा हुआ चावल: 10-12 टेबलस्पून
- हरी इलायची के दाने पिसे हुए: 4-5
- 1 कप मिल्क पाउडर
- खारक रातभर पानी में भिगोकर रखे :100 ग्राम
- बादाम बारीक कटे हुए: 50 ग्राम
- किशमिश: 50 ग्राम
- पिस्ता: 50 ग्राम
- नारियल के बारीक कतले: 50 ग्राम
- केवड़ा: 1 टेबलस्पून

विधि

सबसे पहले इलायची पाउडर, चावल के पाउडर और शक्कर को थोड़े से दूध में घोलकर अलग रखे लें। इसके बाद धीमी आंच पर घी गर्म करके उसमें सेंवईयों को सुनहरा भूरा होने तक भूनें। सेंवईयों के भूरा होने पर उसे एक प्लेट में निकालकर अलग रख दें। अब एक बर्तन में दूध उबाल लें। उबलते दूध में इलायची पाउडर, शक्कर और पिसा हुआ चावल डालकर दूध को मध्यम आंच पर गाढ़ा होने तक उबालें हुए बीच-बीच में चलाते रहें। अब इसमें खारक, बादाम, किशमिश, पिस्ता, नारियल और सेंवई डाल दें। सेंवई के नर्म होने तक पकाएं। सेंवईयों के पकने पर उसे आंच से उतारकर उसमें केवड़ा की कुछ बूंदे डालकर ड्रायफ्रूट्स से सजाकर मेहमानों को सर्व करें।

बूंदी के लड्डू

सामग्री

- दरदरा पिसा हुआ बेसन: 3 कटोरी
- चीनी: 2 कटोरी
- इलायची पाउडर: 1 छोटा चम्मच
- केसर: 5-6 लच्छे
- मीठा पीला रंग: चुटकी भर
- दूध: पाव कप
- तलने के लिए देसी घी

विधि

बूंदी के लड्डू बनाने के लिए सबसे पहले बेसन को छानकर उसमें चुटकी भर मीठा पीला रंग मिला लें। अब इसमें पानी डालकर इसका घोल तैयार कर लें। अब एक बर्तन में पानी और चीनी डालकर उसकी एक तार की चाशनी तैयार कर लें। चाशनी में थोड़ा-सा पीला रंग और केसर हाथ से मसलकर डाल दें। थोड़ी देर बाद इसमें पिसी इलायची मिला दें। एक कड़ाही में घी गर्म करके छेद वाली स्टील की चलनी की सहायता से सारे घोल की धीरे-धीरे करके बूंदी बनाते जाएं। अब इस बूंदी को चाशनी में डाल दें। जब बूंदी पूरी तरह चाशनी पी लें, तब हाथ पर हल्का-सा घी या पानी लगाकर हल्के से दबाते हुए सभी बूंदी के लड्डू तैयार कर लें। घर पर तैयार किए गए इन खास लड्डूओं से भोग लगाएं।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-8-9

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। शुभांक-5-6-7

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-2-5

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। शुभांक-1-8-9

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-6-8

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-6-8-9

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-4-5-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। शुभांक-5-6-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। शुभांक-6-7-8

मकर मे जा जी खी खू खे खो गा गी

लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-5-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शुभांक-1-6-7

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। शुभांक-3-5-7

काकुरो पहेली - 3065

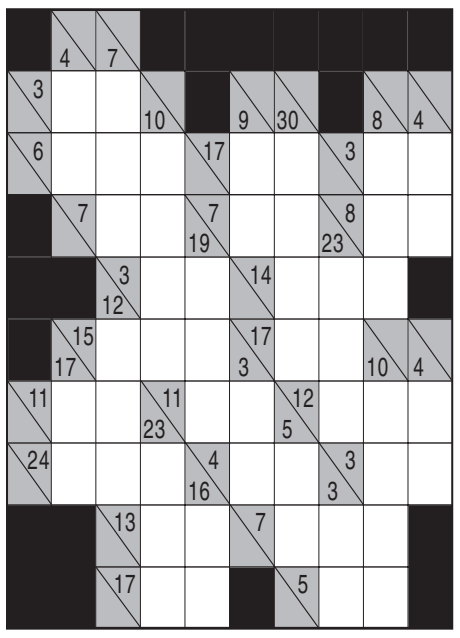

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3064 का हल

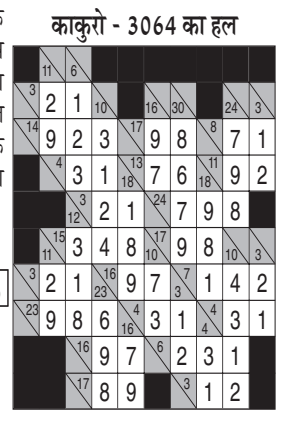

हंसी के फव्वारें

एक बूढ़ा समाज सुधारक जेल में बंद युवक चोर को देखकर बोला-'बेटे! तुम किसी बात की परवाह मत करो.जेल से बाहर निकलोगे तो मैं तुम्हारा पथ-प्रदर्शन करूंगा.'

'ठीक कहते हैं आप !' युवक चोर धीरे से बोला-'दरअसल मुझसे भूल हो गई थी जो आप जैसे बुजुर्गों के पथ-प्रदर्शन के बिना ही इस रोजगार में लग गया.'

□ □ □

एक डाक्टर के पास एक वकील बैठा हुआ था. तभी एक औरत ने आकर डाक्टर से कोई सलाह ली और चली गई. उसके जाने के बाद डाक्टर ने वकील से पूछा-'क्या मुझे इससे कुछ लेना चाहिये ?'

'क्यों नहीं !' वकील बोला-'आखिर तुमने उसे अपनी व्यापारिक सेवाएं प्रदान की हैं.'

'मैं ऐसा ही करूंगा !' डाक्टर बोला.

वकील चला गया. फिर अगले दिन डाक्टर जैसे ही बिल बनाने के लिये मेज पर पहुँचा, उसकी नजर एक बिल पर पड़ी. लिखा था-'कानूनी सेवाओं की फीस तीस रुपये.' नीचे वकील का नाम और पता लिखा हुआ था.

□ □ □

महिला-'सुना है आप के सिर में गोबर भरा है.'

आदमी-'जी हाँ पर क्यों ?'

महिला-'जी मुझे गोबर गैस कनेक्शन लेना है.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3065

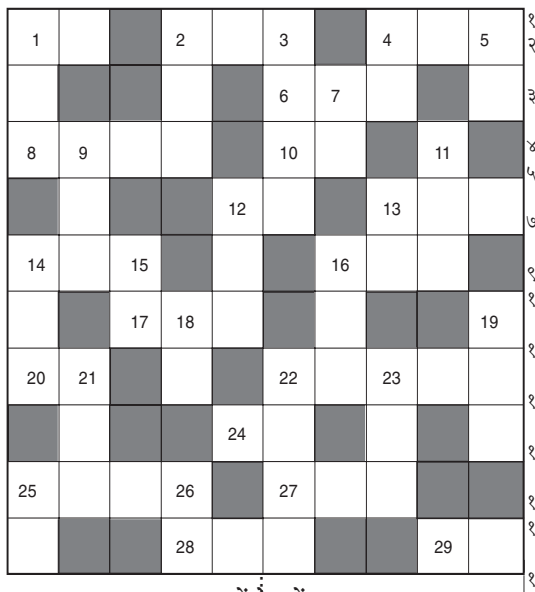

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धर्मेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, स्वीना की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3064

ध	ड़	क	न		को		सें	स	र
मी		र्ज		मो	ह	रा		द	
	कं		आ		रा	ज	कु	मा	र
अ	प	ना	प	न			ली		न
	नी		की		ओ	म		हि	
चे		ता	क	त		म	हा	रा	जा
त	ब्बू		स		दा	ता		स	
ना		प्रे	म	रे	ग		सौ	त	न
	द	म		श		स	दा		ग
म	र्द		जा	न	व	र		हे	मा

सूडोकु -3065

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3064 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

शब्द पहेली - 3065

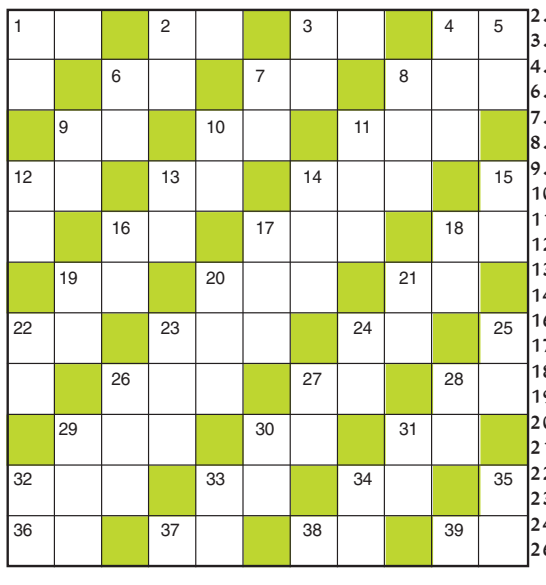

बाएँ से दाएँ

1.कार्य,काम-2
2.अग्नि,अनल-2
3.संग,संगत-2
4.मदिरा,शराब-2
6.चुटीली बात-2
7.उम्मीद-2
8.समाचार,सूचना-3
9.भगवान कृष्ण के खेल-2
10.छाया,परछाई-2
11.कहासुनी-3
12.जी,चित-2
13.निशा-2
14.पासों का खेल-3
16.करीना की फिल्म-2
17.आगे वाला-3
18.सीधा,सरल-2
19.वीर,बहादुर-2
20.दलदल,गाद-3
21.तांत,टेलीग्राम -2
22.वंश,खानदान-2
23.नशा,नशापानी-3
24.चिट्ठी,पत्र-2
26.सही का विलोम-3
27.ठिकाना-2
28.प्राण,दम-2
29.नरक (उर्दू-3)
30.बीता हुआ दिन-2
31.पोखर,तालाब-2
32.हताहत-3
33.दर,मूल्य-2
34.आयु-2
36.अंधकार-2
37.पांव,पैर-2
38.कान्हा-2
39.टैक्स,हाथ-2

ऊपर से नीचे

1.समय,वक्त-2
2.आगमन-2
3.पति की मां-2
4.भोर,सवेरा-3
5.झगड़ा-2
6.लॉक,द्वारयंत्र-2
7.धाय,नर्स,दाई-2
8.अवरोध,रुकावट-3
9.मगन,मग्न-2
10.सप्त,सप्तम-2
11.लक्ष्मी,रमा-3
12.मौज,मजा-2
13.महाराजा-2
14.घिसन,रगस-3
15.गमन,जाना-2
16.पुनः,वापस-2
17.स्थिर-3
18.निष्कर्ष-2
19.कांटा-2
20.मूल्य,दाम-3
21.पितामह-2
22.मजदूर-2
23.ईश्वर-3
24.भूल,गलती-2
25.मछली-2
26.नगमा-3
27.क्षण-2
28.पाश-2
29.दूसरा-3
30.थोड़ा-2
31.तांबा-2
32.हमला-2
33.कलंक-2
34.गरम-2
35.मयूर-2

शब्द पहेली -3064 का हल

क	फ		ज	प		त	न		शा	न
प	त	न		ल	त		भ	ला		शा
	वा	न	र		म	ल		ज	रा	
फि		द	म	न		क	द		ज	न
दा	दा		ल	क	वा		म	स्त		ख
	न	या		ल	च	क		र	थ	
रा		क	ल		क	ल	म		ल	ब
ही	र		ह	र		ह	म	ल		ल
	स	जा		जा	ल		ता	ड़	ना	
य		म	त		व	ध		ना	का	रा
म	य		ल	क्ष्य		न	ल		म	जा

टी20 विश्वकप को देखते हुए आईपीएल में प्रदर्शन रहेगा अहम : शिवम

इंदौर (एजेंसी)। हरफनमौला खिलाड़ी शिवम दुबे ने कहा कि इस साल जून में वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम की तैयारियों में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप के बाद भारत ने केवल चार टी20 मैच खेले हैं। जून में वैश्विक आयोजन से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ इस प्रारूप में दो और मैच खेले जाने हैं।

दुबे ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की श्रृंखला के दूसरे मुकाबले से पहले कहा, 'यह (आईपीएल) हम सभी के लिए काफी महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि केवल दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच बचे हैं। आईपीएल एक बड़ा मंच है और आप इसमें अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो आपको राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का मौका मिलता है।' उन्होंने कहा, 'टीम की योजना और संयोजन पर काम हो रहा है। हम जितना अधिक टी20 खेलेंगे, उतना ही इसे बेहतर ढंग से समझ पाएंगे।'

दुबे खुद भी टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में बने हुए हैं। उन्होंने इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि वह बहुत आगे के बारे में नहीं सोच रहे हैं और अपना ध्यान आने वाले मैचों पर दे रहे है। उन्होंने कहा, 'टीम में खेलने वाले किसी भी खिलाड़ी का लक्ष्य विश्व कप खेलना होता है। मेरे मन में विश्व कप खेलना निश्चित रूप से है, लेकिन यह अभी बहुत दूर है। अभी, मेरा लक्ष्य कल के मैच में अच्छा करना है।'

उन्होंने कहा, 'पिछले मैच में मैंने अच्छा प्रदर्शन था और अब अगले मैच में उससे भी बेहतर प्रदर्शन करने का लक्ष्य है। दुबे ने श्रृंखला के पहले मैच में हरफनमौला प्रदर्शन से मैन ऑफ द मैच हासिल किया था। उन्होंने नौ रन देकर एक विकेट चटकाने के साथ 40 गेंद में नाबाद 60 रन की पारी खेल भारत को जीत दिलाई थी।

मलेशिया ओपन 2024: फाइनल में हारे सात्विक-चिराग, अब इंडिया ओपन में दिखाएंगे दम

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी रविवार को यहां मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल के फाइनल में चीन के लियांग वेई केंग और वांग की विश्व में नंबर एक जोड़ी से संघर्ष पूर्ण मुकाबले में हार गए और इस तरह से उन्हें उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। दोनों जोड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया लेकिन एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहला गेम जीतने और निर्णायक गेम में 11-7 की बढ़त का फायदा नहीं उठा पाई और आखिर में उन्हें लियांग और वांग से 21-9, 18-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा।

सात्विक ने मैच के बाद कहा,''हमें खुशी है कि आखिर में हम किसी टूर्नामेंट में खेल पाए लेकिन थोड़ी निराशा है क्योंकि हम दबाव झेलने में नाकाम रहे।'' उन्होंने कहा,''मैच जब निर्णायक मोड़ पर था तब हम पर उनकी तुलना में अधिक दबाव था और हमने गलतियां की। उन्होंने हालांकि हम पर दबाव बनाए रखा। उम्मीद है कि अगली बार हम उनसे बदला चुकता करने में सफल रहेंगे।'' भारतीय जोड़ी की लियांग और वांग के हाथों यह चौथी हार है। यह दोनों जोड़ियां पिछले साल चार बार आमने-सामने थी जिनमें चीन की जोड़ी तीन मुकाबले जीतने में सफल रही थी। सात्विक और चिराग ने इस बीच केवल कोरिया ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में अपनी इस प्रतिद्वंद्वी टीम को हराया था। सात्विक और चिराग ने पहले गेम में शुरू से अपना दबदबा बना दिया था और इंटरवल तक उसको सातअंक की बढ़त हासिल थी।

भारतीय जोड़ी ने इसके बाद भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखा और पहला गेम आसानी से अपने नाम किया। चीन की जोड़ी ने हालांकि दूसरे गेम में अच्छी वापसी की और उसने 8-2 से बढ़त हासिल कर ली। लियांग और वांग इंटरवल तक 11-6 से आगे थे। भारतीय जोड़ी ने वापसी की कोशिश में कुछ गलतियां भी की जिसका फायदा उठाकर चीन की जोड़ी ने यह गेम जीत कर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सात्विक और चिराग ने तीसरे और निर्णायक गेम में शानदार शुरुआत की और एक समय वह 10-3 से आगे थे। लियांग और वांग ने पहले स्कोर 12-12 से बराबर किया और फिर पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने चार चैंपियनशिप प्वाइंट हासिल किये, जिनमें से भारतीय खिलाड़ी केवल एक का ही बचाव कर पाए। सात्विक और चिराग अब मंगलवार से नई दिल्ली में शुरू होने वाले इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भाग लेंगे।

जोकोविच का मैसेज देखकर हैरान थे कोहली, विराट ने स्टार टेनिस खिलाड़ी से दोस्ती की बातें साझा की

ऑकलैंड (एजेंसी)। इंदौर (ईएमएस) भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली को टेनिस स्टार नोवाक जोकोविच का एक संदेश मिला है जिसके बाद से ही वह उत्साहित हैं। विराट ने इस संदेश पर खुशी के साथ ही हैरानी भी जतायी है। इन दोनो दिग्गजों के बीच दोस्ती की शुरुआत सोशल मीडिया पर हुई थी। उन्हें हालांकि यह देखकर आश्चर्य हुआ कि इस टेनिस स्टार ने पहले से ही उन्हें संदेश भेजा था। कोहली ने सोशल मीडिया में जारी एक वीडियो में कहा, 'मैं नोवाक के साथ बहुत ही व्यवस्थित तरीके से संपर्क में आया, मैं एक बार इंस्टाग्राम पर उनकी प्रोफाइल देख रहा था। मैंने बस उन्हें अभिवादन करते हुए एक संदेश भेज दिया। उन्होंने कहा, 'जब मैं उनके लिए संदेश लिख रहा था तब मुझे यह देख कर आश्चर्य हुआ कि मेरे इनबॉक्स में पहले से ही उनके अभिवादन का एक संदेश था। मैंने हालांकि कभी इसे पढ़ा नहीं था। मैंने संदेश देखने के बाद फिर से प्रोफाइल की जांच की कि कहीं यह फर्जी तो नहीं।

इसके बाद, 'मैंने इसकी दोबारा जांच की और यह सही पाया गया। इसके बाद हम बात करने लगे। हम समय-समय पर संदेशों का आदान-प्रदान करते रहते हैं। मैंने उन्हें उनकी सभी अद्भुत उपलब्धियों के लिए बधाई दी। हम दोनों इसके बाद नियमित रूप से दूसरे को उनकी उपलब्धियों पर बधाई संदेश देने लगे। कोहली ने जब एकदिवसीय में अपना 50वां शतक लगाया था तब जोकोविच ने भी उन्हें सोशल मीडिया पर बधाई दी थी। कोहली ने कहा, 'हाल ही में जब मैंने अपना 50वां शतक पूरा किया, तो उन्होंने मुझे बधाई संदेश भी भेजा। यह आपसी प्रशंसा और सम्मान की बात है। कोहली ने कहा कि अगर उन्हें जोकोविच से मिलने का मौका मिला तो वह सर्बिया के इस खिलाड़ी के साथ कॉफी पीना चाहेंगे।

दहाई अंक का आकड़ा भी नहीं छू सके आठ बल्लेबाज, न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को दूसरे टी20 में हराया

हैमिल्टन (एजेंसी)। फिन ऐलन की 76 रनों की अर्धशतकीय पारी और उसके बाद ऐडम मिल्न के चार विकेट की बदौलत न्यूजीलैंड ने रविवार को दूसरे टी-20 मुकाबले में पाकिस्तान को 21 रनों से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-0 की बढ़त बना ली हैं।

195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके दोनों सलामी बल्लेबाज सईम अयूब एक रन और मोहम्मद रिजवान सात रन बनाकर दूसरे ही ओवर में पवेलियन लौट गए है। इसके बाद बाबर आजम और फखर जमान ने पाकिस्तान की पारी को संभाला। बाबर आजम ने सात चौकों और दो छक्कों की मदद से 43 गेंदों में 66 रनों की पारी खेली। आजम का सियर्स ने साउदी के हाथों कैच आउट कराया।

वहीं जमान ने तीन चौकों और पांच छक्कों की मदद से 25 गेंदों में 50 रन बनाए। उन्हें मिल्स ने बोल्ड आउट किया। कप्तान शाहीन शाह अफरीदी 13 गेंदों में 22 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मिल्स ने साउदी के हाथो कैच आउट कराया। पाकिस्तान के आठ बल्लेबाज दहाई अंक का आकंड़ा भी नहीं छू सके और पूरी टीम 19.3 ओवर में 173 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से ऐडम मिल्न ने चार विकेट लिए। टिम साउदी,बेन सियर्स और ईश सोढ़ी ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया।

इससे पहले टॉस जीतकर पाकिस्तान ने क्षेत्ररक्षण का फैसला किया है। बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड ने फिन ऐलन के सात चौके और पांच छक्के की मदद से 41 गेंदों में 76 रन, विलियमसन के 26 रन और सैंटनर की 25 रनों की तूफानी पारी की बदौलत आठ विकेट पर 194रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। ऐलन और डेवन कॉन्वे की सलामी जोड़ी अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 59 रनों की साझेदारी की।

छठें ओवर में जमाल ने डेवन कॉन्वे 20 को जमान के हाथों कैच आउट कराकर न्यूजीलैंड को पहला झटका दिया। उसके बाद कप्तान केन विलियमसन 26 रन बनाकर रिटायड हट हो गये। डैरिल मिचेल 17 रन, ग्लेन फिलिप्स 13रन बनाकर आउट हुये। मिचेल सैंटनर ने तीन चौके और दो छक्कों की मदद 13 गेंदों में 25 रन बनाये। वह 20वें ओवर में रन आउट हुये। टीम साउदी पांच रन बनाकर और बेन सियर्स एक रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 194 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से हारिस रउफ ने तीन विकेट लिए। अब्बास अफरीदी को दो विकेट मिले। आमेर जमाल और उसाम मीर ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

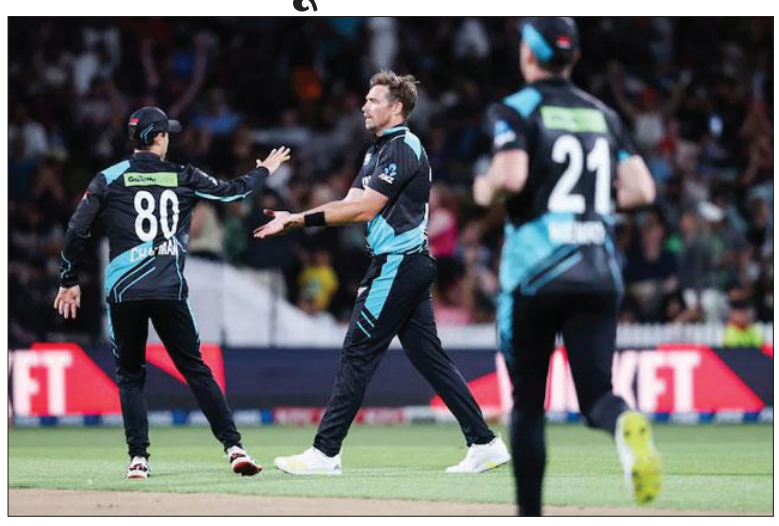

ऑस्ट्रेलिया ने एशियाई कप फुटबॉल में भारतीय पुरुष टीम को 2-0 से हराया

अल रेयान। जैक्सन इरविन ओर जोर्डन ब्रोस के गोलों से ऑस्ट्रेलिया ने एशियाई कप फुटबॉल मुकाबले में भारतीय पुरुष टीम को 2-0 से हरा दिया। इस मैच में शुरुआती 50 मिनट तक कोई टीम गोल नहीं कर पायी लेकिन इसके बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम ने दो गोल दाग दिये। जैक्सन ने 50वें और जोर्डन ने 73वें मिनट में गोल कर अपनी टीम की जीत पक्की कर दी। वहीं भारतीय टीम अपनी विरोधी को टक्कर देने में विफल रही। टीम के कोच इगोर स्टिमक ने हालांकि कहा कि खिलाड़ियों ने शुरुआत में बेहतरीन डिफेंस का प्रदर्शन करते हुए विरोधियों को कोई अवसर नहीं दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम दूसरे हाफ के पांच मिनट बाद ही गोल कर पायी।

शॉन मार्श ने बिग बैश से भी संन्यास लिया

सिडनी । दिग्गज ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज शॉन मार्श ने अब ऑस्ट्रेलियाई टी20 लीग बिग बैश को भी अलविदा कह दिया है। शॉन ने अपनी टीम मेलबर्न रेनेगेड्स के प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाने के तत्काल बाद ही अपनी संन्यास की घोषणा कर दी। शान ने पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। वहीं इससे पहले एरोन फिंच ने भी संन्यास की घोषणा की थी। शॉन ने फिंच के अंतिम मैच में 64 रन बनाये थे। टीम ने मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ हुए इस मुकाबले में 6 विकेट की जीत हासिल की थी। शॉन की टीम का प्रदर्शन इस बार बिग बैश में अच्छा नहीं रहा और वह अंक तालिका में सातवें नंबर पर रही है। टीम के प्लेऑफ से बाहर होते ही मार्श ने खेल को अलविदा कहा। मेलबर्न रेनेगेड्स की टीम ने इस सत्र में 9 मैच खेलकर केवल 2 जीत ही हासिल की है। 6 में टीम को हार मिली है जबकि उसका एक मुकाबला ड्रॉ रहा।

मौजूदा बिग बैश सत्र की बात करें तो पांच मुकाबले खेलकर मार्श ने 45.25 की औसत के साथ कुल 181 रन बनाए हैं। इसमें उनके नाम तीन अर्धशतकीय पारी शामिल रही। आखिरी मुकाबले में उनके बल्ले से 64 रन की पारी देखने को मिली। मार्श ने अपने करियर की शुरुआत वेस्टइंडीज के दौरे पर टी20 और एकदिवसीय सीरीज से किया था। इस बल्लेबाज ने अपनी टीम के लिए कुल 38 टेस्ट, 73 एकदिवसीय और 15 टी20 मुकाबले खेले हैं। मार्श ने टेस्ट में 2265, एकदिवसीय में 2773 जबकि टी20 में कुल 255 रन बनाए हैं। 40 साल के मार्श ने कुल 13 शतक और 25 अर्धशतक लगाये हैं।

भारतीय महिला हॉकी टीम की ओलिंपिक खेलने की उम्मीदों को झटका, क्वालीफायर में अमेरिका से हारी

रांची (एजेंसी)। भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर मुकाबले में अमेरिका के हाथों हार का सामन करना करना है। अमेरिका ने भारतीय टीम को 1-0 से हराया। भारतीय टीम ने इस मैच में कई हमले किये पर पर अमेरिकी रक्षापंक्ति को भेद नहीं पायी। भारतीय टीम को 7 पेनल्टी कॉर्नर मिले पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पायी। अमेरिका ने पूल बी के 16वें मिनट में अबीगैल टैमर के गोल से मैच का एकमात्र गोल किया। इस हार से भारत की पेरिस ओलंपिक में प्रवेश की उम्मीदों को झटका लगा है। अब अगले मुकाबलों में उसका सामना और मुश्किल टीम से होगा जिससे जीत दर्ज करना आसान नहीं रहेगा। दोनों टीम के बीच पहले क्वार्टर में मुकाबला करीब-करीब बराबरी का था। पहले क्वार्टर से कुछ मिनट पहले भारत को बढ़त लेने का अच्छा अवसर मिला पर अमेरिकी गोलकीपर ने भारतीय टीम के हमले को विफल कर दिया। वहीं अमेरिका ने दूसरे क्वार्टर में टैमर की बदौलत एक मिनट बाद अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिलायी।भारत को लगातार हमले के कारण तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले पर अमेरिका ने इन्हें विफल कर दिया। पहले हाफ से कुछ मिनट पहले भारत ने दो और अवसर हासिल किये पर इशिका चौधरी और फिर नवनीत कौर के हमलों को अमेरिकी टीम ने रोक दिया। वहीं दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने गेंद अपने कब्जे में रखी पर गोल नहीं कर पायी। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर से 37 सेकेंड पहले एक और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया पर इस बार भी अवसर खो दिया। एक गोल से पीछे होने के बाद भारतीय टीम ने गोल करने के कई प्रयास किये पर वह 7 पेनल्टी कॉर्नर को भी गोल में नहीं बदल पायी जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

धावक उसेन बोल्ट ने फॉर्मूला ई कार स्पोर्ट्स में आजमाया हाथ

मैक्सिको सिटी। महान धावक उसेन बोल्ट ने पिछले साल सबसे तेज फॉर्मूला ई कार का विश्व रिकॉर्ड बनाने वाले 'जेनबेटा' रेसिंग कार पर मेक्सिको ई प्रिक्स से पहले अपना हाथ आजमाया। 'जेनबेटा' ने 218.71 किमी प्रति घंटे की शीर्ष गति के साथ 2023 में गिनीज विश्व रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करवाया था। आठ बार के ओलंपिक चैंपियन को हालांकि इस रेसिंग कार में बैठने में थोड़ी परेशानी हुई छह फीट पांच इंच लंबे बोल्ट ने कहा कि उन्हें कार में बैठने में थोड़ी परेशानी हुई लेकिन जल्द ही इससे सामंजस्य बिठा लिया। उन्होंने कहा, 'वहां जगह काफी कम थी। यह पहली बार था जब कार में बैठने में मुझे इतनी परेशानी हुई। मैं हालांकि इस पल का लुत्फ उठाना चाहता था।'' उन्होंने यहां के 'ऑटोड्रोमो हरमनोस रोड्रिग्ज सर्किट' की ट्रैक पर महज 2.89 सेकंड में 60 मील प्रति घंटे की रफ्तार हासिल कर ली। उन्होंने 4.36 सेकंड में 100 मीटर की दूरी तय की। सौ और 200 मीटर दौड़ के विश्व रिकॉर्डधारी जमैका के इस 37 साल के पूर्व धावक ने कहा, '' यह अलग तरह का अनुभव रहा, ऐसा लगा जैसे इसके पहियों पर रॉकेट लगे हो। कार चलाते समय मुझे आश्चर्य हुआ और इसने मुझे एक अलग एहसास दिया।

पुजारा की टेस्ट टीम में वापसी की संभावनाएं समाप्त हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा की भारतीय टीम में वापसी अब असंभव नजर आती है। हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बाद भी उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ शुरुआती दो टेस्ट मैचों के लिए टीम में जगह नहीं मिलने से साफ है कि अब उनका करियर समाप्त होने की ओर हैं। पुजारा ने अंतिम बार आईसीसी टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में खेला था।

इंग्लैंड क्रिकेट टीम के खिलाफ सीरीज में उनको अपनी वापसी की उम्मीद थी पर चयनकर्ताओं ने उनकी जगह युवाओं पर भरोसा जताया। इससे साफ है कि अब वह टीम की योजनाओं का हिस्सा नहीं रह गये हैं। पुजारा ने रणजी ट्रॉफी में दोहरा शतक लगाया था पर इसके बाद भी वह चयनकर्ताओं को संतुष्ट नहीं कर पाये।

इससे साफ है कि लंबे समय तक भारतीय टेस्ट टीम के मध्य क्रम की जिम्मेदारी संभालने वाले पुजारा का करियर अब अंतिम पड़ाव पर है। पिछले साल टीम से बाहर होने के बाद उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वापसी कर टीम में फिर से आने की दावेदारी पेश करने के लिए पूरी ताकत लगा दी थी। . रणजी ट्रॉफी के पहले ही मुकाबले में उन्होंने झारखंड के खिलाफ नाबाद 243 रन की पारी खेली थी। इस पारी के बाद भी वह चयनकर्ताओं का ध्यान खींचने में असफल रहे। पुजारा ने 103 टेस्ट मैच में 7195 रन बनाये हैं। इसमें 206 रन की नाबाद पारी भी शामिल है। उनके नाम टेस्ट क्रिकेट में 19 शतक और 35 अर्धशतक भी शामिल हैं। अपने कम स्ट्राइक रैट के कारण वह आलोचनाओं के केन्द्र में भी रहे हैं।

अर्जुन देशवाल ने लगाया पीकेएल का 44वां सुपर-10, जयपुर पिंक पैंथर्स ने रोका पुणेरी पलटन का विजय रथ.

जयपुर। पहले हाफ में नौ प्वॉइंट से पीछे होने के बाद मौजूदा चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स ने दूसरे हाफ में शानदार कमबैक करते हुए अपने घर में लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ली। जयपुर पिंक पैंथर्स ने अपने कप्तान अर्जुन देशवाल के शानदार प्रदर्शन के दम शनिवार को यहां जयपुर के सवाई मानसिंह (एसएमएस) इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के 10वें सीजन के 69वें मैच में पुणेरी पलटन को 36-34 से हरा दिया। जयपुर के लिए कप्तान अर्जुन देशवाल ने 16 अंक जुटाए और इस सीजन का आठवां सुपर-10 लगाया। उनके अलावा सुनील कुमार ने अपना हाई-5 पूरा किया। पुणेरी की ओर से कप्तान असलम इनामदार ने आठ अंक लिए। रोमांचक जीत के बाद भी मौजूदा चैंपियन जयपुर पिंक पैंथर्स दूसरे पायदान पर कायम है। टीम के अब 12 मैचों में आठ जीत हो गई है और उसके 48 अंक हो गए हैं। वहीं, पुणेरी पलटन को 12 मैचों में दूसरी हार मिली है। टीम अभी भी 52 अंकों के साथ पहले पायदान पर विराजमान है। टीम ने पिछले नौ मैचों में यह पहली हार है। नंबर-1 और नंबर-2 की इस जंग में सीजन 9 की फाइनलिस्ट जयपुर पिंक पैंथर्स और पुणेरी पलटन की टीम अपनी बेस्ट स्टार्टिंग 7 के साथ मैट पर उतरी। दोनों टीमों के बीच शुरुआती कुछ मिनटों में कड़ा मुकाबला देखने को मिला और इस वजह से वे पहले पांच मिनट तक 5-5 की बराबरी पर थी। अगले ही मिनट में कप्तान अर्जुन देशवाल ने सुपर रेड के साथ जयपुर को तीन प्वॉइंट से आगे कर दिया। पैंथर्स ने अगले पांच मिनट तक भी तीन प्वॉइंट की लीड को कायम रखा।

टीम इंडिया को आगे की चुनौतियों के मद्देनजर तैयार करने के 'मेंटोर' बनना चाहते हैं युवराज

-टीम को मानसिक तौर पर मजबूत बनाने का है इरादा

कोलकाता (एजेंसी)। विश्व कप विजेता नायक युवराज सिंह ने शनिवार को संकेत दिया कि वह भारतीय क्रिकेट टीम को आने वाली चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार करने के लिए भविष्य में 'मेंटोर' की भूमिका निभाना पसंद करेंगे। भारत पिछले साल आस्ट्रेलिया के खिलाफ 2023 विश्व कप फाइनल में हार गया जिससे आईसीसी ट्राफी का उसका इंतजार और बढ़ गया। भारत ने 2013 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तान में चैम्पियंस ट्राफी जीती थी जबकि पिछली विश्व कप जीत 2011 में मिली थी। युवराज ने यहां 'युवराज सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' के उद्घाटन के दौरान कहा, ''मुझे लगता है कि हमने काफी फाइनल खेले लेकिन एक भी नहीं जीता। 2017 में मैं एक फाइनल का हिस्सा रहा जिसमें हम पाकिस्तान से हार गये थे।'' उन्होंने कहा, ''आगामी वर्षों में हमें निश्चित रूप से इस पर काम करना होगा।

बतौर देश और भारतीय टीम के तौर पर दबाव में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। '' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि कुछ चीज की कमी है, जब कोई बड़ा मैच होता है तो हम शारीरिक रूप से तैयार होते हैं लेकिन मानसिक रूप से हमें मजबूत होने की जरूरत है। '' युवराज ने कहा, ''मुझे लगता है कि युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करना, उन्हें सिखाना कि दबाव कैसे झेलते हुए अपना खेल दिखायें। यह चुनौती रही है।

हमारे पास मैच होते हैं और खिलाड़ी जो दबाव में बल्लेबाजी कर सकें लेकिन पूरी टीम को ऐसा करना चाहिए, एक या दो खिलाड़ियों को नहीं। '' उन्होंने कहा, ''मैं मार्गदर्शन करना पसंद करूंगा। आगामी वर्षों में जब मेरे बच्चे बड़े हो जायेंगे, मैं क्रिकेट को वापस देना चाहूंगा और युवाओं को बेहतर होने में मदद करना चाहूंगा। मुझे लगता है कि हम बड़े टूर्नामेंट में काफी मानसिक चुनौतियों का सामना करते हैं। मेरा मानना है कि मानसिक पहलू में मैं भविष्य में इन खिलाड़ियों के साथ काम कर सकता हूं। मुझे लगता है कि मैं इसमें योगदान दे सकता हूं, विशेषकर मध्यक्रम में।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है।

प्रार्थना

जो हमें हमारे पिछले जन्मों के ऋण से उबार सके

आंतरिक शक्ति ही वह आधार है, जो मनुष्य से उसके अपने संबंधों को परिभाषित करती है। यह मानव जीवन का एक विस्मयकारी घटक है, जिस पर हमारी सामान्य सफलता सर्वाधिक निर्भर करती है। यह शक्ति हमारे व्यक्तित्व और दैनिक जीवन के लिए निरंतर संदेश भेज कर प्रभावित करती रहती है। ये संदेश हमें अंतर्ज्ञान, प्रेरणा और मौलिक विचारों के रूप में मिलते हैं।

ये बताते हैं कि अपने विवेक में उदात्त-आत्मा हमसे क्या करना चाहती है। यदि हम इन संकेतों को समझें और उनके अनुसार काम करें, तो हमारा जीवन रचनात्मक हो जाएगा। हम देखेंगे कि जीवन की हर दिशा में सब कुछ अच्छा व सफलतादायक हो रहा है। हम अपने मन को शांत और स्थिर करके इन संदेशों को प्रभावी तरीके से ग्रहण कर सकते हैं। नियमित ध्यान इसका एक अच्छा उपाय है। ध्यान की अवस्था में शक्ति हम से बात कर सकती है और हम उसे सुन सकते हैं। यदि हम उसके निर्देशों का अनुसरण करें, तो यह और भी स्पष्ट रूप से बात करेगी। ध्यान के बाद आंतरिक शक्ति और जीवन के रूपांतरण में विश्वास ही वह तार जो हमें उससे जोड़ता है। जब हम अपने चेतन मन और उस शक्ति के साथ स्पष्ट संपर्क बना लेते हैं, तो परिणाम और भी अच्छे होते हैं, क्योंकि तब हमारी आत्मा हमें ये संदेश अधिक स्पष्ट व प्रभावी तरीके से भेज सकता है। इसके प्रति अविश्वास संपर्क को बिगाड़ता है और कुछ मामलों में तो इसे नष्ट ही कर देता है। तब हम प्रायः अंतश्चेतना के निर्देश के बिना आसानी से भटक जाते हैं, तब परिणाम असफलता के रूप में मिलता है। यदि हम आंतरिक शक्ति की बात सुनें और उसके संदेश का पालन करें, तो भय या चिंता दूर हो जाएगी। हम स्थिर संतुलित हो जाएंगे। जो भौतिक सफलता के बड़े कारक हैं। हम जीवन और मृत्यु दोनों के भय से मुक्त हो जाते हैं। हम जानते हैं कि सब कुछ विवेक से प्रेरित है और परिणाम आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत अच्छा होगा। हम अपनी आंतरिक शक्ति से प्रार्थना करके, उससे बातचीत करके, चर्चा करके अच्छे-अच्छे परिणामों में वृद्धि कर सकते हैं, क्योंकि यह तो हमारे सांस लेने से भी अधिक निकट हैं। तब यह हमें सुनेगी और विवेकपूर्ण प्रत्युत्तर देगी। कुछ लोग इसे ईश्वर से प्रार्थना करना कहते हैं। एक ही बात है, क्योंकि यह चिरंतन अंतश्चेतना है। प्रार्थना करके हम अपने लिए एक नवीन सार्थक भाग्य का निर्माण करते हैं, जो हमारे पिछले जन्मों के ऋण से हमें उबार सके।

नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है और...

- इसमें जल भरकर निम्न मन्त्र का जाप करके इस जल को पीने से हृदय और श्वाससंबधित रोगों से मुक्ति मिलती है
  ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्राय नमः
- अगर आपकी जन्मकुंडली में सूर्य नीच का है या सूर्य खराब फल प्रदान कर रहा है तो प्रत्येक रविवार दक्षिणावर्ती शंख में जल भरकर सूर्य को अर्ध्य दें।
- दक्षिणावर्ती शंख हर घर में अवश्य होना चाहिए इसके बिना लक्ष्मी जी की आराधना पूर्ण नहीं होती।

भारतीय संस्कृति और धर्म में शंख का बड़ा महत्व है। शंख को लक्ष्मीप्रिया, लक्ष्मी भ्राता, लक्ष्मी सहोदर आदि नामों से जाना जाता है। श्री विष्णु जी के चार आयुधों में शंख को भी एक स्थान मिला है। मन्दिरों में आरती के समय शंखध्वनि का विधान है। हर पूजा में शंख का महत्व है। शंख भिन्न-भिन्न आकृति व अनेक प्रकार के होते हैं। शंख संहिता के अनुसार सभी प्रकार के शंखों की स्थापना घरों में की जा सकती है। प्रमुखता से शंखों को तीन भागों में विभक्त किया गया है जैसे

वामावर्ती शंख - वामावर्ती बजने वाले शंख होते हैं उनका मुंह बाईं ओर होता है तथा ये बाईं ओर से खुलते हैं।

मध्यावर्ती शंख - मध्यावर्ती का मुख बीच से खुला होता है। मोती शंख मध्यावर्ती होता है।

दक्षिणावर्ती शंख - दक्षिणामुखी एक विशेष प्रकार का दुर्लभ अद्भुत चमत्कारी शंख दाहिने तरफ खुलने की वजह से दक्षिणावर्ती शंख कहलाते हैं। इस तरह के शंख सहज रूप से सुलभ नहीं हो पाते हैं। आकाश में नक्षत्र मंडल में विशेष शुभ नक्षत्र के प्रभाव से दक्षिणावर्ती शंख की उत्पत्ति समुद्र के गर्भ से होती है। यह शंख अपने चमत्कारी प्रभाव के कारण दुर्लभ व मूल्यवान भी होता है।

- इसकी नित्य आराधना करने से धन की कमी नहीं होती।
- इसमें जल भरकर श्री सूक्त का पाठ करके उस जल को दुकान, आफिस में छिड़कने से व्यापार में बढ़ौतरी होती है।
- इससे पितरों को तर्पण करने से पितृ - दोष की शांति होती है।
- इससे घर की नकारात्मक उर्जा समाप्त होती है।

108 मनकों का रहस्य

श्रद्धा, भक्ति और समर्पण की प्रतीक माला के 108 मनके अपने में गूढ़ अर्थ संजोए हैं। भारतीय मुनियों ने एक वर्ष में 27 नक्षत्र बताए हैं। प्रत्येक नक्षत्र के चार चरण हैं, इस प्रकार 108 चरण होते हैं। माला का एक-एक मोती नक्षत्र के एक-एक चरण का प्रतिनिधित्व करता है। इसीलिए ज्योतिर्विज्ञान में यह संख्या शुभ मानी जाती है। ज्योतिष के अनुसार ब्रह्मांड को 12 भागों में विभाजित किया गया है।

इन 12 भागों के नाम मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन हैं। इन 12 राशियों में नौ ग्रह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु विचरण करते हैं। अत- ग्रहों की संख्या 9 का गुणा किया जाए राशियों की संख्या 12 में तो संख्या 108 प्राप्त हो जाती है। माला के मोतियों की संख्या 108 संपूर्ण ब्रह्मांड का प्रतिनिधित्व करती है।

मन, वचन और कर्म से जो हिंसा आदि पाप होते हैं, वे 36 प्रकार के होते हैं। इन्हें स्वयं करने, दूसरों से कराने तथा करते हुए को सराहने से यह संख्या 36 का तीन गुना यानी 108 हो जाती है। इन 108 पापों (बुरे कामों) से मुक्ति के लिए माला का जप किया जाता है। बौद्ध मत में भी यह संख्या शुभ मानी जाती है। बुद्ध के जन्म के समय 108 ज्योतिषियों के उपस्थित रहने की बात कही जाती है। बौद्ध धर्म में आस्था रखने वाले देश जापान में श्राद्ध के अवसर पर 108 दीपक जलाने की प्रथा है। वस्तुत- माला का उपयोग मन की एकाग्रता के लिए किया जाता है। विद्वानों का मानना है कि जप के माध्यम से मन के मतवाले घोड़े को नियंत्रण में रखा जा सकता है, जिससे अपार भौतिक व आध्यात्मिक उपलब्धियां प्राप्त हो जाती हैं।

माना जाता है कि माला फेरते समय अंगूठे व अंगुलियों के मध्य घर्षण से एक प्रकार की विद्युत उत्पन्न होती है, जो धमनियों द्वारा सीधे हृदय चक्र को प्रभावित करती है। इससे मन स्थिर होता है। यह तभी प्रभावी होता है, जब जप करने वाले के मन का मैल धुला हुआ हो....

पांच पतियों के साथ रहते हुए भी द्रौपदी पतिव्रता कैसे?

पुरूष भले ही कई स्त्रियों से संबंध रखे लेकिन स्त्री का किसी दूसरे पुरूष से संपर्क होने पर उसे गलत नजरों से देखा जाने लगता है। स्त्रियों के लिए नियम बनाया गया है कि वह अपने पति के अलावा किसी अन्य के प्रति अनुराग की भावना मन में नहीं लाए। जो स्त्री ऐसा करती है उसे पतिव्रता कहा जाता है। महाभारत काल में महाराज द्रुपद की पुत्री द्रौपदी का विवाह पांच पुरूषों के साथ हुआ था। पांच पुरूषों के साथ संबंध बनाने के बावजूद द्रौपदी को सीता के समान पतिव्रता कहा गया है।

इसका कारण मात्र एक है कि, द्रौपदी पांचों पुरूषों की व्याहता पत्नी थी। द्रौपदी ने कभी भी अपने पांच पतियों के अलावा किसी और की ओर अनुराग प्रदर्शित नहीं किया। कीचक और जरासंध ने द्रौपदी के मान को भंग करने का प्रयास भी किया लेकिन द्रौपदी ने विषम परिस्थिति में संयम का पालन किया और अपने सतीत्व की रक्षा की।

लेकिन सवाल उठता है कि शक्तिशाली राजा द्रुपद ने पांच पुरूषों के साथ अपनी पुत्री का विवाह करना कैसे स्वीकार किया। इस संदर्भ में कथा है कि महर्षि व्यास ने महाराज द्रुपद को बताया कि दिव्य दृष्टि देकर पांचों पुरूषों यानी पांचों पाण्डवों के पूर्व जन्म का ज्ञान कराया।

द्रुपद ने जाना कि पांचों पाण्डव असल में पांच इन्द्र हैं जो देवताओं के कार्य को पूरा करने के लिए प्रकट हुए हैं। द्रौपदी स्वर्ग की लक्ष्मी हैं जिनका विवाह ब्रह्मा जी ने पांचों पाण्डवों से निश्चित किया है। इस सत्य को जानकर द्रुपद ने पांचों पाण्डवों के साथ द्रौपदी का विवाह कर दिया।

आर्थिक परेशानी के यह कारण हो सकते हैं

धन को आदर दें

संसार का नियम है कि आप जब किसी को आदर देते हैं तभी वह आपके पास ठहरता है। यही बात धन के साथ लागू है। कुछ लोगों की आदत होती है कि वह रूपया गिनते समय खूक लगाकर गिनती करते हैं जो अनुचित तरीका है। ऐसे करने से धन का अपमान होता है।

सोते समय ऐसी गलती नहीं करें

सोना सिर्फ आपके आराम के लिए और शरीर की थकान मिटाने के लिए नहीं है। शास्त्रों में शयन को योग क्रिया कहा गया है जो व्यक्ति के मस्तिष्क और बौद्धिक क्षमता को प्रभावित करता है। इससे आपकी आर्थिक स्थिति भी प्रभावित होती है। जो व्यक्ति धन और देवी लक्ष्मी की कृपा चाहते हैं उन्हें सोने से पहले बिस्तर को अच्छी तरह से साफ कर लेना चाहिए। बेहतर तरीका यह है कि सोने से पहले बिछावन पर साफ चादर बिछा लें। गंदे और अपवित्र स्थान पर शयन करने से नकारात्मक उर्जा का प्रभाव बढ़ जाता है। इससे मन में नकारात्मक विचार आते हैं, शरीर में उर्जा की कमी महसूस होती है।

भोजन का आदर करें

लक्ष्मी का एक स्वरूप अन्न भी है। इस रूप से देवी लक्ष्मी शरीर का पोषण करती है। भारत सहित दुनिया के अनेक देशों में लक्ष्मी के इस स्वरूप की पूजा होती है। इसलिए जब भोजन सामने आए तब उसे आदर पूर्वक प्रसाद समझकर ग्रहण करना चाहिए।

भोजन करते समय पूरा भोजन करने के बाद उठना चाहिए। एक बार उठ जाने के बाद फिर से वही भोजन करना जूठन खाना कहलाता है जिससे लक्ष्मी नाराज होती हैं। भोजन करते समय पैर भोजन की ओर नहीं हो इसका ध्यान रखें। कुछ लोग क्रोध आने पर भोजन की थाली फेंक देते हैं, इस तरह की आदत धन वैभव एवं पारिवारिक सुख के लिए नुकसान दायक होता है।

झाड़ू रखें छुपाकर

झाड़ू का उपयोग भले ही घर की गंदगी साफ करने के लिए किया जाता है लेकिन इसका आपकी समृद्धि में बड़ा ही महत्व है। शास्त्रों में कहा गया है कि झाड़ू को हमेशा छुपाकर रखना चाहिए। ताकि बाहर से आने वाले व्यक्ति की नजर इस पर नहीं जाए। झाड़ू को हमेशा आदर के साथ रखना चाहिए। कभी भी पटकर कर या पैरों मारकर झाड़ू का अपमान नहीं करें। अगर आप किराए के मकान में रहते हैं तो घर बदलते समय झाड़ू को साथ जरूर लेकर जाएं।

ऐसे सिर नहीं खुजाएं

आमतौर पर सिर में खुजाहट होने पर सभी व्यक्ति सिर खुजा लेते हैं। इसमें कुछ बुराई भी नहीं है लेकिन अगर आप अपने दोनों हाथों से सिर में खुजली करना शुरू कर देते हैं तो यही शास्त्रानुसार गलत हो जाता है। दोनों हाथों से सिर खुजाना शुभ नहीं माना जाता है। इससे लक्ष्मी अप्रसन्न होती हैं।

इस समय कंघी नहीं करें

बालों को संवारने के लिए दिन में भले ही आप जितनी बार चाहें कंघी कर लें, लेकिन शाम ढ़लने के बाद कंघी नहीं करें। रात में कंघी करना और सोते समय इत्र लगाना धन के लिए नुकसानदायक माना गया है।

पत्नी और बेटी के साथ ऐसा नहीं करें

पत्नी को शास्त्रों में गृहलक्ष्मी कहा गया है। जबकि बेटी और अविवाहित कन्याओं को देवी का स्वरूप माना गया है। जो व्यक्ति इनका अपमान करते हैं। इन पर हाथ उठाते हैं उनके घर की सुख शांति चली जाती है। धन का क्षय भी लगातार होता रहता है।

ऐसे बढ़ाएं अपना धन

लक्ष्मी की कृपा बनी रहे इसके लिए गैर जरूरी खर्चों पर अंकुश रखें और संचय की आदत डालें। संचय का मतलब सिर्फ बैंक में जमा करना नहीं है। संचय का तात्पर्य है कि अपनी आय से कुछ धन जरूरत मंदों को दान दें। असली संचय इसे कहा गया है। जो व्यक्ति इस प्रकार का संचय करता है उसकी जमा पूंजी में निरंतर वृद्धि होती है।

देव नंदनी चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा संचालित जय नंदनी ब्लड बैंक में हुआ रक्तवीर सम्मान समारोह, डीएम रहे उपस्थित

संवाददाता

अमरोहा। बता दें कि अमरोहा नगर के जोया मार्ग के बाईपास मार्ग पर स्थित नंदनी ब्लड बैंक जो की देव नंदनी चेरिटेबल ट्रस्ट के द्वारा संचालित किया जा रहा है, उसमे आज अमरोहा व आसपास के रक्त वीरों को सम्मानित किया गया इसमें सबसे ज्यादा रक्तदान करने वाले वीरों को स्पेशल ट्रॉफी से सम्मानित किया गया जबकि अन्य रक्त वीरों को भी ट्रॉफी देकर के सम्मानित किया गया , कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के तौर पर अमरोहा जनपद के जिलाधिकारी राजेश त्यागी पहुंचे जिन्होंने रक्त वीरों की होंसला अफजाई की , डीएम राजेश त्यागी ने कहा की आप सभी लोग समाज के लिए प्रेरणादायक हैं क्योंकि आप सभी लोग लगातार रक्तदान करते चले जा रहे हैं उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान होता है इसीलिए उसे महादान कहा गया है उन्होंने कहा कि आप सभी लोगों से अनुरोध है कि आप सभी लोग अपने आप तो लगातार जानकारी

रहे हैं समाज के अन्य लोगों को भी इस महादान के लिए जागरूक करें ताकि किसी का जीवन बच सके , इस अवसर पर देव नंदनी चेरिटेबल ट्रस्ट के सचिव शिव कुमार , ट्रस्टी डॉक्टर श्याम कुमार , महेश फुलोरिया , आदि के साथ साथ रजिस्टर्ड प्रेस क्लब अमरोहा के अध्यक्ष विनीत कुमार अग्रवाल, भाजपा नेत्री प्रीति भड़ाना, गायत्री परिवार से संयोक्ता चौहान , परवाज फाउंडेशन के अध्यक्ष शाहरुख खान, तस्बबूर अजान फाउंडेशन के अध्यक्ष तस्बबूर अजान, भाजपा आई टी सेल जिला संयोजक मनीष कुमार दक्ष, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला अस्पताल के अपर चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर चरण सिंह, डॉक्टर उत्कर्ष अग्रवाल , जिला अस्पताल के डॉक्टर शिव कुमार , आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

समीक्षा सांस्कृतिक मंच ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से किया जागरूक

संवाददाता

अमरोहा। स्पेशल प्रोजेक्ट फॉर एक्विटी के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा स्वीकृति के क्रम में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहयोग से समीक्षा सांस्कृतिक मंच के ग्रुप लीडर प्रेम कुमार के नेतृत्व में बालिका शिक्षा सशक्तिकरण एवं निपुण भारत मिशन योजना के तहत जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत प्रेम नगर कॉलोनी जोया एवं मोहल्ला राजा मस्जिद में नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया गया। नुक्कड़ नाटक के कलाकारों द्वारा निपुण भारत मिशन ,बालिका शिक्षा ,कायाकल्प डीबीटी ,मिड डे मील की योजनाओं के बारे में विस्तार से एक गीत के माध्यम से बताया गया एवं कलाकारों द्वारा यह भी बताया गया कि हम किस प्रकार आसान तरीकों से सरकार की समस्त योजनाओं का लाभ उठा सकते हैं । कार्यक्रम के नोडल प्रभारी योगेश कुमार द्वारा सभी से अपील की गई कि आप अपने बच्चों को प्रतिदिन स्कूल अवश्य भेजें क्योंकि शिक्षा से ही हम सब का विकास हो सकता है। इस अवसर पर सर्वश्री रामपाल सिंह, हीरा सिंह ,अनीस अहमद ,हरिराम जी ,मोहम्मद हारुन मोहम्मद जीशान आदि उपस्थित रहे।

माध्यमिक शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश जनपद अमरोहा का वार्षिक चुनाव संपन्न

संवाददाता

अमरोहा। माध्यमिक शिक्षक संघ उत्तर प्रदेश जनपद अमरोहा का वार्षिक चुनाव भगवत शरण इंटर कॉलेज जोया में चुनाव अधिकारी देशराज सिंह यादव जिला अध्यक्ष बदायूं के दिशा निर्देशन में संपन्न हुआ। इस दौरान अध्यक्ष पद के लिए एक नामांकन गुरनाम सिंह का ,मंत्री पद के लिए तीन नामांकन बालक राम, महिपाल सिंह तथा राम किशोर ने नामांकन किया जबकि कोषाध्यक्ष पद के लिए दो नामांकन भरे गए जिनमें एक के पी सिंह व दूसरा जागन लाल का था। बाद में संगठन हित में मंत्री पद से महिपाल सिंह व राम किशोर ने अपना नामांकन वापस ले लिया। इसी तरह कोषाध्यक्ष पद से भी जागन लाल ने अपना नामांकन वापस ले लिया। अतः तीन नाम अध्यक्ष पद के लिए गुरनाम सिंह, जिला मंत्री पद के लिए बालक राम व जिला कोषाध्यक्ष पद के लिए कृष्ण पाल सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए। इसकी घोषणा चुनाव अधिकारी देशराज सिंह ने की ' चुनाव अधिकारी ने कहा कि संगठन की एकता में ही शक्ति है अगर हम एकजुट रहेंगे तो अपनी उपलब्धियां को बचा सकते हैं इसलिए हमें सबको एक रहना है। प्रदेशीय मंत्री डॉ0 जी0 पी0 सिंह ने कहा कि समूचे जनपद ने एकता का परिचय देकर संगठन को मजबूत करने का काम किया है। संगठित रहकर ही अपनी उपलब्धियों की रक्षा कर सकते हैं। संगठन के बल पर ही पुरानी पेंशन लेकर रहेंगे। आज चुने हुए सभी पदाधिकारियों को बधाई। इस अवसर पर हरिओम शर्मा, मनोज गौड़, डॉ0 राजवीर सिंह, जागन लाल, घुरहू राम, डॉ0 सिद्धार्थ पांडेय, महिपाल सिंह, रामकिशोर, चारु शर्मा, नरेंद्र पाल सिंह, दानिश हबीब खान, हसनैन नवाज, आसिम अब्बासी, एहसान मो0, भूकंन सिंह, विनोद कुमार, प्रेमवीर त्यागी, प्रतिभा यादव, रेखा चौहान, छवि रस्तोगी, छोटे लाल,वरुण कुमार, वृजपाल सिंह, अनिल कुमार, अचिन कुमार, जसपाल, कावेंद्र सिंह, रामबहादुर सिंह, सतपाल, रंजीत कौर, फरहत नरगिस, तिलत फात्मा, सुनीता, ममता, शालिनी, महेश शर्मा, आलोक यादव, सचिन गंधर्व, गुरदीप सिंह, अतुल कौशिक, रुकने आलम, श्रीनारायण, सैदुर्रहमन आदि सैकड़ो की संख्या में शिक्षक उपस्थित थे।

शाहजहांपुर में सड़क हादसे में 3 की मौत

शाहजहांपुर । बीती रात ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालो में एक महिला भी शामिल है। जिसकी अभी शिनाख्त नहीं हो सकी। कार सवार दोनों युवक दोस्त थे। युवक अपने लोन के सिलसिले में शाहजहांपुर आए थे। रात में दोनों युवक कार से घर लौट रहे थे। घने कोहरे के कारण हादसा होना बताया जा रहा है। एक युवक सपा का सक्रिय कार्यकर्ता था। सूचना मिलते ही सपा जिलाध्यक्ष समेत तमाम लोग पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर मृतक के पिता को ढांढस बंधा रहे हैं। वहीं दोनों मृतकों के परिवार ने मरने वाली महिला के बारे में जानकारी होने से इंकार किया है। पुलिस महिला की शिनाख्त कराने की कोशिश कर रही है। थाना बंडा क्षेत्र के गांव रामनगर कालोनी निवासी 35 साल के मयंक तिवारी चिनी मिल में आईटी विभाग में कम्प्यूटर ऑपरेटर थे। उन्होंने बैंक से लोन अप्लाई किया था। लोन के सिलसिले में मयंक पटना गांव के रहने वाले बबलू के साथ शनिवार को शहर आए थे। दिन में काम निपटाने के बाद दोनों लोग कार से वापस घर लौट रहे थे। रात में घना कोहरा होने के कारण पुवायां थाना क्षेत्र के बंडा मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रॉली ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार का ऊपरी हिस्सा अलग हो गया। हादसे के बाद राहगीरों और स्थानीय लोगों ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी थी। पुलिस ने पहले तो स्थानीय लोगों की मदद से कार में बैठे लोगों को निकालने की कोशिश की थी, लेकिन कामयाबी नहीं मिल सकी। उसके बाद क्रेन की मदद से कार को अलग करने के बाद कार में बैठे लोगों को निकाला। कार में एक महिला भी बैठी थी। पुलिस ने मयंक और उसके दोस्त बबलू समेत महिला को सीएचसी पर भेजा। जहां डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया था। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पिता रमेश तिवारी ने बताया कि, मयंक चिनी मिल में जॉब करता था।

कैलास मानसरोवर व तिब्बत आजादी के लिए जन-जन को जोड़ें : रजनीकांत

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। भारत तिब्बत समन्वय संघ के केंद्रीय परामर्शदात्री समिति के सदस्य व पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने कहा कि तिब्बत की आजादी के लिए देश की जनता को कैलास मानसरोवर की मुक्ति के लिए आंदोलन से जोड़ना होगा। रविवार को कुशीनगर में भारत तिब्बत समन्वय संघ की स्थापन दिवस समारोह के उपलक्ष्य में आयोजित विकसित भारत की संकल्पनाः तिब्बत की आजादी विषयक संगोष्ठी में श्री मणि ने बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किये। कहा कि कोई भी देश किसी दूसरे देश पर आधिपत्य के लिए सबसे पहले वहां की सभ्यता व संस्कृति को नष्ट करता है। चीन ने तिब्बत पर कब्जा करने के लिए सबसे पहले

यही किया। वहां का डीएनए बदलने के लिए त्रासदी की शुरूआत कर दी है। शोध प्रभाग के क्षेत्रीय सहसंयोजक मनोज शर्मा ने कहा कि मकर संक्रांति की शुभवेला में संघ की स्थापना हुई। तिब्बत की आजादी के बड़ा आंदोलन खड़ा करने के लिए कैलास मानसरोवर की मुक्ति का अभियान शुरू किया गया गई। इस अभियान में सबको जोड़ने का अभियान शुरू कर दिया गया है। मुख्य संयोजक विजय पांडेय ने कहा जंगल की आग को बुझाने के चिड़िया के सतत प्रयास के जैसा हमारा अभियान साबित होगा कि हमने इस महाअभियान को शुरू करने में अभी भूमिका निभाई थी। संगोष्ठी का संचालन संघ के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष व हनुमान इंटर कालेज के प्रधानाचार्य शैलेन्द्र दत्त शुक्ल ने किया। संगोष्ठी को बौद्धिक प्रभाग की क्षेत्रीय सहसंयोजक डॉ सुनीता पांडेय, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक दिनेश तिवारी, महिला विभाग की जिलाध्यक्ष मीनू जिंदल, प्रतियोगिता प्रभाग की क्षेत्रीय सहसंयोजक कालिंदी त्रिपाठी, सुजीत पांडेय, मंटू बाबा ने संबोधित किया। इस दौरान युवा विभाग के जिलाध्यक्ष के रूप में कवि शिक्षक सुजीत पांडेय के नाम की घोषणा की गयी। इसी क्रम में लेह लदाख से आये सेना में रहे ताशी त्सेरिंग, त्सेरिंग नगेल, पीडब्लूडी से अवकाश प्राप्त नीमा सोनम का स्वागत किया गया। इन्होंने अपने संबोधन में तिब्बत की आजादी व कैलास मानसरोवर की मुक्ति के आंदोलन में सहयोग देने का वचन दिया। जिलाध्यक्ष संजय शुक्ल ने अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान करुणेश द्विवेदी, सत्यकाम पांडेय , रजनीश शुक्ला आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कप्तान ने कहा स्वच्छता अभियान का विशेष ध्यान रखना है : एसएसपी बुलन्दशहर

संवाददाता

बुलन्दशहर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत रिजर्व पुलिस लाइन में पुलिस बल के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण के साथ वृहद स्तर पर साफ सफाई कर किया गया श्रमदान बुलन्दशहर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार द्वारा स्वच्छता अभियान के अंतर्गत रिजर्व पुलिस लाइन प्रांगण मे वृहद स्तर पर समस्त अधिकारी/कर्मचारीगणों के साथ साफ- सफाई कर श्रमदान किया गया तथा रिजर्व पुलिस लाइन मे स्थित विभिन्न शाखा/कार्यालयों में साफ-सफाई का निरीक्षण कर सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । इस दौरान अपर

पुलिस अधीक्षक नगर श्री शंकर प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण रोहित मिश्र, अपर पुलिस अधीक्षक अपराध डा0 राकेश कुमार मिश्र सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहे । वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बुलन्दशहर के निर्देशन में ह्यस्वच्छता अभियानह्न के क्रम में जनपद के सभी थानों, पुलिस चौकियों में पुलिस अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा साफ-सफाई करते हुए श्रमदान किया गया। इस दौरान पुलिसकर्मियों द्वारा थाना कार्यालय, बैरक व परिसर में वृहद स्तर पर साफ-सफाई की गयी।

कानपुर में राजनाथ सिंह ने सेवानिवृत जवानों से की बात

कानपुर। सशस्त्र बल वेटरन्स दिवस 2024 के कार्यक्रम में रविवार को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कानपुर स्थित एयर फोर्स स्टेशन पहुंचे। यहां पर उन्होंने वेटरेनस के साथ मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह किसी संयोग से कम नहीं है कि हम अपने पूर्व सैनिकों के सम्मान के लिए कानपुर जैसी जगह पर एकत्र हुए हैं। इस देश के सैन्य इतिहास की श्रेणी में कानपुर अपना एक अलग ही महत्व रखता है। 1857 में जब भारत के स्वतंत्रता संग्राम की शुरूआत हुई, तो उस समय पेशवा

नानासाहेब ने कानपुर के बिठूर से ही विद्रोह का नेतृत्व किया था। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने जिस आजाद हिंद फौज का गठन किया, उसकी पहली महिला कैप्टन रही, लक्ष्मी सहगल जी का भी कानपुर से बड़ा आत्मीय नाता रहा। उन्होंने तो अपने जीवन का आखिरी क्षण भी कानपुर में ही बिताया। जब केंद्र में हमारी सरकार आई तो देश के गृह मंत्री के रूप में और विशेष कर रक्षा मंत्री के रूप में तो सशस्त्र बलों के साथ मेरा बड़ा आत्मीय नाता रहा। कई बार तो मुझे ऐसा लगता है कि मेरे पिछले जन्मों के कुछ संचित पुण्य होंगे कि मुझे हमारे सैनिकों के साथ इतना आत्मीय संबंध बनाने का मौका मिला। आज वेटरेनस डे है, आज भी जब मैं आप सबके बीच उपस्थित हूं तो मुझे काफी घर पर महसूस होता है, जो इस देश के नागरिकों को अपने सैनिकों के प्रति होता है। इस देश का हर नागरिक, चाहे वह किसी भी क्षेत्र से संबंधित हो, वह अपने सैनिकों के प्रति एक विशेष स्नेह रखता है। इसलिए आज वेटरेनस डे के अवसर पर मैं कृतज्ञ राष्ट्र की तरफ से अपने सभी पूर्व सैनिकों को, देश की उनकी सेवा के लिए नमन करता हूं। सैनिकों के साथ हमारा आत्मीय संबंध तो है ही, लेकिन हम यदि कभी एक सैनिक के नजरिये से सोचें, तो हमें देश के प्रति उनके इमोशन की गहराइयों में उतरने का मौका मिलेगा। उदाहरण के लिए, सेना का कोई जवान कारगिल की चोटियों पर तैनात है, तो नेवी का कोई जवान हिंद महासागर की गहराइयों में हमारी सुरक्षा कर रहा है, तो वहीं कोई एयर वारियर हमारे वायु क्षेत्र की सुरक्षा कर रहा है।

धामपुर मे तीन दिवसीय विराट धर्म सम्मेलन की तैयारी युद्ध स्तर पर

संवाददाता

धामपुर। आगामी 25 जनवरी से धामपुर में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय विराट धर्म सम्मेलन की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है ।जिसके अंतर्गत नगर की विभिन्न कॉलोनी में सनातन परिवारों से प्रक्रिया भी प्रारंभ हो चुकी है ।सम्मेलन को ऐतिहासिक सफलता दिलाने के लिए सनातन धर्म सभा शिव मंदिर पंजाबी कॉलोनी में संपन्न हुई।आयोजन समिति की बैठक में समिति के अध्यक्ष एवं श्री राम ग्रुप आफ कॉलेज के चेयरमैन डा, एनपी सिंह ने विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि 25 जनवरी को प्रातः 10:00 बजे नेताजी सुभाष चंद्र बोस मार्ग स्थित शुभम मंडप से विशाल शोभा यात्रा निकाली जाएगी जिसके मुख्य अतिथि क्षेत्रीय भाजपा विधायक अशोक राणा एवं नगीना लोकसभा क्षेत्र के पूर्व भाजपा सांसद डॉ यशवंत सिंह रहेंगे 25 जनवरी को ही शुभम मंडप में प्रारंभ होने वाले विराट धर्म सम्मेलन के पहले दिन मध्यान्ह 2 बजे से 5 बजे तक प्रेम अवतार युग दृष्टा क्रांतिकारी संत तथा श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर श्री श्री 1008 स्वामी श्री हरि चैतन्यपुरी महाराज जी अपने प्रवचनों के माध्यम से समाज को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे उन्होंने बताया की 25 जनवरी के विराट धर्म सम्मेलन के मुख्य अतिथियों में ब्लॉक प्रमुख क्षमा हेमलता चौहान, धामपुर के उप जिलाधिकारी मोहित कुमार, वित्त नियंत्रक सूर्य प्रताप सिंह ,पूर्व पालिका अध्यक्ष राजू गुप्ता, तथा स्योहारा के वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर मनोज वर्मा शामिल रहेंगे ,इसी प्रकार 26 जनवरी के सम्मेलन के मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद धामपुर के अध्यक्ष चौधरी रवि कुमार सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी कुंवर निहाल सिंह, समाजसेवी डॉक्टर शलभ अग्रवाल, एवं अनिल कुमार अग्रवाल कटका, तथा डॉक्टर कमल कुमार रहेंगे 27 जनवरी के सम्मेलन के मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौहान बॉबी ,पूर्व पालिका अध्यक्ष लीना सिंघल , पूर्व नगर मंडल अध्यक्ष राघव शरण गोयल ,उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व श्रम आयुक्त रोशन लाल , समाजसेवी चिकित्सा डॉ दिनेश कुमार रहेंगे। विशेष आमंत्रित अतिथियों में पूर्व भाजपा विधायक डॉ, इंद्रदेव सिंह, समाजसेवी चिकित्सक डा, आदित्य अग्रवाल ,डॉ, लोकेंद्र सिंह, डॉ, दीप सौरभ पार्थ, एवं लक्ष्य कॉलेज डायरेक्टर अमित चौहान रहेंगे ।बैठक में विचार व्यक्त करते हुए डॉ, एन पी सिंह ने बताया कि नगर के विभिन्न भागों के अलावा आसपास की सभी कॉलोनीयो मे समिति के सभी पदाधिकारी सदस्यों ने धार्मिक कार्यक्रमों के प्रति समर्पित रहने वाले श्रद्धालुओं को साथ लेकर डोर टू डोर सनातन परिवारों से संपर्क की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है ।जो निरंतर आगामी 24 जनवरी तक जारी रहेगी उन्होंने नगर की सभी धार्मिक एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों का भी आवाहन किया कि वह इस कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपने सहयोगियों के साथ कार्यक्रम में सम्मिलित रहने तथा प्रत्येक कार्य एवं कार्यक्रम में समर्पित योगदान देने का संकल्प ले ताकि धर्म नगरी धामपुर में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम को ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व बनाया जा सके बैठक में आयोजन समिति के संयोजक अशोक अग्रवाल होंडा, महामंत्री ललित गर्ग, कोषाध्यक्ष विजय शर्मा, डॉ, एके सक्सेना रामदास जी महाराज ,अनिल,कुमार , जितेंद्र, मोहन कपूर, सुशील कुमार, अग्रवाल,सौरभ मित्तल, योगेंद्र शर्मा एडवोकेट ,जगदीश लाल अरोड़ा, अनमोल अरोड़ा, सुनील गुप्ता, गौरव दुआ, महावीर सिंह सैनी दीनबंधु , जयप्रकाश शर्मा वैभव अग्रवाल , दीपक अग्रवाल, सुभाष चंद्र कौशिक, पंकज भटनागर , डॉ अनुज कुमार वर्मा रणवीर सिंह चौहान मेघराज सिंह चौहान रजत सक्सेना आयुष राज वर्मा महावीर सिंह सैनी, सरदार महेंद्र सिंह सलूजा , आदि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त डायरी

शंखनाद और प्रभु श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा कुड़वा दिलीप नगर

संवाददाता

कुशीनगर। 22 जनवरी को अयोध्या धाम में भव्य श्रीरामलला विग्रह प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष में कुशीनगर कसया क्षेत्र के ग्राम सभा कुड़वा दिलीप नगर में हाथी बाजे जनसमूह के साथ प्रेमवालिया, मल्लुडीह, हतवा ,एवं अन्य गांव होते हुए लोगों को जागरूत करने के लिए भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि सांसद कुशीनगर सांसद विजय कुमार दुबे जी रहे। सांसद विजय कुमार दुबे ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम के प्राण प्रतिष्ठा के निमित निकाली जा रही इस शोभा यात्रा से पूरा ग्राम सभा सहित आस पास के सभी क्षेत्र धन्य हो गए।हम सभी के लिया ये सब सौभाग्य की बात है। जो 500 वर्षो की तपस्या आज सफल हो गया। इस दौरान पूर्व विधायक रजनीकांत मणि त्रिपाठी,चंद्रशेखर सिंह, पूर्व चेयरमैन कृष्ण कुमार,भाजपा नेता एव समाज सेवी ओम प्रकाश जायसवाल , वरिष्ठ भाजपा नेता चमन यादव, सांसद मीडिया प्रभारी निखिल उपाध्याय, सक्षम तिवारी,सतीश शर्मा, सक्षम तिवारी,संजय सिंह कौशिक,डॉ अनिल सिन्हा, पूर्व प्रधान कामोद सिंह मंडल अध्यक्ष अनिल प्रताप राव, मण्डल अध्यक्ष रामायण कुशवाहा,विनय सिंह, सुरेश गुप्ता, वीरेंद्र सिंह, जितेंद्र सिंह, गोपाल जी राय, नीतीश सिंह राजपूत आदि लोग उपस्थित रहे।

नयी दिशाः 111 सैनिकों का हुआ अभिनंदन समारोह

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। तहसील क्षेत्र के भठही बाबू ग्राम सभा स्थित जूनियर हाईस्कूल भठही राजा के प्रांगण में सेना दिवस की पूर्व संध्या पर नयी दिशा पर्यावरण सेवा संस्थान, कुशीनगर द्वारा 111 सैनिकों का अभिनंदन कर स्वागत किया गया। समारोह में भठही बाबू गाँव सहित इस क्षेत्र के परसहवाँ, नैकाछपरा, महुई खुर्द, पतेया, नकहनी, चुरामनछपरा, अहिरौली राय, रामबर चरगहां, खड्डा, जाखनी, चिउटहा, नटवलिया, सीताबारी, चिरगोड़ा, बकनहा, कुरहवाँ, नरकटिया बाजार, भरवलिया, फरीदपुर, परेवाटार, छपरा, परवरपार, सोहसा, मोहम्मदा इत्यादि गांवों के सेना में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त 111 सैनिकों का सम्मान किया गया। इस दौरान धीरज राव, ऋषभ राव इत्यादि ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता की प्रतिमा के समक्ष पुष्पार्चन व दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। मुख्य अतिथि पडरौना विधायक मनीष जायसवाल ने कहा कि देश की रक्षा करने वाले सैनिकों से ही हमारा वजूद सुरक्षित है। कार्यक्रम अत्यंत सराहनीय है। अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य बीपीजी डॉ0 डीएस तिवारी ने की। कार्यक्रम को तहसीलदार कसया नरेंद्र राम, सुधीर शाही, प्रो0 अमृतांशु शुक्ल, डॉ0 नंद रतन, अग्निवेश मणि, उमेश उपाध्याय, डॉ0 गौरव तिवारी, डॉ0 निगम मौर्य, वीरेंद्र साहू इत्यादि ने संबोधित किया। संचालन धीरज राव, अतिथियों का स्वागत नयी दिशा सचिव डॉ0 हरिओम मिश्र व आभार ग्राम प्रधान भठही बाबू सुभाष कान्दू ने किया। इस अवसर पर चंदेश्वर शर्मा परवाना, चंद्रिका शर्मा, शम्भू राव,नरेंद्र नाथ त्रिपाठी, डॉ0 सौरभ द्विवेदी, डॉ0 पारस नाथ, कृष्णमोहन, पेशकार गौड़, हेमंत मिश्र, हरिंद्र यादव, कन्हैया मिश्र, आनंद मोहन, अजय कुमार, आशुतोष मिश्र, इंद्र कुमार मिश्र, प्रकाम्य चतुर्वेदी, अंजनी नंदन सिंह, गोल्डन, धर्मेंद्र, हरीश, अनुराग आदि मौजूद रहे।

जालौन में एचटी लाइन चपेट में आने से युवक झुलसा

जालौन । एट अंडरपास के खंबे मे अचानक एलटी लाइन का करंट दौड़ने से एक युवक उसकी चपेट में आने से बुरी तरह झुलस कर अचेत हो गया। हादसा देख खेतों में काम कर रहे परिजनों ने युवक को तड़पते हुए देखा हड़कंप मच गया। तत्काल लोग मौके पर पहुंचे, जिन्होंने नाजुक हालत देख युवक को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां पर उसका इलाज चल रहा है। कानपुर देहात का रहने वाला कुलदीप (16) अपने परिजनों के साथ एट थाना क्षेत्र के ग्राम सतोह में मटर तोड़ने का काम करने आया हुआ था। परिजन खेतों में मटर तोड़ रहे थे और कुलदीप एट कोंच रेलवे क्रॉसिंग पर बने अंडर पास पर लगे टीन सेट के खाबो पर टिककर मोबाइल चला रहा था, तभी अचानक ऊपर से निकली 11 हजार लाइन का तार अंडरपास के टीन सेट से टकरा गया, जिससे पूरे अंडरपास में करंट उतर गया, उसकी चपेट में आने से कुलदीप बुरी तरह झुलस कर गिर पड़ा। वहां काम कर रहे परिजनों ने जब कुलदीप को सड़क पर पड़ा हुआ, देखा तो वह मौके पर पहुंचे, उन्होंने युवक को झुलसा देखा तत्काल गांव वालों की मदद से अस्पताल में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों ने हालत देख उसका इलाज शुरू कर दिया, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुजफ्फरपुर में ज्वेलरी शॉप में लूट

6 राउंड फायरिंग की, एक को गोली लगी, कुर्सी से काउंटर तोड़कर जेवर भर ले गए

एजेंसी

मुजफ्फरपुर । अपराधियों ने ज्वेलरी शॉप लूट ले गए। छह की संख्या में बदमाश आए थे। ज्वेलरी शॉप में 4 घुसे। पिस्टल दिखाकर लूट पाट करने लगे। कैश बॉक्स मांग रहे थे। विरोध करने पर एक कर्मचारी को गोली मार दी। काउंटर को कुर्सी से तोड़ दिया। जेवर लूट लिए। दहशत फैलाने के लिए कई राउंड फायरिंग भी की। घटना को अंजाम देने के बाद बाइक से भाग निकले। लूटपाट का वीडियो भी सामने आया है। मामला जिले के सदर थाना क्षेत्र का है। दरअसल, जिले के सदर थाना क्षेत्र के भगवानपुर चट्टी स्थित हीरालाल सर्राफ एंड ज्वेलर्स दुकान में छह की संख्या में अपराधी पहुंचे। दुकान में उस समय छह से सात कर्मी मौजूद थे। अपराधियों ने हथियार के बल पर सभी को बंधक बना लिया। उसके बाद दुकान में लूटपाट करने लगे। दुकान में मौजूद कर्मियों से ज्वेलरी और कैश के संबंध में पूछने लगे। इसी दौरान एक बदमाश कर्मी को पीटने लगा। आर्टिफिशियल ज्वेलरी को झोला में रखने लगे। उसके बाद दुकान में कई राउंड फायरिंग की। जिसमें एक गोली दुकान में मौजूद कर्मी के पैर में लगी। घटना को अंजाम देने के बाद कर्मी फायरिंग करते फरदो गोला की तरफ फरार हो गए। घटना की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की छानबीन में जुट गई है। छह की संख्या में अपराधी घटना को अंजाम देने पहुंचे थे। जिसमें चार अपराधी दुकान के अंदर घुसा था। दो

अपराधी बाहर से रेकी कर रहा थे। लूटपाट की घटना को अंजाम देने के बाद सभी बाइक से फायरिंग करते हुए फरार हो गए। दुकान में लगे सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई। सीसीटीवी में अपराधियों का चेहरा भी दिख रहा है। जिसके आधार पर पुलिस अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। दुकान के शोपीस में लगे आर्टिफिशियल ज्वेलरी की संख्या काफी कम थी। इस कारण अपराधी बार बार ज्वेलरी और कैश के संबंध में पूछ रहे थे। लेकिन कोई कर्मी कुछ नहीं बता रहा था। इसके बाद अपराधी आग बबूला हो गए और ताबड़तोड़ कई राउंड फायरिंग करने लगे। वहीं एक अपराधी कुर्सी उठा कर काउंटर पर मरने लगा। जिस कारण कई काउंटर का शीशा टूट गया। घटना के वक्त दुकान में दीनानाथ, मोहन, राकेश, कन्हाई, राधे श्याम, विकाश, राजा और नितेश मौजूद थे। घटना के वक्त अपराधी अंधाधुंध फायरिंग करने लगे। इस दौरान अखराघाट निवासी नितेश के पैर को छूते हुए गोली निकल गई। आनन फानन में अन्य कर्मियों ने उसे बैरिया एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां उसको प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर सिटी एसपी अरविंद प्रताप सिंह, एएसपी टाउन अवधेश दीक्षित, प्रशिक्षु एएसपी, डीआईयू व सदर थाना अध्यक्ष कुंदन कुमार दल बल के साथ पहुंचे। सीसीटीवी के आधार पर अपराधियों के गिरफ्तारी के लिए एक विशेष टीम गठित कर दी गई है। दुकान के गार्ड और प्रत्यक्षदर्शी दीप कुमार ने बताया कि हम लोग दुकान बढ़ाने ही वाले थे। गेट पर खड़े थे। तभी चार अपराधी अंदर घुस गया। सभी के पास हथियार था। हम रोकने की कोशिश की तो धक्का देकर अंदर कर दिया। उसके बाद फायरिंग करने लगे। कैश बॉक्स मांगने लगा। कैश बॉक्स नहीं मिलने के कारण दुकान में तोड़ तार करने लगे। दो अपराधी बाहर खड़े थे। सबका चेहरा खुला हुआ था। अपराधियों का उम्र 25 से 30 वर्ष के बीच थी। पूरे मामले पर एएसपी टाउन अवधेश दीक्षित ने बताया कि चाह अपराधियों ने एक ज्वेलरी शॉप में लूट की घटना को अंजाम दिया है। जिस दौरान विरोध करने पर एक कर्मी को पैर में गोली मारी। जो उसके पैर को छूते हुए निकल गई है। सीसीटीवी खंगाला जा रहा है।

संक्षिप्त डायरी

रिटायर्ड फौजी हत्याकांड में सौतेली सास सहित एक आरोपी गिरफ्तार

सीतामढ़ी । जमीनी विवाद को लेकर रिटायर्ड फौजी हत्याकांड मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी मृतक की सौतेली सास सुनीता देवी और विश्वनाथपुर निवासी गुड्डू यादव को जेल भेज दिया गया है। इन दोनों से पुलिस लगातार दो दिनों से पूछताछ कर रही थी। सौतेली सास द्वारा जमीन विवाद व हत्याकांड सहित कई अहम जानकारी पुलिस को दिए जाने की चर्चा है। एसपी मनोज कुमार तिवारी ने बताया कि घटना में शामिल शूटर व अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम बनाकर छापेमारी की जा रही है। जल्द ही सभी को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा। पुलिस सूत्रों के अनुसार, मृतक हनुमान यादव और उनके ससुर से 18 सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। सात दिसंबर 2015 को चकमहिला निवासी रिटायर्ड शिक्षक रामविवेक प्रसाद यादव को फोन कर घर से बाहर बुलाकर बाइक सवार तीन बदमाशों ने हत्या कर दी थी। इसमें मृतक की दूसरी पत्नी सुनीता के बयान पर दामाद हनुमान यादव, पुत्री सीता यादव को मुख्य आरोपी बनाते हुए नामजद अभियुक्त बनाया गया था। इसके बाद रिटायर्ड शिक्षक रामविवेक यादव की काफी जमीन उनकी दूसरी पत्नी द्वारा बेची गई। वहीं बची हुई जमीन जेल से बाहर आए रिटायर्ड शिक्षक के बेटी व दामाद बेचने की फिराक में थे। इसको लेकर उसकी हत्या करवा दी गई है। पुलिस के अनुसार, घटना के सफल उद्भेदन के लिए पुलिस रिटायर्ड शिक्षक के बिकी हुई जमीन और बची हुई जमीन को लेकर हुए विवादों को भी खंगाल रही है। ताकि, मामले में शामिल एक भी दोषी पुलिस कार्रवाई से वंचित न हो। फिलहाल पुलिस दोनों को जेल भेज दिया है और अन्य अपराधियों के गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी की जा रही है।

सड़क हादसे रेलवे कर्मी व पुत्र घायल

भोजपुर। आरा-बक्सर नेशनल हाईवे पर जिले के उदवंतनगर थाना के गजराजगंज ओपी अंतर्गत गजराजगंज गांव के समीप फोरलेन पर शनिवार को हुए सड़क हादसे में बाइक सवार रेलवे गेटमैन व पुत्र गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद परिजन उन्हें इलाज के लिए बिहिया पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाए। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है। घायलों में बक्सर जिला के बगेन गोला थाना क्षेत्र के राजपुर गांव निवासी 42 वर्षीय पप्पू सिंह एवं 15 वर्षीय उनका पुत्र कल्लू कुमार शामिल हैं। इसमें पप्पू सिंह रेलवे में गेटमैन है एवं वर्तमान में रोहतास के बिक्रमगंज में रेलवे गेटमैन के पद पर कार्यरत हैं। वर्तमान में वह नवादा थाना क्षेत्र के महाराणा प्रताप नगर में किराए के मकान में रहते है। इधर,जख्मियों के परिजन ने बताया कि वह बाइक पर सवार होकर अपने बेटे कल्लू कुमार के साथ महाराणा प्रताप नगर अपनी बहन मीना देवी के घर बिहिया थाना अंतर्गत बिहिया गांव दही-चूड़ा देने के लिए गए थे। वापस लौटने के दौरान गजराजगंज गांव के समीप फोरलेन पर विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात वाहन ने उन्हें चकमा दे दिया। जिसके कारण उनकी बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। जिससे दोनों बाप-बेटे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। जिसके बाद परिजन द्वारा दोनों बाप-बेटे को इलाज के लिए बिहिया पीएचसी से आरा सदर अस्पताल लाया गया,जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद दोनों की हालत को चिंताजनक देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया।वही ऑन ड्यूटी चिकित्सक ने बताया की जख्मी किशोर के सिर में काफी गंभीर चोटे आई है । दोनों का प्राथमिक कर दिया गया ।

छेड़खानी मामले में प्रिंसिपल अरेस्ट

गया । एक प्राइवेट स्कूल के टीचर ने छात्रा के साथ अश्लील हरकत की है। जानकारी के मुताबिक शनिवार को स्कूल बंद होने के बाद किसी बहाने से प्रिंसिपल ने बच्ची को स्कूल बुलाया और उसके साथ गंदी हरकत करने लगा। किसी तरह बच्ची भाग कर घर गई और पूरी घटना की जानकारी परिजनों को दी। इसके बाद परिजनों ने कोंच थाना में मामला दर्ज कराया। पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए हैं प्रिंसिपल संजय कुमार को अरेस्ट कर लिया। पीड़िता का कहना है कि पहले भी आरोपी बैड टच करता था। इस संबंध में कोंच थाना के थानाध्यक्ष अविनाश कुमार ने बताया कि पीड़िता कोच बाजार निवासी एक छात्रा हंसराज पब्लिक स्कूल में पढ़ने जाती थी। उसके साथ स्कूल के ही प्राचार्य संजय कुमार गुप्ता द्वारा छेड़छाड़ किए जाने की शिकायत मिली है। मामला दर्ज होने के बाद आरोपी को अरेस्ट कर लिया गया है।

लोकसभा चुनाव में हार का सता रहा डर

एजेंसी

पटना। इंडी गठबन्धन की वर्चुअल बैठक में प्रदेश के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार का संयोजक बनने से इंकार किए जाने पर हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) ने प्रतिक्रिया दी है। हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता का कहना है कि नीतीश कुमार को लोकसभा चुनाव में इंडी गठबन्धन की हार का भय सता रहा है। यही वजह है कि वे संयोजक की जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। वह इंडी गठबंधन की हार का ठीकरा अपने सिर नहीं लेना चाहते हैं। यही वजह है कि वे संयोजक की जिम्मेदारी अपने गठबन्धन के दूसरे प्रमुख दल को लेने की बात कह रहे हैं। हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता इंजीनियर नन्दलाल मांझी का कहना है कि इंडी गठबन्धन में संयोजक पद की जिम्मेदारी अब काजल की कोठरी के समान है। घमंडिया गठबन्धन के लोगों को खासकर नीतीश कुमार को लोकसभा चुनाव में हार के भय अब हारने का आभास हो गया है। यही वजह है कि उन्होंने शनिवार को इंडी गठबन्धन की वर्चुअल बैठक में पैंतरा बदल दिया। हम के राष्ट्रीय प्रवक्ता का दावा है कि लोकसभा चुनाव में महागठबंधन के लोगों की बुरी तरीके से हार तय है। हार का ठीकडा मेरे ऊपर ना फोड़ा जाए इस भय से संयोजक बनने से नीतीश कुमार इंकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनडीए तेजी के साथ अभी से अपनी जीत की ओर अग्रसर है। इस बात का इल्म अब सब को हो चुका है और यह दिख भी रहा है। हालांकि जो भी पैंतरे नीतिश कुमार अपना रहे हैं वे सभी लोकसभा चुनाव में धड़ाम हो जाएंगे।

खेत में किसान की हत्या कर फेंका शव

सासाराम। खेत में किसान की गला रेत कर हत्या कर दी गई है। मृतक की पहचान बबन भगत (60) के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार खेत की सिंचाई के लिए मोटर लगाया था। वहीं पर वे रात में विश्राम करने लगे। वहां ठहरने की व्यवस्था थी। देर रात ही उनकी हत्या कर शव बधार में फेंक दिया गया। सुबह ग्रामीणों ने किसान के शव को देखा। जिसके बाद सूचना

परिजनों और पुलिस को दी। आक्रोशित लोगों ने हत्या के विरोध में सुबह 8 बज से आरा-मोहनिया एनएच-319 जाम कर रखा है। वारदात कोचस प्रखण्ड के चितेनी गांव की है। परसथुआ थानाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि मृतक के परिजनों के अनुसार उनकी किसी की दुश्मनी नहीं थी। मामले की जांच की जा रही है। डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया है। ग्रामीणों ने सड़क जाम किया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए परिजनों की सहमति ली जा रही है। हत्या के कारण की अभी स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है।

अवैध संबंध को लेकर हुई थी ट्रक चालक की हत्या

एजेंसी

आरा। जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नए का टोला मोड़ के समीप दिनदहाड़े हुए ट्रक चालक राकेश साह की गोली मारकर हत्या किए जाने मामले में भोजपुर पुलिस ने साजिश में शामिल एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी उदवंतनगर थाना क्षेत्र के गड़हा गांव निवासी दशई यादव का पुत्र शेखर कुमार है । जिसकी जानकारी एसपी प्रमोद कुमार ने दी है । उन्होंने बताया की उदवंतनगर थाना क्षेत्र के दक्षिण एकौना गांव निवासी राकेश की हत्या महिला से अवैध संबंध के कारण एक षड्यंत्र के तहत की गई । इस कांड में शामिल हिस्ट्रीशीटर चंदन कुमार समेत दिलीप उर्फ गड़ासी नामक अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

एसपी ने बताया की मृतक राकेश साह महाराष्ट्र में रहकर ट्रक चलाता था। इस दौरान गड़हां गांव निवासी एक शादीशुदा महिला से संपर्क में रहता है। जिसका जानकारी महिला के पति और उसके परिजन को मिल गई। इसका विरोध उसके मायके वाले करते थे। उसके बाद षड्यंत्र के तहत राकेश को महाराष्ट्र से यहां बुलाकर लाया गया था। इसके बाद 10 जनवरी को जगदीशपुर थाना क्षेत्र के नयका टोला मोड़ के समीप गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस लेकर मृतक के पिता ने दो के विरुद्ध नामजद प्राथमिकी कराई थी । इस दौरान कांड के अनुसंधान पुलिस को एक महत्वपूर्ण क्लू मिला । जिसके बाद साजिश में शामिल शेखर को धर दबोचा गया । साथ ही मृतक का गायब मोबाइल भी बरामद कर लिया गया । जगदीशपुर एसडीपीओ राजीव चंद्र सिंह के नेतृत्व में गठित टीम में थानाध्यक्ष राज किशोर समेत अन्य पदाधिकारी शामिल थे । वह पकड़े गए आरोपित से पूछताछ में दो अन्य की संलिप्तता की बात सामने आ रही है।

तिलकुट, घेवर और तिल की सजी दुकानें

एजेंसी

पटना। तिलकुट की सौंधी खुशबू से कटिहार का बाजार गुलजार हो गया है। मकर संक्रांति के मौके पर जिले के बाजारों में विभिन्न चौक-चौराहों पर तिलकुट, राजस्थानी घेवर, मीठे गुड़ से सराबोर चूड़ा और मुड़ी के लड्डू, तिल पापड़ी, बादाम लड्डू की दुकानें सज गई है। शहर के बड़ा बाजार, मंगल बाजार, न्यू मार्केट, मिर्ची बड़ी बाजार में दुकानों पर खरीदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। बड़ा बाजार के गोविंद शर्मा ने कहा कि तिलकुट के साथ-साथ राजस्थानी मिठाई घेवर की मांग भी बाजार में काफी बढ़ गई है। रिफाइंड तेल से

निर्मित घेवर जहां ₹300 किलो मिल रहा है वही शुद्ध घी से निर्मित घेवर की कीमत ₹600 किलो तक है। वही बाजार में दही की दो वेरायटी है। सादा और लाल दही एक तरफ जहां ब्रांडेड कंपनी अपनी दही के प्रिंट रेट के हिसाब से बेच रहे हैं । वहीं, दुकानदार का जमाया गया सदा दही 140 रुपए प्रति किलो मिल रहा है, जबकि खजूर से निर्मित लाल दही ₹200 किलो बाजार के भाव से मिल रहा है। मकर संक्रांति पर लोग तिलकुट समेत तिल से बने अन्य खाद्य व गुड़, दही का सेवन करते हैं । त्योहार के मौके पर तिल दान की भी धार्मिक परंपरा है। मकर संक्रांति पर सूर्य दक्षिणायन से उत्तरायण होते हैं इस दिन से देवताओं के दिवस की गणना आरंभ होती है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी इस त्योहार का बड़ा महत्व है। गर्म तासीर वाले तिल व गुड़ कड़ाके की ठंड में शरीर को गर्म रखने में काफी मददगार होते हैं।

दो दिन तक नाव परिचालन पर रोक

बक्सर। जिले में दो दिन तक गंगा में नौका परिचालन पर पूर्णतः रोक लगा दी गई है। अगर कोई नाव 14 और 15 को नदी में नाव का परिचालन करता है तो उसपर कार्रवाई का आदेश बक्सर रऊट ने दिया है। स्नान और नौका चलाने वालों पर नजर रखने के लिए घाट पर मजिस्ट्रेट के साथ भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। हालांकि सरकारी नाव और एसडीआरएफ की टीम को इससे अलग रखा गया है। मकर संक्रांति के अवसर पर सभी घाटों पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ती है। इस दौरान लाखों लोग गंगास्नान करने पहुंचते है। इसके अलावा नाव पर सवार होकर नौका विहार का आनंद भी

लेते है। दुर्घटना की संभावना बनी रहती है। इसी को देखते हुए आज और कल गंगा नदी में नावों का परिचालन बंद रहेगा। इस आदेश का उल्लंघन करने वालों पर सख्ती होगी। साथ ही पकड़े जाने पर विधि सम्मत कार्रवाई होगी। बक्सर रऊट धीरेंद्र मिश्रा ने सदर अनुमंडल के गंगा क्षेत्र वाले मुफस्सिल थाना, नगर थाना और आद्योगिक थाना के थाना अध्यक्ष के साथ मोटर यान निरीक्षक, चौसा और बक्सर सदर सीओ को कहा गया है नाव परिचालन पर रोक लगाएं।

होटलों में बगैर छानबीन के नहीं मिलेगी कपल को एंट्री

मुजफ्फरपुर । होटलों में हाल के कुछ दिनों में बड़े आपराधिक वारदात की घटना सामने आई है। जिसमें कई होटलों की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। उसके बाद अपराधियों को तलाशने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। लेकिन अब शहर के होटलों पर नकेल कसने की कवायद मुजफ्फरपुर पुलिस ने शुरू कर दी है। सिटी एएसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि बगैर आईडी प्रूफ और नाबालिग युवक युवतियों को कमरा देने वाले कई संदिग्ध होटलों की जानकारी पुलिस को मिली है।इसको लेकर शहर के होटलों में पुलिस की औचक निरीक्षण और छापेमारी को शुरू की गई है। इस अभियान के दौरान जिन होटलों में गड़बड़ी पकड़ी जाएगी। उनके खिलाफ पुलिस सख्त एक्शन

लेगी। मुजफ्फरपुर के एएसपी अवधेश दीक्षित के निर्देश पर पुलिस की विशेष टीम द्वारा शहर के सभी होटल को वेरीफाई करने की कार्रवाई शुरू कर दी गई है। गौरतलब है कि अभी हाल ही बगैर आईडी प्रूफ के एक होटल में ठहरे प्रेमी के द्वारा अपने प्रेमिका को गले में गोली मार जख्मी कर दिया गया था। जहां गोली मारने के बाद होटल में प्रेमिका को छोड़ कर प्रेमी फरार हो गया था। जहां पुलिस जांच के क्रम में होटल प्रबंधन की बड़ी लापरवाही उजागर हुई थी।

कोहरे की वजह से ट्रेनों की रफ्तार पर ब्रेक

तेजस राजधानी 16 घंटे लेट तो सम्पूर्ण क्रांति 13 घंटे, मगध और पूर्वा भी है डिले

एजेंसी

पटना। कोल्ड डे और कोहरे का असर ट्रेन के पहियों पर भी पड़ा है। मगध एक्सप्रेस, राजधानी तेजस, सम्पूर्ण क्रांति, पूर्वा सुपर फास्ट, गरीब रथ, दुरंतो, हिमगिरि, ब्रह्मपुत्रा, विक्रमशीला, महानंदा समेत अधिकतर ट्रेनें 13- 13 घंटे और 16-16 घंटे लेट चल रही हैं। तेजस राजधानी एक्सप्रेस, मगध एक्सप्रेस और संपूर्ण क्रांति एक्सप्रेस की टाइमिंग में रविवार के दिन भी सुधार नहीं हुआ है। यह ट्रेनें आज भी काफी लेट चल रही हैं। 20802 नई दिल्ली इस्लामपुर मगध एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 12 घंटे लेट चल रही है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी का आने के समय दोपहर 12:40 बजे था। शनिवार के दिन भी यह गाड़ी अपने निर्धारित समय से 8 घंटे थी। 12394 नई दिल्ली राजेंद्र नगर संपूर्ण क्रांति सुपर फास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 13 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 6:35 बजे है। यह गाड़ी शनिवार के दिन भी काफी लेट थी। 12310 नई दिल्ली राजेंद्र नगर तेजस राजधानी एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 16 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 4:40 बजे है। शनिवार के दिन भी यह गाड़ी 13 घंटे लेट थी। 12304

नई दिल्ली हावड़ा पूर्वा सुपरफास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 12 घंटे लेट चल रही है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 6:50 बजे है। जो अब शाम में आएगी। 12436 आनंद विहार जयनगर गरीब रथ एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 13 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय रात में 12:55 बजे है। 12368 आनंद विहार भागलपुर विक्रमशीला एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 15 घंटे लेट चल रही है। इस गाड़ी के पटना जंक्शन पर आने का समय सुबह 2:30 बजे है। 15484 दिल्ली अलीपुरद्वार महानंदा एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 10 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय रात में 12:45 बजे है। 15657 दिल्ली भागलपुर कामाख्या ब्रह्मपुत्र मेल एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 8 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय दोपहर 2:30 बजे है। 12578 मैसूर दरभंगा बागमती सुपरफास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 2:30 घंटे लेट है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 10 बजे है। 12331 हावड़ा जम्मू तवी हिमगिरि सुपरफास्ट एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 2 घण्टे लेट चल रही है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 10:05 बजे है। 15635 ओखा कटिहार गुवाहाटी द्वारिका एक्सप्रेस अपने निर्धारित समय से 2 घंटे लेट चल रही है। पटना जंक्शन पर इस गाड़ी के आने का समय सुबह 10:10 बजे है। दिल्ली से पटना आने वाली स्पाइस जेट की फ्लाइट SG-8721 आज 4 घंटे लेट आएगी। सुबह 10:20 की जगह दोपहर 14:20 में इसके आने की संभावना है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उत्तर कोरिया ने किया बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण : जापान

टोक्यो । जापान ने कहा कि उत्तर कोरिया ने संभवत- एक बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया है। जापान तटरक्षक बल ने रक्षा मंत्रालय के हवाले से कहा कि उ.कोरिया ने संभवत- एक बैलिस्टिक मिसाइल का प्रक्षेपण किया है। हम समुद्री जहाजों और विमानों से स्थिति की निगरानी करने और नवीनतम जानकारी जुटाने का आग्रह करते हैं। यदि उन्हें मिसाइल के हिस्से मिलते हैं, तब उन्हें हाथ नहीं लगायें और समुद्री सुरक्षा सेवा को इस बारे में सूचित करें। तटरक्षक बल ने कहा, मिसाइल शायद पहले ही गिर चुकी है।

कनाडाई मंत्री का बयान, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मौजूदा संख्या चिंता का विषय

ओटावा । देश में घरों के लिए बढ़ते संकट का सामना कर रही कनाडा सरकार अंतरराष्ट्रीय छात्रों की संख्या घटाने पर विचार कर रही है। एक इंटरव्यू में आप्रवासन, शरणार्थी और नागरिकता मंत्री मार्क मिलर ने लगभग 9 लाख अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मौजूदा संख्या के बारे में चिंता जाहिर की। मिलर ने कनाडा में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या के बारे में कहा कि यह वास्तव में एक ऐसी प्रणाली है, जो नियंत्रण से बाहर हो गई है। कनाडा पूरी दुनिया से छात्रों में एक लोकप्रिय जगह है, क्योंकि वर्क परमिट हासिल करना अपेक्षाकृत आसान है। कनाडा अपनी इकोनॉमी की बढ़ोतरी और बढ़ती उम्र वाली आबादी को देखते हुए आप्रवासन पर बहुत ज्यादा निर्भर है। हालांकि प्रवासियों और अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की संख्या में बढ़ोतरी को आवास संकट के लिए जिम्मेदार माना जाता है। जिससे घरों की बढ़ती मांग और तेज हो गई है। घरों की बढ़ती संख्या के कारण अप्रवासियों को ढील देने के लिए सरकार को आलोचना का सामना करना पड़ा है। कनाडा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों की एक बड़ी संख्या भारत से है। पिछले साल नवंबर के अंत तक उनकी संख्या कुल विदेशी छात्रों में 37 फीसदी से अधिक थी। भारत कथित तौर पर 2018 से अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए सबसे बड़ा स्रोत देश रहा है। कनाडा में विशेष रूप से पिछले दो दशकों में सिखों की आबादी की हिस्सेदारी दोगुनी से अधिक बढ़ गई है। बहरहाल आंकड़ों के मुताबिक 2023 की पहली छमाही में 42,000 लोगों ने कनाडा छोड़ दिया। हालिया रिपोर्ट के अनुसार कनाडा छोड़ने वाले अप्रवासियों की दर 2019 में दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई।

बच्चों के लिए कहर बनकर आया कोरोना से भी खतरनाक वायरस

वॉशिंगटन । इस समय दुनिया कोरोना वायरस के नए वैरिएंट्स से परेशान है, वहीं दूसरी ओर एक खतरनाक वायरस ने दुनिया में टेंशन बढ़ा दी है। मिली जानकारी के अनुसार इंग्लैंड और वेल्स में एक ऐसे वायरस का कहर बरप रहा है जो बच्चों के लिए बड़े खतरे की वजह बन रहा है। डॉक्टरों ने इसे लेकर तत्काल चेतावनी जारी की है। इस खतरनाक वायरस के बढ़ने से वैज्ञानिकों को डर है कि यह बच्चों को लिए सबसे अधिक खतरा पैदा करेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह बीमारी खसरा है, डॉक्टरों ने बताया कि परिवार द्वारा अपने बच्चों को एमएमआर टीका देने से इनकार करने के कारण यह पूरे ब्रिटेन में फैल रहा है। यहां के स्वास्थ्य सुरक्षा सलाहकार डॉ नवीद सैयद ने वेस्ट मिडलैंड्स में मामलों में वृद्धि देखने के बाद तगड़ी चिंता जताई। उन्होंने दावा किया कि यह वायरस उन रोगियों में तेजी से फैलने की संभावना है जिन्हें कम से कम एक बार भी टीका नहीं लगाया गया है। बता दें कि इंग्लैंड में खसरा के 149 मामले दर्ज किए गए हैं। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी के अनुसार, यह जनवरी और सितंबर 2023 का आकड़ा है। यदि इसकी 2022 से तुलना करें तब इसके 54 मामले थे। नए आंकड़े बताते हैं कि एमएमआर टीका 2010-11 के बाद से सबसे कम लगाए गए हैं। केवल 84.5 प्रतिशत बच्चों को ही दोनों टीके मिले हैं। इनमें पांच साल की उम्र तक के बच्चों को दोनों खुराक दी गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस पर चिंता जाहिर करते हुए तुरंत इलाज कराने की सलाह दी है।

नाबालिगों को जबरियां कराया जाता है प्रेग्नेंट, नाइजीरिया में धड़ल्ले से हो रही है बेबी फार्मिंग

लंदन। नाइजीरिया वो देश हैं जो बेबी फार्मिंग यानी बच्चों की खेती के लिए जाना जाता है। इसका आधुनिक नाम से सरोगेसी दिया गया है। सरोगेसी का सीधा मतलब देखे तो इसे किराए की कोख भी कहा जाने लगा है। बस इसी किराएदारी के नाम पर गोरख धंधा हो रहा है। जिसके कारण कई नाबालिग लड़कियों की जिदंगी ही तबाह हो रही है। वजह है कि नाबालिग बच्चियों को किडनैप किया जाता है और उन्हे जबरियां गर्भधारण कराया जाता है। इनकी उम्र 14-17 साल के बीच होती है। बेबी फार्मिंग के नाम से चलने वाला ये घिनौना धंधा आराम से चल रहा है। कम उम्र की लड़कियों को किडनैप करके इस धंधे में उतारा जाता है। उन्हें ज़बरदस्ती प्रेग्नेंट किया जाता है और बच्चे पैदा करने के लिए मजबूर किया जाता है। इस बिजनेस को बढ़ावा मिलता है उन कपल्स से, जिनकी कोई संतान नहीं हैं। ऐसे में लड़कियों को जबरन सरोगेट मदर बनाकर उनसे बच्चे पैदा कराए जाते हैं और फिर इन्हें ऊंची कीमत पर बेच दिया जाता है। बेबी फार्मिंग का व्यापार अस्पतालों, अनाथालयों और दूसरी जगहों पर चोरी-छिपे चलाया जा रहा है। कई बार तो खुद गरीबी और बदहाली की वजह से लड़कियां और महिलाएं सरोगेट मदर बनने के लिए तैयार हो जाती हैं। ऐसा नहीं है कि इस घिनौने धंधे के बारे में किसी को पता नहीं है। अंतरराष्ट्रीय सुर्खियों में रह चुके बेबी फार्मिंग के तमाम केस सामने आ चुके हैं और मानवाधिकार संस्थाएं इसे खत्म करने के लिए प्रयास भी करती रही हैं लेकिन ये पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। साल 2011 में गार्डियन की एक रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षाकर्मियों ने एक छापे में 32 प्रेग्नेंट महिलाओं को रिहा कराया था. ये लड़कियां छोटी उम्र में प्रेग्नेंट होने के बाद भी अबॉर्शन नहीं करा सकतीं क्योंकि नाइजीरिया का कानून इसे इज़ाजत नहीं देता। यहां अबॉर्शन को बड़ा अपराध माना जाता है और इस पर 3-7 साल की जेल हो सकती है। माफिया इस तरह पैदा हुए बच्चों को 3-4 रुपये में बेचकर मुनाफा कमाते हैं।

विवाह समारोह के दौरान ढह गई छत...30 घायल

रोम । इटली में टस्कनी क्षेत्र के पिस्तोइया शहर के पास ग्रामीण इलाके में बनी सदियों पुरानी एक इमारत की छत विवाह समारोह के दौरान ढह गई, जिससे 30 लोग घायल हो गए। गवर्नर ने बताया कि छत ढह जाने से 30 लोग घायल हो गए जिनमें से पांच की हालत गंभीर है। उन्होंने बताया कि समारोह पहाड़ की एक चोटी पर बने एक रेस्तरां में आयोजित किया जा रहा था, जो 15वीं शताब्दी में कॉन्वेंट (ईसाई धर्म के लोगों का आश्रम) हुआ करता था। गर्वनर ने बताया कि घायलों को इलाके के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। इतना ही नहीं दमकल कर्मियों ने लोगों को मलबे से बाहर निकाला। किसी के लापता होने की जानकारी नहीं है। अधिकारियों ने कहा कि छत ढहने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

दक्षिण कोरिया में अब कुत्ते के मांस की बिक्री होगी अवैध

- कुत्ते को मारने और मांस बेचने पर मिलेगी सजा

सियोल। कुत्ते का मांस खाने की सदियों पुरानी प्रथा को दक्षिण कोरिया की संसद ने गैरकानूनी घोषित करने वाले ऐतिहासिक कानून का समर्थन किया है। हालांकि, नए कानून के तहत कुत्ते का मांस खाना गैरकानूनी नहीं होगा। यह विधेयक 2027 से मानव उपभोग के लिए कुत्ते को मारने, प्रजनन, व्यापार और इसके मांस की बिक्री को अवैध बना देगा तथा ऐसे कृत्यों के लिए दो से तीन साल तक की कैद की सजा होगी। कुत्ते के मांस की खपत पर प्रतिबंध लगाने के प्रयासों से देश में मांस उद्योग में काफी कमी आई है। हालांकि, इस पहल को किसानों तथा अन्य लोगों के तीव्र विरोध का सामना करना पड़ा है। हाल के सर्वेक्षणों से पता चलता है कि अधिकतर दक्षिण कोरियाई अब कुत्ते का मांस नहीं खाते हैं। कुत्ते के मांस का स्टू, जिसे 卐बोशिनतांग卐 कहा जाता है, कुछ पुराने दक्षिण कोरियाई लोगों के बीच एक स्वादिष्ट व्यंजन माना जाता है, लेकिन यह मांस भोजन करने वालों की पसंद से बाहर हो गया है और अब युवा लोगों के बीच लोकप्रिय नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पिछले साल गैलप पोल के अनुसार, केवल 8 प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्होंने पिछले 12 महीनों में कुत्ते का मांस खाया है, जो 2015 में 27प्रतिशत से कम है। सर्वेक्षण में शामिल लोगों में से पांचवें से भी कम ने कहा कि वे मांस की खपत का समर्थन करते हैं। 22 वर्षीय छात्र ली चाए-योन ने कहा कि पशु अधिकारों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबंध आवश्यक था।

अमेरिका के डेस मोइंस में भारी बर्फबारी के बाद एक महिला इओवा स्टेट कैपिटोल के सामने से निकलती हुई।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा : अमरीका के मिसौरी में उत्सव की धूम, लगे बिलबोर्ड

न्यूर्याक । अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले दुनिया भर में कई कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे है। जानकारी के मुताबिक अमेरिका के कई राज्यों की सड़कों के किनारे और शहरों में भी होर्डिंग लगाए गए हैं, जिसमें भगवान राम के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की झलक

देखने को मिल रही है। जानकारी के लिए बता दें कि इन होर्डिंग्स को न्यू जर्सी, टेक्सास, न्यूयॉर्क, इलिनोइस, और जॉर्जिया सहित अन्य राज्यों में विशाल बिलबोर्ड के तरह लगाया गया है। अमेरिका में राम मंदिर से संबंधित लगाए जा रहे बिलबोर्ड की संख्या में भी इजाफा देखने को मिल रहा है। वहीं विश्व हिन्दू परिषद की अमेरिकी शाखा के मुताबिक एरिजोना और मिसौरी राज्य में इससे संबंधित उत्सव की शुरुआत 15 जनवरी से होगी। इस उत्सव में भाग लेने के लिए लोग पूरी तरह से तैयार है। गौरतलब है कि 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के लिए मात्र 84 सेकेंड का शुभ मुहूर्त निकाला गया है, जो 12.29 बजे से शुरू होकर 12.30 मिनट पर खत्म हो जाएगा। इन्हीं 84 सेकेंड के दौरान ही मृगशिरा नक्षत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रामलला की मूर्ति की आंखों से पट्टी हटाएंगे, और दिव्य दर्शन करने के बाद काजल और तिलक लगाकर भगवान रामलला की महाआरती करेंगे।

आम चुनाव के लिए उम्मीदवारों का चयन कम जानकारी के आधार पर किया गया: इमरान खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने कहा कि आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए उनकी पार्टी के उम्मीदवारों का चयन बेहद 'कम जानकारी' के आधार पर किया गया और वह उनके बीच टिकट वितरण से काफी हद तक अनजान थे। 'डॉन' अखबार की एक रिपोर्ट के अनुसार, खान ने शनिवार को तोशाखाना भ्रष्टाचार मामले में अदालती कार्यवाही में भाग लेने के बाद ये टिप्पणी की। अदालती कार्यवाही शुरू होने से पहले, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के लगभग दो दर्जन कार्यकर्ताओं और विभिन्न निर्वाचन क्षेत्रों के नेताओं ने 71 वर्षीय खान से पार्टी की ओर से टिकट नहीं दिये जाने की शिकायत की।

अखबार में कहा गया, 'उन्होंने उन्हें बताया कि टिकट उन्हें प्राप्त थोड़ी सी जानकारी के आधार पर दिए गए और वह उनके टिकट वितरण से वह अनजान थे। उन्होंने उन्हें समझाया कि पार्टी नेताओं के साथ एक संक्षिप्त चर्चा में 850 टिकटों के वितरण के बारे में त्वरित निर्णय लेना उनके लिए संभव नहीं था।'' खान ने एक बार फिर अपने प्रतिद्वंद्वी नवाज शरीफ पर 'पसंद के अंपायरों के साथ' मैच खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि धन शोधन करने वाला एक प्रमाणित व्यक्ति 'लंदन योजना' के तहत पाकिस्तान लौट आया और उसे सुरक्षित रास्ता दे दिया गया क्योंकि अदालतें कथित तौर पर उनके विरोधियों के प्रति उदार दिखीं।

एक सवाल के जवाब में कि क्या वह कुछ हलकों के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हैं, पूर्व प्रधानमंत्री ने जवाब दिया कि उन्हें 18 महीने पहले बातचीत का विकल्प दिया गया था, लेकिन उन्हें कोई अंदाजा नहीं था कि 'किसके साथ' और 'किस लिए' बातचीत करनी है। इमरान ने कहा कि चर्चा के लिए केवल एक ही मुद्दा बचा है जो स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव आयोजित करने का है। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के दो वरिष्ठ न्यायाधीशों के इस्तीफे पर चिंता जताई। इमरान को लगता है कि पीटीआई के चुनाव चिह्न 'बल्ला' के खिलाफ किए जा रहे सभी प्रयासों का उद्देश्य चुनाव से पहले पार्टी को कमजोर करना है, लेकिन चाहे कुछ भी हो जाए, पार्टी आखिरी गेंद तक लड़ेगी। खान की टिप्पणी शनिवार को उच्चतम न्यायालय के उस फैसले से पहले आई है, जिसमें पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अंतर-पार्टी चुनावों को अमान्य घोषित कर दिया गया और पार्टी को उसके चुनाव चिह्न 'बल्ला' से वंचित कर दिया गया। इस फैसले ने पीटीआई को यह घोषणा करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि उसके उम्मीदवार 'स्वतंत्र उम्मीदवार' के रूप में चुनाव लड़ेंगे। इस बीच, शनिवार को तोशाखाना मामले की कार्यवाही के दौरान जवाबदेही अदालत के न्यायाधीश मोहम्मद बशीर ने चार गवाहों के बयान दर्ज किए। अब तक आठ गवाहों ने अदालत के समक्ष गवाही दी है। इस मामले में आगे की कार्यवाही 15 जनवरी तक के लिए स्थगित कर दी गई है।

विलियम लाई ने जीता ताइवान का राष्ट्रपति चुनाव

- तीसरी बार राष्ट्रपति बनी लाई ने लोकतंत्र में नया अध्याय लिखने के लिए जताया नागरिकों का आभार

ताइपे शहर (एजेंसी)। चीन की चेतावनियों के बावजूद,संप्रभुता समर्थक विचारों पर ताइवान के मतदाताओं ने एक ऐतिहासिक चुनाव में विलियम लाई को अपना राष्ट्रपति चुना है। इससे सत्ताधारी डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) को तीसरा कार्यकाल मिल गया है। सूत्रों के अनुसार, इस कदम से नाराज बीजिंग ने नतीजों के तुरंत बाद एक बयान जारी कर कहा कि ताइवान चीन का हिस्सा है। शनिवार के लाई को विजेता घोषित किए जाने के बाद बीजिंग ने कहा कि डीपीपी द्वीप पर मुख्यधारा की जनता की राय का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।ताइवान के केंद्रीय चुनाव आयोग के अनुसार, 64 वर्षीय लाई ने 40 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल किए और अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी, कुओमिन्तांग के होउ यू-इह को लगभग 7 प्रतिशत मतों से पीछे छोड़ दिया।

उभरती हुई ताइवान पीपुल्स पार्टी के को वेन-जे को 26 प्रतिशत वोट मिले।अपनी पार्टी के लिए लगातार तीसरी बार अभूतपूर्व राष्ट्रपति पद जीतकर लाई ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, देश आगे बढ़ने के लिए सही रास्ते पर चलता रहेगा। हम न तो पीछे मुड़ेंगे और न ही पीछे मुड़कर देखेंगे।लाई ने एक विजय भाषण में कहा, हमारे लोकतंत्र में एक नया अध्याय लिखने के लिए मैं ताइवान के लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम अंतरराष्ट्रीय समुदाय को बता रहे हैं कि लोकतंत्र और अधिनायकवाद के बीच, हम लोकतंत्र के पक्ष में खड़े होंगे।लाई ने गरिमा और समानता के आधार पर बातचीत की इच्छा दोहराते हुए कहा कि उन्हें चीन के साथ संबंध सुधरने की उम्मीद है।

लाल सागर को खून के समंदर में बदल रहे अमेरिका व ब्रिटेन

-हूथियों पर हमले से तुर्की हुआ परेशान, बचाव के ढूंढ रहा तरीके

अंकारा (एजेंसी)। लाल सागर को खून का समंदर बनाने पर तुले अमेरिका और ब्रिटेन के हमलों को तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने गलत बताया है। उन्होंने यमन में हूथी विद्रोहियों पर हमला करने के लिए अमेरिका और ब्रिटेन की तीखी आलोचना करते हुए कड़े शब्दों में टिप्पणी की है। तुर्की ने कहा कि ये देश लाल सागर को 'खून के समुद्र' में बदलने की कोशिश कर रहे हैं। यह बयान इस्तांबुल में हाल ही में हुई एक रैली के कुछ दिनों बाद आया है जब एर्दोगन ने राज्य आतंकवाद को अंजाम देने के लिए इज़रायल पर हमला बोला था और इज़रायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू की तुलना नाजी नेता एडॉल्फ हिटलर से की थी। यमन में हूथी को निशाना बनाकर अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा किए जा रहे हवाई हमलों पर मीडिया कर्मियों को जवाब देते हुए तुर्की के राष्ट्रपति ने कहा, जो कुछ भी किया गया है वह सेना का गलत इस्तेमाल है। उन्होंने आगे कहा, फिलहाल, वे लाल सागर को खून के समुद्र में बदलने की कोशिश कर रहे हैं और यमन, हूथियों के साथ और अपनी पूरी ताकत का उपयोग करके, कहता है कि वह इस क्षेत्र में संयुक्त राज्य अमेरिका, ब्रिटेन को जरूरी जवाब देगा। बता दें कि हूथी लाल सागर क्षेत्र में जहाजों पर हमला कर रहे हैं, जो अपने रणनीतिक स्थान और प्रमुख जलमार्गों के कारण वैश्विक परिवहन और व्यापार के लिए महत्व रखता है। एर्दोगन ने कहा कि यमन में हूथी अमेरिका और ब्रिटेन के हमलों के खिलाफ बहुत सफल बचाव, प्रतिक्रिया कर रहे हैं। बढ़ती स्थिति के बीच अपनी सुरक्षा पर बोलते हुए, एर्दोगन ने कहा कि वह यह देखने पर काम कर रहे हैं कि जो कुछ भी हो रहा है उससे वह खुद को कैसे बचा सकते हैं। चूंकि अमेरिका और यूरोपीय संघ हमास को एक आतंकवादी समूह मानते हैं, अंकारा ऐसा नहीं मानता है।

भारत समर्थक विपक्षी पार्टी के आदम अजीम बने माले के मेयर

-जीत से मालदीव में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को लगा बड़ा झटका

माले (एजेंसी)। मालदीव की राजधानी माले में भारत समर्थक विपक्षी पार्टी के आदम अजीम मेयर पद पर काबिज हो गए हैं। उन्हें हाल में हुए चुनावों में प्रचण्ड जीत मिली है। इससे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू को बड़ा झटका लगा है। जानकारी के अनुसार एमडीपी उम्मीदवार आदम अजीम को माले का नया मेयर चुना गया है, यह पद हाल तक मुइज्जू के पास था। बता दें कि मुइज्जू ने पिछले साल राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए पद से इस्तीफा दे दिया था। इधर मालदीव के मीडिया ने अजीम की जीत को 'प्रचंड' जीत बताया है। एमडीपी का नेतृत्व भारत समर्थक पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद सोलिह कर रहे हैं, जो राष्ट्रपति चुनाव में चीन समर्थक नेता मुइज्जू से हार गए थे। मी?डिया रिपोर्ट के अनुसार, अजीम ने मुइज्जू की अगुवाई वाले प्रतिद्वंद्वी दल 'पीपुल्स नेशनल कांग्रेस' (पीएनसी) की ऐशथ अजीमा शकूर को हराया। जाहिर है कि मालदीव के तीन मंत्रियों द्वारा पीएम नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर भारत के साथ मालदीव के संबंधों में खटास आ गई है। चीन की पांच दिवसीय राजकीय यात्रा के बाद स्वदेश लौटे मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा कि उनका देश छोटा हो सकता है, लेकिन इससे किसी को हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता।'

जानकार बता रहे हैं कि मुइज्जू का यह बयान मालदीव के तीन मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर भारत के साथ राजनयिक विवाद के बीच आया है। चीन समर्थक नेता माने जाने वाले मुइज्जू ने किसी देश का नाम लिए बिना कहा, 'हम छोटे हो सकते हैं लेकिन इससे उन्हें हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता।' चीन की यात्रा से लौटने पर उन्होंने मीडिया से कहा, 'हमारे पास इस महासागर में छोटे द्वीप हैं, लेकिन हमारे पास 9,00,000 वर्ग किलोमीटर का एक विशाल विशेष आर्थिक क्षेत्र है। मालदीव इस महासागर का सबसे बड़ा हिस्सा रखने वाले देशों में से एक है।'

इस दौरान भारत पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए राष्ट्रपति मुइज्जू ने कहा, 'यह महासागर किसी विशिष्ट देश का नहीं है। हिन्द महासागर इस क्षेत्र में स्थित सभी देशों का है।' एक रिपोर्ट में मुइज्जू के हवाले से कहा गया, 'हम किसी के पिछलग्गू में नहीं हैं। हम एक स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र हैं।' बता दें कि नवंबर में पदभार संभालने का बाद मुइज्जू की यह पहली चीन यात्रा थी। अपनी चीन यात्रा के दौरान मुइज्जू ने राष्ट्रपति शी चिनपिंग के साथ 20 समझौतों पर हस्ताक्षर किए। शीर्ष चीनी नेताओं के साथ मुइज्जू की वार्ता के बाद संयुक्त बयान में कहा गया, 'दोनों पक्ष अपने-अपने मूल हितों की रक्षा मेंदृढ़ता से समर्थन करने पर राजी हुए हैं।

आईसीजे समेत कोई भी शक्ति गाजा में जारी युद्ध नहीं रोक सकता: इस्राइल

- रैली निकालकर बंधकों के परिवारों ने लगाई इजराइल से परिजनों की रिहाई की गुहार

-युद्धग्रस्त गाजा में 23,000 से अधिक फलस्तीनी की मौत

गाजा पट्टी (एजेंसी)। फलस्तीनियों के संहार के आरोप पर इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा है कि अंतरराष्ट्रीय न्यायालय (आईसीजे) समेत कोई गाजा में जारी युद्ध नहीं रोक सकता। युद्ध के 100 दिन पूरे होने के बीच नेतन्याहू ने कहा कि इजराइल हमास के खिलाफ जीत मिलने तक युद्ध जारी रखेगा । बता दें कि संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अदालत ने दक्षिण अफ्रीका के इन आरोपों को लेकर दो दिन सुनवाई में कहा कि इजराइल फलस्तीनियों का जनसंहार कर रहा है।

आईसीजे में सुनवाई के बाद इजराइल ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए स्पष्ट किया कि इजराइल लड़ाई रोकने के आदेशों की अनदेखी करेगा, जिससे उसके अलग-थलग पड़ जाने की आशंका है। । गौरतलब है कि दक्षिण अफ्रीका ने न्यायालय से इजराइल को यह आदेश देने का अनुरोध किया है कि वह अपने भीषण हवाई और जमीनी हमलों को अंतरिम कदम के तहत रोके। आईसीजे का मुख्यालय हेग में है। नेतन्याहू ने ईरान और उसके सहयोगी मिलिशिया का जिक्र करते हुए शनिवार शाम को टेलीविजन पर प्रसारित टिप्पणियों में कहा, ''हमें कोई नहीं रोकेगा, न हेग, न कोई और।''

अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के समक्ष मामले की सुनवाई वर्षों तक चलने की संभावना है लेकिन अंतरिम कदमों पर फैसला कुछ हफ्तों के भीतर आ सकता है। न्यायालय के फैसले बाध्यकारी हैं लेकिन उन्हें लागू करना कठिन है। नेतन्याहू ने स्पष्ट किया कि इजराइल लड़ाई रोकने के आदेशों की अनदेखी करेगा, जिससे उसके अलग-थलग पड़ जाने की आशंका है। इजराइल पर युद्ध समाप्त करने का अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ रहा है। इस युद्ध के दौरान गाजा में 23,000 से अधिक फलस्तीनी मारे जा चुके है। इजराइल का तर्क है कि युद्ध समाप्त करने का मतलब हमास की जीत होगा। हमास और अन्य आतंकवादियों ने इजराइल में सात अक्टूबर को हमला कर करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे।

इसके अलावा 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था। इनमें से कुछ को रिहा कर दिया गया है, कुछ लोगों की मौत की पुष्टि कर दी गई है और माना जा रहा है कि आधे से अधिक लोग अब भी कैद में हैं। हमास के इसी हमले के बाद इजराइल और हमास के बीच भीषण युद्ध आरंभ हुआ। बंधकों के परिवारों ने शनिवार रात तेल अवीव में 24 घंटे की रैली निकाली और इजराइल सरकार से उनके प्रियजन की रिहाई सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भीड़ में मारे गए दो साधुओं सहित तीन व्यक्तियों के परिजनों को मिली पांच लाख की मदद

पालघर । महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने भीड़ में मारे गए दो साधुओं सहित तीन लोगों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की मदद की है। गौरतलब है कि ये लोग 2020 में पालघर जिले में भीड़ के हाथों मारे गए थे। इनमें दो साधुओं सहित तीन व्यक्तियों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये के चेक सौंपे हैं। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री ने यहां विरार में एक कार्यक्रम में शामिल होने के दौरान ये चेक सौंपे। घटना के अनुसार साधु कल्पवृक्ष गिरि महाराज (70), सुशील गिरि महाराज (35) और उनके चालक नीलेश तेलगड़े (30) की भीड़ ने उस वक्त हत्या कर दी थी, जब उनका वाहन उस वर्ष 16 अप्रैल की देर रात कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान गडचिंचले गांव से गुजर रहा था। इस मामले में, 500 लोगों की भीड़ में शामिल उनमें से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया था और उनपर मुकदमा चल रहा है। सीएम शिंदे ने कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पीड़ितों के परिजनों से मिलने की कभी कोशिश नहीं की। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी शिवसेना ने पीड़ितों के परिजनों को अपने कोष से सहायता राशि दी है, ताकि उनके परिजनों को सहायता मिल सके।

किन्नरों ने दिया ऑफर, 22 जनवरी को जन्मे बच्चों का नहीं लेंगे नेंग

बरेली । किन्नर समुदाय ने अयोध्या में भव्य मंदिर में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर नेंग नहीं लेने का ऐलान किया है। बरेली के किन्नर समुदाय ने कहा कि 22 जनवरी को पैदा होने वाले बच्चों के घरों में वे बधाई गाने तो जाएंगे लेकिन नेग नहीं मांगेंगे। इधर हर वर्ष पांच गरीब बच्चों की स्कूल की फीस अदा करने वाली किन्नर शारदा ने बताया कि वह अपने क्षेत्र में यजमानों के घर-घर जाकर पांच-पांच दीपक पहुंचा रहे हैं, ताकि 22 जनवरी को अपने घरों में दीपक जलाएं। उन्होंने कहा कि हम बड़े भाग्यशाली हैं कि अपने जीवन में राम मंदिर के दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि 22 जनवरी को जिस परिवार में संतान होने पर हम बधाई गाने जाएंगे, वहां नेग नहीं मानेंगे जो मिल जाएगा खुशी-खुशी ले लेंगे और नहीं भी मिला तो आशीर्वाद देकर के लौट आएंगे। किन्नर शारदा ने कहा कि जब प्रभु श्रीराम वनवास जा रहे थे तो अवध के हर नर नारी के साथ-साथ किन्नर भी उनके पीछे-पीछे जाने लगे तो प्रभु के निवेदन पर सभी अयोध्या लौट आये लेकिन किन्नर नहीं लौटे। तमसा नदी के पास 14 वर्ष तक प्रभु राम का गुणगान और उनकी पूजा-अर्चना की। वनवास के बाद जब श्रीराम लौटे तो वह उनके प्रति समर्पण भाव देख प्रसन्न हुए और तभी उन्होंने वरदान दिया कि संतान होने पर किन्नर घर-घर बधाई गाकर बच्चों को आशीर्वाद देंगे तो खुशहाली बनी रहेगी। यही वजह है कि आज हम प्रभु श्रीराम की कृपा से घर-घर जाकर पैदा होने वाले बच्चे को आशीर्वाद देते हैं।

पहली बार खुला सांवलिया सेठ का भेंट पात्र, निकला करोड़ों का खजाना

चित्तौड़गढ़ । मेवाड़ के कृष्ण धाम चित्तौड़गढ़ के श्री सांवलिया मं?दिर के दानपात्र को पहली बार खोला गया। जिसमें करोड़ों का खजाना निकला है। जानकारी के अनुसार यहां प्रतिमाह अमावस्या के एक दिन पूर्व खुलने वाले दान पात्र में करोड़ों की राशि के चढ़ावे के साथ ही सोने और चांदी के आभूषण सहित डॉलर भी दानपात्र में निकल रहे हैं। वर्ष 2024 के पहले माह में हुई गणना में ही सांवरिया सेठ के भंडारे में करोड़ों रुपये निकले हैं। बताया जा रहा है कि अभी तक केवल तीन राउंड की गिनती हुई है। इसमें साढ़े दस करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि मिल चुकी है। सांवलिया सेठ के भंडारे की गिनती अभी जारी है। अभी सोने और चांदी के जेवरों का तौल नहीं हुआ है। फिलहाल तो रुपयों की गिनती पूरी की जाएगी इसके बाद जेवर का तौल होगा। साल के पहले माह में अमावस्या के एक दिन पूर्व बुधवार से शुरू हुई दानपात्र की गणना में अब तक कुल 10 करोड़ 63 लाख 97 हजार 71 रुपए की राशि की गणना पूरी हो चुकी है। शेष राशि की गणना जारी है। मंडफिया स्थित मेवाड़ के कृष्णधाम श्री सांवलिया सेठ के मं?दिर में लाखों की संख्या में श्रद्धालु आते हैं। यहां आने वाले सभी श्रद्धालु अपनी श्रद्धानुसार सांवरिया सेठ को चढ़ावा चढ़ाते हैं। यहां पर हर महीने की अमावस्या से पहले कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी को भंडारा खोला जाता है।

भाजपा और आरएसएस के बुलावे पर नहीं राम के बुलावे पर अयोध्या जाएंगें : हरीश रावत

देहरादून । कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि वह 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हो रहे हैं। रावत ने कहा, राम हमारी आस्था, हमारे सब कुछ हैं। सनातन परंपरा के अनुसार जब भी भगवान हमें बुलाएंगे, हम जाएंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) या राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के निमंत्रण पर कोई क्यों जाएगा? इन संगठनों ने पूरे कार्यक्रम का भगवाकरण किया है। पूर्व सीएम रावत ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह को भाजपा या आरएसएस के कार्यक्रम के रूप में पेश नहीं किया जाना चाहिए, जैसा कि किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यहां तक कि शंकराचार्यों ने भी आयोजन के तरीके पर आपत्ति जाहिर की है।

बृजभूषण शरण के करीबी संजय सिंह को जान से मरने की धमकी

वाराणसी। यूपी की कैसरगंज सीट से बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह और उनके करीबी भारतीय कुश्ती संघ के निलंबित अध्यक्ष संजय सिंह को फोन कर जान से मारने की धमकी मिली हैं। संजय ने भेलूपुर थाने में मोबाइल नंबर के आधार पर केस दर्ज कराया है। बताया कि शुक्रवार रात में दो बार फोन आया, इसके बाद शनिवार दोपहर में भी फोन कर धमकी दी। संजय सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे अनजान नंबर से फोन आया। उन्होंने रिसीव नहीं किया। करीब डेढ़ घंटे बाद फिर उसी नंबर से फोन आया। फोन रिसीव करने पर धमकी देने वाला उल्टी सीधी बात करने लगा। लगा कि किसी ने शरारत की है। फिर शनिवार दोपहर में उसी नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने उन्हें और बृजभूषण शरण सिंह को गोली से मारने, बम से उड़ाने की बात करने लगा। गाली गलौज करने पर संजय ने फोन काट दिया। फिर फोन कर धमकाना शुरू कर दिया। इसके बाद छह बार फोन किया लेकिन संजय सिंह ने रिसीव नहीं किया। इसके बाद अपने लोगों को जानकारी देने के बाद भेलूपुर पुलिस को अवगत कराया। पुलिस ने कहा कि आरोपी की शिनाख्त कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। पुलिस की जांच में मोबाइल नंबर लखनऊ के करन राजपूत के नाम से मिला है।

हाई कोर्ट ने कहा- 12 साल के बच्चे का कोई काम अपराध नहीं

- बॉम्बे हाई कोर्ट ने रद्द की पासपोर्ट में गलत जन्म तिथि पर दर्ज एफआईआर

मुंबई । बॉम्बे हाई कोर्ट ने पासपोर्ट में गलत जन्म तारीख दर्ज कराने की वजह से आपराधिक मामला झेल रही युवती को राहत प्रदान कर दी है। हाई कोर्ट ने कहा है कि 7 से 12 साल के बच्चे द्वारा किया गया कोई भी कार्य अपराध की श्रेणी में नहीं आता है, क्योंकि इस उम्र में बच्चे में कोई समझ नहीं होती। आईपीसी की धारा 83 में यह स्पष्ट किया गया है। मामले से जुड़ी युवती ने 2002 में जब पासपोर्ट के लिए पहली अर्जी दी थी, उस समय उसकी उम्र 12 साल से कम थी। सरकारी वकील ने रिकार्ड में ऐसी कोई सामग्री नहीं पेश की है, जो यह ज्ञात कराए कि तत्कालीन समय में युवती ने खुद के कार्य को लेकर पर्याप्त परिपक्वता हासिल कर ली थी। युवती ने गलत जन्म तारीख से जुड़े पासपोर्ट का इस्तेमाल नहीं किया है। प्रथम दृष्टया आरोपी के खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं बनता है, ऐसे में युवती के खिलाफ 13 साल पहले दर्ज एफआईआर को जारी रखना पूरी तरह से कानूनी प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा। जस्टिस अजय गडकरी और जस्टिस श्याम चंडक की बेंच ने यह मत व्यक्त करते युवती के खिलाफ वरली पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर को रद्द कर दिया है। गौरतलब है ?कि 2016 में युवती ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी। तब कोर्ट ने उसे अंतरिम राहत दी थी। युवती के मुताबिक, ट्रैवल एजेंट ने पहली बार उसके पासपोर्ट के लिए अर्जी दी थी। तब पासपोर्ट में उसकी जन्म तारीख 22 अप्रैल 1991 दर्ज हुई थी। पहले पासपोर्ट की अवधि समाप्त होने के बाद युवती ने जनवरी 2009 में नए पासपोर्ट के लिए अर्जी दी। इसमें जन्म तारीख 22 दिसंबर 1990 दर्ज कराई। यह युवती की असली जन्म तारीख थी। मगर पासपोर्ट कार्यालय ने केस की पड़ताल करने के बाद युवती को नोटिस जारी किया और एफआईआर दर्ज कराई।

सपा विधायकों की अखिलेश को दो टूक... स्वामी प्रसाद मौर्य की जुबान पर लगाम लगाए

-मौर्य के हिंदु विरोधी बयान से सपा नेता नाखुश

लखनऊ (एजेंसी)। हिंदू धर्म पर लगातार विवादित बयान देने वाले समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता स्वामी प्रसाद मौर्य को लेकर पार्टी में घमासान मचा हुआ है। पिछले हफ्ते, पार्टी की बैठक में विधायकों ने पार्टी अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव के सामने मुद्दा उठाया था और बाद में उन्हें आश्वासन दिया गया कि स्वामी प्रसाद मौर्य को धार्मिक मुद्दों पर टिप्पणी करने से परहेज करने के लिए कहा गया है।

हालांकि, अगले दिन, मौर्य ने कार सेवकों पर टिप्पणी करते हुए उन्हें असामाजिक तत्व करार दिया। सपा के वरिष्ठ विधायक राकेश प्रताप सिंह और समरपाल सिंह ने अब पार्टी नेतृत्व से मौर्य के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। दरअसल, सिंह पिछले हफ्ते पूजा-अर्चना के लिए अयोध्या गए थे और ट्रस्ट के पदाधिकारी चंपत राय से मुलाकात की थी। ब्राह्मण समुदाय के एक अन्य सपा विधायक ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है, कि मौर्य कुछ निहित स्वार्थों के इशारे पर काम कर रहे हैं, जो आगामी लोकसभा चुनावों में समाजवादी पार्टी को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। जब वह योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री थे, तब उन्होंने इन मुद्दों पर कभी एक शब्द भी नहीं बोला।

विधायक ने कहा कि मौर्य के व्यवहार पर अखिलेश की चुप्पी एक बड़ी परेशानी है और स्वाभिमानी हिंदू चाहते हैं कि पार्टी नेतृत्व इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण दे। दिलचस्प बात यह है कि मौर्य को अभी तक अपने बयानों के लिए सपा के भीतर ओबीसी नेताओं से कोई समर्थन नहीं मिला है और यहां तक कि बहुजन समाज पार्टी के उनके पूर्व सहयोगियों ने भी उनसे दूरी बना ली है। हिंदुओं के खिलाफ मौर्य के रुख का इस्तेमाल बीजेपी समाजवादी पार्टी पर निशाना साधने के लिए कर रही है।

उत्तरप्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा, स्वामी प्रसाद मौर्य वहीं बोल रहे हैं, जो अखिलेश उनसे कह रहे हैं। अगर मौर्य खुद ही ये बयान दे रहे हैं, तब अखिलेश को उन्हें पार्टी महासचिव के पद से हटाने से कौन रोक रहा है? मौर्य की टिप्पणी से कांग्रेस भी नाराज है। एक वरिष्ठ नेता ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण समय है, जब राम मंदिर का द्वार खुलने को तैयार है। कोई भी हिंदू विरोधी नहीं दिखना चाहता और मौर्य की तीखी टिप्पणी से गलत संदेश जाना तय है। अखिलेश को इस पर रोक लगाने के लिए कदम उठाना चाहिए, क्योंकि उनके मतदाता भी हिंदू हैं।

पीएम मोदी ने जनसेवा और राष्ट्र विकास को ही सर्वोपरि रखा : बिप्लव देव

चंडीगढ़। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री, हरियाणा प्रभारी एवं राज्यसभा सांसद बिप्लव देव ने राई विधानसभा के गांव नांगल खुर्द में विकसित भारत संकल्प यात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि देश के हर नागरिक को विकसित भारत बनाने में अपनी भूमिका तय करनी है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की गारंटी गाड़ी से आम जनमानस को जनकल्याण की गारंटी मिल रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ऐसी पहली सरकार है जो घर-घर जाकर लोगों की मांगों को पूर्ण करते हुए उनकी समस्याओं का समाधान कर रही है। देब ने कहा कि मोदी की गारंटी गाड़ी को गांव-गांव और नगर-नगर का दौरा करते हुए 52 दिनों से अधिक समय व्यतीत हो चुका है। अब लोगों को गारंटी की गाड़ी की प्रतीक्षा रहने लगी है, जिससे उनकी समस्याओं का निदान मौके पर ही मिलता है। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के प्रयासों को मजबूती देने में कोई कसर नहीं छोड़ी। देब ने कहा कि प्रदेश सरकार की व्यवस्था और जागरूक कार्यक्रम सराहनीय हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि 25 जनवरी को यात्रा के समापन अवसर तक उन लोगों को भी इसमें शामिल किया जाएगा जो किसी कारणवण छूट गए हैं। इस यात्रा का उद्देश्य जन-जन को योजनाओं का लाभ प्रदान करना है। त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री बिप्लब देब ने कहा कि यह कोई स्वाभाविक प्रक्रिया नहीं है, अपितु यह व्यवस्था प्रधानमंत्री ने बनाई है, जिससे लोगों को अपने काम के लिए सरकारी कार्यालयों में जाने की जरूरत नहीं है।

74 फीसदी मुसलमान राम मंदिर के निर्माण से खुश हैं : मुस्लिम राष्ट्रीय मंच

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने दावा किया है कि देश के 74 फीसदी मुसलमान राम मंदिर के निर्माण से खुश हैं। गौरतलब है कि 22 जनवरी को भगवान राम अपने भव्य मंदिर में विराजमान होने जा रहे हैं। इसी बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़े मुस्लिम राष्ट्रीय मंच (एमआरएम) ने शनिवार को दावा किया कि देश के अधिकतर मुसलमानों का मानना है कि भगवान राम सभी के हैं और उन्होंने अयोध्या में राम मंदिर के पक्ष में अपनी राय दी है। गुजरात के एक धर्मार्थ ट्रस्ट के सहयोग से किए गए सर्वेक्षण के निष्कर्षों का हवाला देते हुए एमआरएम ने दावा किया कि अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य चाहते हैं कि तथाकथित उलेमा, मौलाना और विपक्षी नेता जो इस्लाम के नाम पर राजनीतिक करने की कोशिश कर रहे हैं, उनका पूर्ण बहिष्कार किया जाना चाहिए। बताया जा रहा है कि आरएसएस के वरिष्ठ नेता इंद्रेश कुमार के नेतृत्व वाले एमआरएम ने सर्वेक्षण रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि देश के 74 प्रतिशत मुस्लिम अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण से खुश हैं।

एक बयान में एमआरएम ने कहा कि सर्वेक्षण में

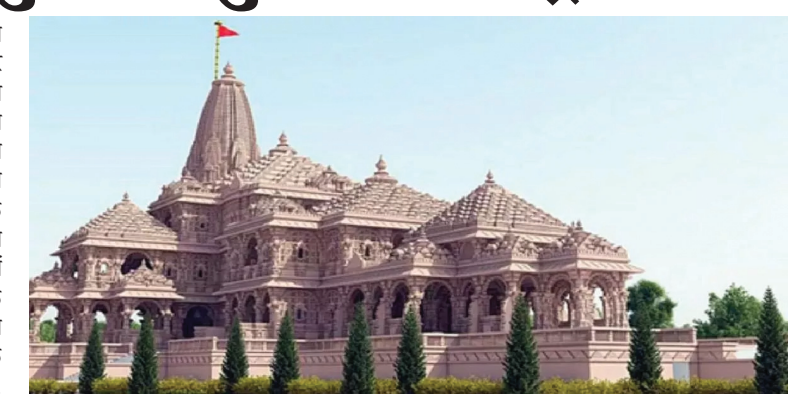

74 फीसदी मुसलमानों ने राम मंदिर के पक्ष में और 72 फीसदी मुसलमानों ने मोदी सरकार के पक्ष में खुलकर अपनी राय दी। इसमें दावा किया गया कि 26 प्रतिशत मुसलमानों ने मोदी सरकार पर कोई भरोसा नहीं जताया और धार्मिक कट्टरता के आरोप लगाए। रिपोर्ट में कहा कि इन लोगों ने माना कि राम आस्था का सवाल हैं लेकिन उन्हें नहीं लगता कि वे कभी राम मंदिर जाएंगे और न ही उन्हें मोदी सरकार पर भरोसा है। संगठन ने कहा कि 'आयुर्वेद फाउंडेशन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 'राम जन सर्वेक्षण के तहत दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, असम और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में 10,000 लोगों के बीच पहुंचकर बातचीत की गई थी।

नायडू और पवन कल्याण ने रेड्डी सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा, वाईएसआरसीपी की उल्टी गिनती शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमरावती (ईएमएस)। तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) सुप्रीमो एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि आंध्र प्रदेश में वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पूर्व सीएम ने जन सेना पार्टी (जेएसपी) नेता और अभिनेता पवन कल्याण के साथ अमरावती के मंडदम में भोगी समारोह में हिस्सा लिया। दोनों नेताओं ने वाईएसआरसीपी सरकार के जनविरोधी नीतियों को भोगी अग्नि में जलाया। टीडीपी और जेएसपी ने आगामी लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों के लिए गठबंधन की घोषणा की है। दोनों दल भोगी मनाने के लिए एक साथ आए, जो तीन दिवसीय संक्रांति उत्सव की शुरुआत है। समारोह का आयोजन तेलुगु जातीकी स्वर्ण युगम-संक्रांति संकल्पम (तेलुगु लोगों के लिए स्वर्ण युग के लिए संक्रांति प्रतिज्ञा) के नारे के साथ संयुक्त रूप से किया गया। नायडू ने कहा कि रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। पूर्व मुख्यमंत्री नायडू ने आरोप लगाया कि पिछले पांच वर्षों के दौरान वाईएसआरसीपी के अक्षम और विनाशकारी शासन के कारण लोगों को बहुत परेशानी हुई है। उन्होंने कहा, इस सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और राज्य के अच्छे दिन आने वाले हैं। नायडू ने आरोप लगाया कि जगन मोहन सरकार ने अमरावती के किसानों के लिए बहुत सारी समस्याएं पैदा कीं और पिछले पांच साल उनके लिए काला समय था। उन्होंने कहा कि अमरावती देवताओं की राजधानी है। वह शैतानों के हाथों में चली गई है। टीडीपी प्रमुख ने लोगों से धर्म, जाति और क्षेत्र से ऊपर उठकर आंध्र प्रदेश को वाईएसआरसीपी से मुक्त कराने के एकमात्र उद्देश्य के साथ अगले 87 दिनों तक काम करने की अपील की।

गुरू संत रविदास मंदिर में झाड़ू लगाकर नडडा ने किया स्वच्छ तीर्थ स्वच्छता अभियान का आरंभ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा रविवार को दिल्ली के गुरू संत रविदास के ऐतिहासिक मंदिर में झाड़ू लगाकर और सफाई कर पार्टी के स्वच्छ तीर्थ स्वच्छता अभियान में शामिल हुए। इस दौरान नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर पार्टी ने तय किया है कि मकर संक्रांति के दिन 14 से 22 जनवरी तक हम (पार्टी नेता एवं कार्यकर्ता) हरेक तीर्थस्थल और मंदिर के सफाई अभियान में शामिल होकर वहां भजन-कीर्तन भी करने वाले हैं। प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन 22 जनवरी को पार्टी द्वारा देशभर में चलाए जाने वाले अभियान की जानकारी देकर नड्डा ने कहा कि 22 जनवरी को हम सभी अपने-अपने घरों में राम ज्योति जलाकर प्रभु श्री राम की आराधना करने वाले हैं।

बता दें कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान के मुताबिक भाजपा ने देशभर में 14 जनवरी से 22 जनवरी तक स्वच्छता अभियान चलाने की योजना बनाई है। स्वच्छ तीर्थ स्वच्छता अभियान के कार्यक्रम के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित केंद्र सरकार के सभी मंत्री, भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित पार्टी के सभी राष्ट्रीय पदाधिकारी, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, प्रदेश अध्यक्ष, राज्यों के मंत्री एवं राज्यों के पदाधिकारी सहित पार्टी के सारे जनप्रतिनिधि स्वच्छता अभियान में हिस्सा ले रहे हैं। देशभर के मंदिर और पूजा स्थल के आसपास के क्षेत्रों में विशेष तौर पर यह अभियान चलाया जाएगा। पार्टी के नेता और कार्यकर्ता रोजाना औसतन 2 से 3 घंटे तक का समय इसके लिए दे और लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करे। प्रधानमंत्री मोदी ने नासिक में ऐतिहासिक कालाराम मंदिर में स्वयं स्वच्छता अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने मंदिर में झाड़ू और पोछा लगाकर स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए सभी को प्रेरित भी किया।

देश के अनेक हिस्सों में घने कोहरे के साथ शीत लहर का प्रकोप जारी

-मौसम विभाग ने कई इलाकों में बारिश होने की जताई संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के अनेक हिस्सों में इन दिनों घने कोहरे के साथ शीत लहर का प्रकोप जारी है। साथ ही कई इलाकों में बारिश होने की संभावना भी जताई जा रही है। इस समय उत्तर भारत के कई हिस्सों में कड़ाके की ठंड का प्रकोप बरकरार है। भारत मौसम विज्ञान विभाग, आईएमडी ने कहा कि आने वाले दिनों में पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और राजस्थान के कई हिस्सों में ठंड से अत्यधिक ठंड की स्थिति बरकरार रह सकती है। अगले तीन से चार दिनों तक उत्तर पश्चिम भारत के कुछ हिस्सों में सुबह बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। मालूम हो कि दृश्यता जब शून्य से 50 मीटर के बीच हो तो बहुत घना कोहरा, 51 से 200 मीटर के बीच घना कोहरा, 201 से 500 मीटर के बीच मध्यम और 501 से 1,000 मीटर के बीच हल्का कोहरा होता है। हाल की बात करें तो उत्तरी मैदानी इलाकों में शनिवार सुबह से कोहरे की परत छाई है। इससे दृश्यता कम हो गई और यातायात प्रभावित हुआ है।

भारतीय रेल के एक प्रवक्ता ने कहा कि कोहरे के कारण शुक्रवार को दिल्ली आने वाली 23 रेलगाड़ियां प्रभावित हुईं। यहां पर दिल्ली में शीतलहर का प्रकोप जारी है। प्रमुख मौसम केंद्र सफदरजंग वेधशाला ने राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया, जो इस मौसम का सबसे कम तापमान रहा। राजधानी में अधिकतम तापमान 19.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी के लोगों को आज भी ठंड से राहत नहीं मिलेगी। बर्फीली हवाओं ने लोगों की कंपकपी और ज्यादा बढ़ा दी है। सर्द हवाएं दिल्ली-एनसीआर के लेकर यूपी के पूर्वांचल तक महसूस की जा रही हैं। यह जरूर है कि दिन में बादल छाए रहने से रात का तापमान कुछ बढ़ जाता है।

इधर राजस्थान, पंजाब, हरियाणा समेत कई इलाकों में तीखी ठंड पड़ रही हैं जहां न्यूनतम तापमान शून्य के करीब पहुंच गया। अमृतसर में पारा 1.4 और बठिंडा में 2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा के नारनौल में 2.2, हिसार में 2.6 और झज्जर में 3.1 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। राजस्थान के माउंड आबू में तो शुक्रवार को न्यूनतम तापमान माइनस 1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इसी तरह पंजाब के अलग-अलग इलाकों को लेकर आज कोहरे का रेड अलर्ड जारी है। यहां अगले तीन दिन के लिए कोहरे का औरेंज अलर्ट जारी हुआ है। जब?कि कुछ हिस्सों मे बारिश की संभावना व्यक्त की गई है।

इसी तरह देहरादून सहित उत्तराखंड के अन्य पहाड़ी इलाकों में तापमान में गिरावट दर्ज की गई जिससे पूरा प्रदेश भीषण ठंड की चपेट में आ गया। मौसम विभाग ने कहा कि प्रदेश में शीतलहर की स्थिति अगले कुछ दिन अभी बनी रहेगी। मौसम विभाग ने 16 जनवरी तक राज्य के हरिद्वार, उधमसिंह नगर, देहरादून, पौड़ी और नैनीताल जिलों के मैदानी क्षेत्रों में शीत लहर व घना कोहरा छाए रहने की संभावना जताई है। वहीं हिमाचल प्रदेश के मध्य व उच्च पर्वतीय कई भागों में अगले 2 दिनों तक बारिश के साथ बर्फबारी की संभावना है।

रामोत्सव- 2024: थल, नभ और जल से अभेद्य हुई रामनगरी की सुरक्षा व्यवस्था

- जमीन पर एटीएस, एसटीएफ और पुलिस बल की भारी भरकम फोर्स की गई तैनात

- सीसीटीवी, एआई और नभ में एंटी ड्रोन से चप्पे-चप्पे पर रखी जा रही है नजर

- सरयू नदी और घाटों पर तैनात की गई एनडीआरएफ की टुकड़ी

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी अयोध्या धाम की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अति संवेदनशील हैं। ऐसे में धाम की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए योगी सरकार थल, नभ और जल से रामनगरी की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता कर रही है। इसके तहत मैनुअल एजेंसियों की तैनाती के साथ टेक्नोलॉजी का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। योगी सरकार ने जहां धाम में एटीएस, एसटीएफ, पीएसी, यूपीएसएसएफ समेत यूपी पुलिस की भारी-भरकम फोर्स को तैनात किया है, वहीं टेक्नोलॉजी के लिहाज से एआई, एंटी ड्रोन, सीसीटीवी कैमरों को लगाया गया है। वहीं सरयू नदी और घाटों पर एनडीआरएफ की टुकड़ी को तैनात किया गया है। इसके साथ ही अयोध्या में मेहमानों की सुरक्षा के लिए बार कोडिंग का इस्तेमाल भी किया जा रहा है।

फोर्स को दी जा रही बिहेवियर ट्रेनिंग

अयोध्या आईजी प्रवीण कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के मद्देनजर अयोध्या में भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है। इसके अलावा धाम की सुरक्षा को लेकर इसे दो जोन रेड और यलो में बांटा गया है। केंद्रीय एजेंसी में सीआरपीएफ, एनडीआरएफ भी तैनात की गई है। साथ ही इंटेलिजेंस ब्यूरो और रॉ का भी सहयोग लिया जा रहा है। धाम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के 100 से अधिक डीएसपी, लगभग 325 इंस्पेक्टर व 800 उपनिरीक्षकों को तैनात किया गया है जबकि मुख्य समारोह से पहले पुलिस और अर्धसैनिक बलों के 11,000 जवान तैनात किये जाएंगे। वहीं वीआईपी सुरक्षा के लिए तीन डीआईजी, 17 एसपी, 40 एएसपी, 82 डीएसपी, 90 इंस्पेक्टर के साथ एक हजार से ज्यादा कॉस्टेबल और 4 कंपनी पीएसी को तैनात किया गया है। आईजी ने बताया कि कार्यक्रम को देखते हुए और फोर्स को बढ़ाया जा रहा है। वहीं किसी भी स्थिति में चूक की कोई गुंजाइश न रहे इसके लिए सुरक्षा कार्य में लगी सभी एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय हो इस पर भी फोकस किया जा रहा है। चाक-चौबन्द रेल सुरक्षा के लिए भी विशेष इंतजाम किए गए हैं। जीआरपी को पर्याप्त संख्या में अतिरिक्त सुरक्षाबल दिए गए हैं। धाम में तैनात फोर्स को श्रद्धालुओं और मेहमानों के साथ व्यवहार को लेकर बिहेवियर ट्रेनिंग दी जा रही है। साथ ही श्रद्धालुओं को दर्शनीय स्थलों की जानकारी देने के लिए 250 पुलिस गाइड की तैनाती की गई है। इसके अलावा 14 जनवरी को डिजिटल टूरिस्ट एप को लांच किया जाएगा।

अयोध्या धाम को 12 एंटी ड्रोन सिस्टम से किया गया लैस

योगी सरकार धाम की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए लेटेस्ट टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रही है। इसके तहत नगर निगम के आईटीएमएस, पुलिस के माध्यम से सीसीटीवी, कन्ट्रोल रूम एवं पब्लिक सीसीटीवी के माध्यम से पूरे शहर की निगरानी की जा रही है। इसके लिए पब्लिक सीसीटीवी के 1500 कैमरों को आईटीएमएस से इन्टीग्रेट किया गया है। वहीं यलो जोन में 10,715 स्थानों पर चेहरा पहचान एआई आधारित बडी स्क्रीनें आईटीएसमएस से इन्टीग्रेट की गई हैं। साथ ही ओएफसी लिंक कैमरों की व्यवस्था की गई है। पूरी सुरक्षा व्यवस्था में एआई तकनीक का भरपूर इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही एंटी ड्रोन सिस्टम पूरी तरह से सक्रिय मोड पर है। एंटी ड्रोन सिस्टम के माध्यम से अति संवेदनशील अयोध्या के रेड और येलो जोन को सुरक्षित किया गया है। इस सिस्टम के माध्यम से 5 किलोमीटर की परिधि में उड़ने वाले किसी भी ड्रोन को लोकेट किया जा सकेगा। यह एंटी ड्रोन सिस्टम इजराइल की कंपनी द्वारा निर्मित विश्व का आधुनिकतम तकनीक वाला है। इसके माध्यम से किसी भी ड्रोन को निष्क्रिय किया जा सकता है। पूरे धाम को 12 एंटी ड्रोन सिस्टम से लैस किया गया है। इसके माध्यम से जल, थल और नभ में चल रही सारी गतिविधियों को देखा जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान वीआईपी की सुरक्षा और उन्हे कोई परेशानी न हो, इसके लिए बार कोड का इस्तेमाल किया जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एलजी ने 32 और व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को 24 घंटे खोलने की दी अनुमति, बढ़ेंगे रोजगार के नए अवसर

नई दिल्ली। दिल्ली में 32 और नए प्रतिष्ठान 24 घंटे सेवाएं देंगे। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने 32 और प्रतिष्ठानों को 24 घंटे खोलने की मंजूरी दी है। दिल्ली के उपराज्यपाल वी.के. सक्सेना ने 32 नए प्रतिष्ठानों को 24X7 के आधार पर काम करने की छूट प्रदान की।

सक्सेना के पदभार संभालने के बाद पिछले एक वर्ष के दौरान इस तरह की छूट मिलने वाले प्रतिष्ठानों की संख्या 667 हो गई है। रोजगार के अवसर पैदा होंगे, आय में वृद्धि होगी और आर्थिक गतिविधि को बढ़ावा मिलेगा। 32 नई स्वीकृतियों में से 7 प्रतिष्ठान, नाइट शिफ्ट में काम करने वाले युवा और महिला कर्मचारियों के लिए छूट से संबंधित हैं और उनकी सुरक्षा की गारंटी प्रतिष्ठानों द्वारा दी जाएगी।

नोएडा में 5 हजार से ज्यादा कटे चालान, 35 वाहन सीज, यातायात नियमों के उल्लंघन और नो पार्किंग के खिलाफ भी चला अभियान

नोएडा। गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं आमजन को सुगम व सुचारु यातायात व्यवस्था प्रदान किए जाने के उद्देश्य से नोएडा शहर में सेक्टर 15 गोलचक्कर चौक, सेक्टर 27 विनायक अस्पताल, सेक्टर 125, मॉडल टाउन पर विशेष अभियान चलाकर विपरीत दिशा एवं नो-पार्किंग में खडे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान 236 ई-चालान एवं 35 वाहनों के खिलाफ सीज तथा क्रेनों की सहायता से 42 वाहनों के खिलाफ टो की कार्यवाही की गई। सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत13 जनवरी को यातायात पुलिस की रोड सेफ्टी सेल द्वारा कोहरे के दृष्टिगत सडक दुर्घटनाओं से बचाव व यातायात नियमों का पालन करने के लिए किसान चौक, बिसरख, सूरजपुर पर आमजन व वाहन चालकों को यातायात नियमों की जानकारी देकर पालन करने के लिए जागरूक किया गया। डीएनडी टोल, महामाया फ्लाई ओवर व जेवर टोल प्लाजा पर कोहरे के कारण सड़क दुर्घटना से बचाव के लिए अनाउसमेन्ट के माध्यम से वाहन चालकों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसके साथ ही चालान की भी करवाई की गई, जिसमें विपरीत दिशा के 369, फिटनेस समाप्त होने के 17, दोषपूर्ण नंबबर प्लेट के 93, नो-पार्किंग के 507, अन्य 4416, कुल 5402 ई-चालान किए गए और 35 वाहन सीज किए गए।

गाजियाबाद में नशेडी स्टंटबाज ने गार्ड को कुचलने का किया प्रयास, वीडियो वायरल

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कवि नगर थाना क्षेत्र में एक सोसायटी के बाहर देर रात कर से स्टंट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि नशे में धुत एक युवक सोसायटी के बाहर कर को गोल-गोल घूमा रहा था जब सोसायटी के गार्ड ने युवक का विरोध किया तो उसने गार्ड को कार से कुचलने की कोशिश की। इस घटना की वीडियो किसी ने अपने कमरे में रिकॉर्ड कर ली और सोशल मीडिया पर वायरल कर दी, जिसके बाद अब पुलिस ने भी वीडियो का संज्ञान लिया है। वायरल वीडियो में आप साफ तौर पर देख सकते हैं कि समिति के गार्ड को एक युवक किस तरह से कर से कुचलने का प्रयास कर रहा है सड़क पर कार को तेज स्पीड में गोल-गोल घूमाने का यह वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है वायरल वीडियो को गाजियाबाद पुलिस को भी टैग किया गया है।

दिल्ली-एनसीआर की हवा फिर से बिगड़ी, ग्रैप तीन के प्रतिबंध किए गए लागू

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर की हवा एक बार फिर से खराब हो गई है। जिस वजह से दिल्ली-एनसीआर में तत्काल प्रभाव से GRAP-III (ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान) लागू कर दिया गया है। सीएक्यूएम उप-समिति ने क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में और गिरावट को रोकने के लिए तत्काल प्रभाव से पूरे एनसीआर में जीआरएपी के चरण-III के अनुसार 8-सूत्रीय कार्य योजना लागू करने का निर्णय लिया है।

जीआरएपी चरण-III प्रतिबंधों में पत्थर क्रशरों के संचालन को बंद करना, एनसीआर में सभी खनन और संबंधित गतिविधियों को बंद करना और पूरे एनसीआर में निर्माण और विध्वंस गतिविधियों पर सख्त प्रतिबंध (परियोजनाओं की कुछ श्रेणियों को छोड़कर) शामिल हैं। एनसीआर राज्य सरकारें/जीएनसीटीडी दिल्ली और गुरुग्राम, फरीदाबाद, गाजियाबाद और गौतमबुद्ध नगर जिलों में बीएस III पेट्रोल और बीएस IV डीजल एलएमवी (4 पहिया वाहन) के संचालन पर सख्त प्रतिबंध लगाएंगी। एनसीआर और जीएनसीटीडी में राज्य सरकारें पांचवीं कक्षा तक के बच्चों के लिए स्कूलों में भौतिक कक्षाएं बंद करने और ऑनलाइन मोड में कक्षाएं आयोजित करने पर निर्णय ले सकती हैं।'

दिल्ली में एक्यूआई 400 पार

दिल्ली की हवा लगातार खराब हाल में है। दिल्ली के कई इलाकों का AQI 'गंभीर' श्रेणी में पहुंच चुका है। सबसे बुरा हाल आनंद विहार का है। वहां का AQI 478 दर्ज किया गया है। नेहरू स्टेडियम, आईजीआई एयरपोर्ट और आईटीओ का AQI क्रमशः 465, 465 और 455 रिकॉर्ड किया गया है।

कोहरे का कहरः ईस्टर्न पैरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा, पांच ट्रकों की हुई जबरदस्त भिड़ंत

नोएडा। घने कोहरे के चलते रविवार सुबह ग्रेटर नोएडा के ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेस-वे पर भीषण हादसा हो गया। ईस्टर्न पैरिफेरल पर पलवल से नोएडा जाने वाले रास्ते इंडियन पेट्रोल पंप के पास अत्यधिक कोहरा होने के कारण चलता हुआ ट्रक डिवाइडर तोड़कर उपर चढ गया। जिस कारण पीछे से आने वाले पांच ट्रक आगे पीछे टकरा गये। हादसे में एक चालक की मौत हो गई है और चार लोग घायल हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, मृतक का नाम स्पष्ट नहीं हो पाया है। मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। वहीं अन्य चार घायलों में रामलवट पुत्र जहरीलाल निवासी शाहगंज जनपद जौनपुर उम्र 60 वर्ष, प्रवीन पुत्र रोजदार निवासी नूह थाना पिनहवा जिला नूह हरियाणा उम्र 25 वर्ष, अशोक पुत्र बाबू लाल निवासी खुर्जा बुलंदशहर उम्र 40 वर्ष, भूपेन्द्र पुत्र उदयवीर सिंह निवासी खुर्जा जिला बुलंदशहर उम 30 वर्ष का नाम शामिल है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, कुछ देर के लिए ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे पर यातायात बाधित हो गया।

दिल दहलाने वाली घटनाः अलीपुर में दंपती और दो बच्चों की मौत, इंद्रपुरी में भी दो लोगों ने तोड़ा दम

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली से सनसनीखेज खबर सामने आई है। यहां अलीपुर के खेड़ा कलां गांव में अंगीठी जला कर सो रहे परिवार के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में पति-पत्नी और दो बच्चे शामिल हैं। शुरुआती जांच में रात में अंगीठी जला कर सोने की बात सामने आई है। दम घुटने से मौत की आशंका जताई जा रही है। सुबह पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी, सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर छानबीन में जुटी है। अलीपुर के खेड़ा कलां गांव में मरने वाले की पहचान 40 साल के राकेश, उनकी पत्नी ललिता (38), बेटा पियूष (8) और सन्नी (7) साल के रूप में हुई है। राकेश टैंकर चालक थे। परिवार मूलतः बिहार के मुंगेर का रहने वाला था।

अतिरिक्त डीसीपी (बाहरी उत्तर) बी भरत रेड्डी ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दंपती और 2 बच्चों की मौत हो गई है। एक फोरेंसिक टीम को बुलाया गया है। अंगीठी के नमूने एकत्र किए गए हैं। संदेह है कि उनकी मौत दम घुटने से हुई है। हर पहलू से जांच चल रही है।

इंद्रपुरी में दो लोगों की मौत

इंद्रपुरी इलाके में सी ब्लॉक में भी दो लोगों की मौत हुई है। मरने वालों में अभिषेक और सोम बहादुर शामिल हैं। दोनों कमरे में अंगीठी जला कर सो रहे थे। दम घुटने से मौत की आशंका है। दोनों मूल रूप से नेपाल के रहने वाले थे। पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है।

द्वारका में हुई थी दो लोगों की मौत

द्वारका इलाके के पोचनपुर गांव में कड़कड़ाती सर्दी से बचने के लिए कमरे में जलाई गई आग एक परिवार के लिए काल बन गई। रात दम घुटने से युवा दंपती की मौत हो गई जबकि हादसे में इनका दो माह का मासूम बच्चा बाल-बाल बच गया। मृतकों की शिनाख्त मानव (24) और इसकी पत्नी नेहा (21) के रूप में हुई है। सुबह के समय पास में रहने वाला मानव का छोटा भाई अजय (12) घर पहुंचा तो भैया-भाभी का दरवाजा अंदर से बंद था। अंदर से मासूम आयुष (दो माह) के रोने की आवाज आ रही थी। पड़ोसियों को खबर दी गई तो उन्होंने खिड़की का कांच तोड़ा। अंदर बिस्तर पर मानव व नेहा अचेत पड़े थे।

सोमवार से खुलेंगे दिल्ली के सभी स्कूल, कड़ाके की ठंड के चलते टाइमिंग में हुआ बदलाव

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय ने सोमवार से सभी स्कूलों को खोलने का आदेश आज जारी कर दिया। सरकार द्वारा जारी नोटिस में कहा गया है कि सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों के सभी छात्र 15 जनवरी (सोमवार) से अपने संबंधित स्कूलों में वापस कक्षाओं में शामिल होंगे। इसमें नर्सरी, केजी और प्राइमरी कक्षाएं भी शामिल हैं। हालांकि नोटिस में कहा गया है कि मौजूदा कोहरे की स्थिति को देखते हुए एहतियात बरतना आवश्यक है। कोई भी स्कूल (डबल शिफ्ट स्कूल सहित) सुबह 9 बजे से पहले शुरू नहीं होगा और शाम 5 बजे से बाद कक्षाएं नहीं होंगी। यह नियम अगले आदेश तक जारी रहेगा।

बीते हफ्ते ही स्कूलों का बढ़ाया गया था अवकाश

बता दें, कड़ाके की ठंड को देखते हुए शिक्षा निदेशालय ने सभी सरकारी सहायता प्राप्त और निजी स्कूलों को 12 जनवरी तक बंद रखने का निर्देश दिया था। शिक्षा निदेशालय ने परिपत्र जारी करते हुए कहा कि सभी स्कूलों में 12 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश रहेगा। इसके पहले स्कूलों का शीतकालीन अवकाश छह जनवरी को समाप्त हो रहा था।

नोएडा के साप्ताहिक बाजारों में सक्रिय हुए बदमाश, कई महिलाओं के मोबाइल फोन हुए चोरी, वीडियो वायरल

नोएडा। औद्योगिक शहर नोएडा के विभिन्न सेक्टरों में लगने वाले साप्ताहिक बाजारों में चोरी की घटनाएं बढ़ने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। इन बाजारों में वाहन चोरी की घटनाओं के साथ-साथ महिलाओं के जेवरात व मोबाइल फोन भी चोरी हो रहे हैं। ताजा मामला थाना सेक्टर-24 क्षेत्र के सेक्टर-34 में लगने वाले साप्ताहिक बाजार का है। यहां दस से 12 लोगों के मोबाइल फोन चोरी होने का मामला सामने आया है। हालांकि पुलिस का कहना है कि अभी तक तीन से चार महिलाओं के मोबाइल चोरी होने की ही पुष्टि हो पाई है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला जा रहा है। सोशल मीडिया के विविध प्लेटफॉर्म पर 30 सेकेंड का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें कई पीड़ित अरावली चौकी परिसर में मोबाइल चोरी की शिकायत दर्ज कराने के लिए खड़े हैं। इसमें कई महिलाएं भी शामिल हैं। चौकी पर खड़े पीड़ितों का कहना है कि वह घर का सामान लेने के लिए बाजार आए थे और अलग-अलग समय में उनके मोबाइल बाजार के अंदर से ही चोरी हो गए। आरोप है कि अलग-अलग जगहों पर लगने वाली साप्ताहिक बाजार में एक ऐसा गिरोह सक्रिय हैं जो मोबाइल और गहने की चोरी करता है। टप्पेबाजों का गिरोह भी इन बाजारों में सक्रिय है। समय-समय पर ऐसी घटनाएं सामने आती हैं।

आनंद विहार बस अड्डे में बसों की पार्किंग के लिए FASTag से लिया जाएगा शुल्क, नहीं लगेंगी कतारें

दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के आनंद विहार बस अड्डे पर प्रवेश करने वाली बसों से पार्किंग शुल्क फास्टैग से लिया जाएगा। अभी यहां आरएफआइडी से शुल्क वसूली की व्यवस्था है, जो धीमी होती है। इसमें रिचार्ज न होने की सूरत में नकद शुल्क लेना पड़ता है।

रोजाना चलती हैं करीब 2200 बसें

इस बस अड्डे से करीब 2200 बसें रोज संचालित होती हैं। इनमें से 900 बसें अंतरराज्यीय हैं। बाकी लोकल बसें हैं। सभी से आरएफआइडी से शुल्क लिया जाता है। काफी बसें ऐसी होती हैं, जिनका आरएफआइडी टैग रिचार्ज नहीं होता। उनकी वजह से शुल्क वसूली में समय लगता है। इससे रोड पर बसों की कतार लग जाती है और जाम लगने लगता है।

इस समस्या को देखते फास्टैग से शुल्क वसूली के बारे में सोचा गया। बस अड्डा संचालित कर रही दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम के अधिकारियों का कहना है कि इस माह के अंत तक फास्टैग व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

कारसेवा का जुनून ऐसा कि पुलिस वर्दी में विवादास्पद ढांचे तक पहुंच गए थे विजय गोयल, फिर पहचान छुपाने के लिए किया ऐसा...

नई दिल्ली। युवा विजय गोयल में कार सेवा का जुनून ऐसा था कि वह पुलिस की वर्दी पहनकर कर विवादस्पद ढांचे तक पहुंच गए थे और जैसे ही विवादास्पद ढांचे को ढहा दिया गया तब कार सेवा संबंधित सभी बिल्ले, पटके और अन्य निशानियों को वहीं फेंक कर रातों रात दिल्ली लौट आए। वर्ष 1992 में राम मंदिर आंदोलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री विजय गोयल भी कफन बांधकर कूदे थे। उन दिनों को याद करते हुए वो बताते हैं कि उनके दिल और दिमाग से राममंदिर के निर्माण का जुनून ऐसा था कि मां से आशीर्वाद लेकर 47 सदस्यीय कारसेवकों के एक जत्थे के साथ तीन दिसंबर 1992 को ट्रेन से फैजाबाद पहुंच गए थे।

...कभी भी चल सकती थी गोलियां

सभी कारसेवकों ने वर्ष 1990 का वो मंजर भी देखा था कि जब कभी भी गोलियां चल सकती थी, इसलिए सभी कारसेवक अपने सिर पर कफन बांधकर निकले थे। स्टेशन से वे लोग घोड़े और तांगों से अयोध्या की तरफ बढ़े। उस समय चारों ओर बस राम भक्त दिखाई दे रहे थे।

रात में हर गली, हर घर में होती थी श्रीराम की आरती

इतनी अधिक संख्या में राम भक्तों को देखकर उन्हें आगे की यात्रा पैदल ही करनी पड़ी। अयोध्या पहुंचते ही उन्हें एक पुराने से खंडहर आश्रम में विश्राम करने की जगह दी गई। जबकि बाहर श्रीराम के भक्तों का रेला लगा हुआ था। रात में हर गली, हर घर में श्रीराम के कीर्तन व आरती होती थी। वो भी चार दिसंबर की रात आरती में शामिल हुए। अगले दिन पांच दिसंबर को सरयू नदी में स्नान कर आगे बढ़े। वह बताते हैं कि गंतव्य तक पहुंचने के लिए सभी इतने उत्साहित थे कि रात भर नींद नहीं आई। छह दिसंबर को बार बार लोगों से शांति की अपील की जा रही थी, लेकिन उन सभी के सिर पर जुनून सवार था।

आगे तक बिना रोक-टोक के पुलिस के घेरे को पार कर वह गुंबद तक पहुंच जाएं, इसके लिए उन्होंने पुलिस की वर्दी पहन ली। राम लला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे के उद्घोष के साथ वे सभी विवादित ढांचे की तरफ बढ़े। वह सीता रसोई की छत तक पहुंच गए, जहां पर लालकृष्ण आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, साध्वी ऋतंभरा व प्रमोद महाजन पहले से मौजूद थे।

दिल्ली के मीना बाजार में 19 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या,पुलिस जांच में जुटी

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के मीना बाजार में तीन लोगों ने 19 साल के एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। एक अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान गाजियाबाद के लोनी निवासी अरमान उर्फ कासिम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, घटना रविवार सुबह 4:30 बजे जामा मस्जिद इलाके में हुई। सुबह करीब 5:20 बजे जामा मस्जिद थाने में सूचना मिली कि एक घायल व्यक्ति को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया है। तुरंत पुलिस की एक टीम वहां पहुंची। पूछताछ करने पर पता चला कि अरमान के शरीर के ऊपरी हिस्से में चाकू लगने से जख्म हुए थे। अधिकारी ने कहा कि मृतक और उसके पिता मीना बाजार में रेहड़ी-पटरी का काम करते थे। शुरुआती जांच से पता चलता है कि मृतक और तीन अन्य लड़कों के बीच विवाद हुआ था, जिसके कारण यह घटना हुई। भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 और 34 के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। पुलिस की टीमें मामले की जांच कर रही हैं।

आप नेता संजय सिंह, एनडी गुप्ता और स्वाति मालीवाल बने राज्यसभा सांसद, चुने गए निर्विरोध

नई दिल्ली। दिल्ली में आम आदमी पार्टी से राज्यसभा के लिए तीनों उम्मीदवार चुने गए। आम आदमी पार्टी के तीनों उम्मीदवार संजय सिंह, एनडी गुप्ता और स्वाति मालीवाल राज्यसभा के लिए चुने गए। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट से इजाजत लेकर सिविल लाइंस जीत का सर्टिफिकेट लेने के लिए संजय सिंह पहुंचे थे। इस अवसर आप समर्थकों ने इन तीनों उम्मीदवारों को जोरदार स्वागत किया और नारेबाजी की।

दिल्ली के राज्यसभा चुनाव के लिए आप आदमी पार्टी के इन नेताओं ने सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया था। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 9 जनवरी थी, जबकि नामांकन की जांच 10 जनवरी को हुई थी। उम्मीदवारों का नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 12 जनवरी थी।

आम आदमी पार्टी ने अपनी सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'संसद में गूंजेगी देश के आम आदमी की आवाज़?? राज्यसभा के लिए AAP के वरिष्ठ नेता संजय सिहं, एनडी गुप्ता और दिल्ली की पूर्व महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल निर्विरोध राज्यसभा के सांसद चुने गए। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली में आप के राज्यसभा उम्मीदवारों स्वाति मालीवाल, संजय सिंह और एनडी गुप्ता का निर्विरोध चुन लिया गया, क्योंकि किसी अन्य पार्टी के किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन दाखिल नहीं किया था। आप सांसद संजय सिंह, एन डी गुप्ता और सुशील कुमार गुप्ता का छह साल का कार्यकाल 27 जनवरी को समाप्त हो रहा था।

आप के तीनों उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित

जबकि आप ने संजय सिंह और एन डी गुप्ता को दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से नामांकित किया था। उसने सुशील गुप्ता की जगह लेने के लिए दिल्ली महिला आयोग की पूर्व प्रमुख मालीवाल को नामित किया था। तीनों उम्मीदवारों का निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुन लिया गया। राज्यसभा के आला अधिकारी ने उन्हें जीत का प्रमाणपत्र प्रदान किया।

दिल्ली में खुद को कास्टिंग डायरेक्टर बताकर 15 मॉडलों से ठगी करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को कहा कि कास्टिंग डायरेक्टर के भेष में 15 से अधिक मॉडलों को इवेंट और फोटो शूट में काम दिलाने के बहाने कथित तौर पर ठगने के आरोप में एक ठग को गिरफ्तार किया गया है।अधिकारी ने बताया कि आरोपी की पहचान मालवीय नगर निवासी गौरव खन्ना (43) के रूप में हुई है और वह मॉडलों को ठगने की अपनी योजनाओं को अंजाम देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम का इस्तेमाल कर रहा था। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता, एक महत्वाकांक्षी मॉडल, ने कीर्ति नगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, इसमें आरोप लगाया गया कि वह इंस्टाग्राम के माध्यम से खन्ना से जुड़ी, जहां उन्होंने खुद को प्रोडक्शन हाउस 'एएनजी प्रोडक्शंस' के कास्टिंग डायरेक्टर के रूप में पेश किया।